



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक

WEEKLY

सं. 7 ] नई दिल्ली, फरवरी 8—फरवरी 14, 2004, शनिवार/माघ 19—माघ 25, 1925  
No. 7 ] NEW DELHI, FEBRUARY 8—FEBRUARY 14, 2004, SATURDAY/MAGHA 19—MAGHA 25, 1925

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(Other than the Ministry of Defence)

मंत्रिमंडल सचिवालय

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का. आ. 298.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गौर सुन्दर मुखोपाध्याय, अधिवक्ता को विचारण न्यायालयों में निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा उन्हें सौंपे गए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (के.अ.ब्यूरो) द्वारा पश्चिम बंगाल राज्य में नार्थ 24 परगना और साउथ 24 परगना में संस्थित मामलों के अभियोजन तथा विधि द्वारा स्थापित पुनरीक्षण अथवा अपील न्यायालयों में इन मामलों से उद्भूत अपीलों/पुनरीक्षणों अथवा अन्य विषयों का संचालन करने के लिए विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/37/2002-डीएसपीई]

शुभा ठाकुर, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

New Delhi, the 30th January, 2004

S. O. 298.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government  
357 GI/2004

(571)

hereby appoints Shri Gour Sundar Mukhopadhyaya, Advocate as Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment (CBI) in the State of West Bengal at North 24 Parganās and South 24 parganas as entrusted to him by the Director, Central Bureau of Investigation, in the trial Courts and appeals/revisions or other matter arising out of these cases in revisional or appellate Courts established by law.

[No. 225/37/2002-OSPE]

SHUBHA THAKUR, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कार्यालय आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क

नागपुर, 22 दिसम्बर, 2003

सं. 1/2003-सीमा शुल्क (एन.टी.)

का. आ. 299.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 1 जुलाई, 1994 की अधिसूचना सं. 33/94-सी.शु. [एन.टी.] के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए,

मै एतद्द्वारा गांव घोटरली ग्राम पंचायत वायगांव, तहसील उमरेर, जिला नागपुर [महाराष्ट्र] को विकास आयुक्त, एसईईपीजेड, विशेष आर्थिक क्षेत्र, भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई द्वारा अनुमोदित केवल 100% निर्यात उन्मुख इकाई लगाने के उद्देश्य से सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा-9 के अधीन वेअर हाउसिंग स्टेशन घोषित करता हूँ।

[फा.सं. VIII(सी.शु.)25-6/2003]

हरजिन्दर सिंह, आयुक्त

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

OFFICE OF THE COMMISSIONER, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Nagpur, the 22nd December, 2003

No. 1/2003-CUSTOMS (N.T.)

S. O. 299.—In exercise of the powers conferred by Notification No. 33/94-Cus.(N.T.) dated 1st July, 1994 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, I hereby declare Village Ghoturli, Gram panchayat Waygaon, Tahsil Umrer, Distt. Nagpur in the state of Maharashtra to be warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) for the purpose of setting up of 100% Export Oriented Undertaking only, approved by the Development Commissioner, SEEPZ, Special Economic Zone, Government of India, Ministry of Commerce and Industry, Andheri (East), Mumbai.

[C. No. VIII(CUS.)25-6/2003]

HARJINDER SINGH, Commissioner

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2003

(आयकर)

क्र. आ. 300.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा "इंडियन वीमेन साइंटिस्ट एसोसिएशन, वाशी, नवी मुम्बई" को वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगा, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 355/2003/फा. सं. 197/5/98-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

#### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 19th December, 2003

(INCOME-TAX)

S. O. 300.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Indian Women Scientist Association, Vashi, Navi Mumbai" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-Tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 355/2003/F. No. 197/5/98-ITA-1]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2003

(आयकर)

का. आ. 301.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट, चेन्नै” को वर्ष 1989-90 से 1991-1992 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 356/2003/फा. सं. 197/141/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th December, 2003

(INCOME-TAX)

S. O. 301.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Council for Leather Exports, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-1992 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

(iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

(v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 356/2003/F. No. 197/141/2003-ITA-1]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2003

(आयकर)

का. आ. 302.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “जलियांवाला बाग नेशनल मेमोरियल ट्रस्ट, अमृतसर” को वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;

- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 358/2003/फा. सं. 197/36/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th December, 2003

**(INCOME-TAX)**

S. O. 302.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Jallianwalla Bagh National Memorial Trust, Amritsar” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-1999 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in anyone or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 358/2003/F. No. 197/36/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2003

(आयकर)

का. आ. 303.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “सदन हेल्थ इम्प्रूवमेंट समिति,

डाकघर-भांगर, जिला-24 परगना, पश्चिम बंगाल” को वर्ष 2000-01 से 2001-02 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 359/2003/फा. सं. 197/150/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th December, 2003

**(INCOME-TAX)**

S. O. 303.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Southern Health Improvement Samity, P.O. Bhangar, Distt. 24 Parganas, West Bengal” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2000-01 to 2001-02 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years



mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 359/2003/F. No. 197/150/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2003

(आयकर)

का.आ. 304.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "हिज होलिनेस द दलाई लामा चेरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली" को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;

- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 360/2003/फा. सं. 197/202/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 20th December, 2003

(INCOME-TAX)

S.O. 304.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "His Holiness the Dalai Lama's Charitable Trust, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-05 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives and no part of the same will go to any of the members of the Society.

[Notification No. 360/2003/F. No. 197/202/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

(आयकर)

का.आ. 305.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "नेशनल चिल्ड्रेन्स फण्ड, 5, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, हौजखास, नई दिल्ली" को वर्ष 1993-1994 से 1995-1996 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया

तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करंगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 22/2004/फा. सं. 197/166/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 21st January, 2004

#### (INCOME-TAX)

S.O. 305.—In exercise of powers conferred by the sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "National Children's Fund, 5, Siri Institutional Area, Hauz Khas, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-1994 to 1995-1996 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee

and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 22/2004/F. No. 197/166/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

#### (आयकर)

का.आ. 306.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "कर्नाटक चीफ मिनिस्टर्स मेडिकल रिलीफ सोसायटी बंगलूर" को वर्ष 2002-2003 से 2004-05 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 23/2004/फा. सं. 197/191/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 21st January, 2004

## (INCOME-TAX)

**S.O. 306.**—In exercise of powers conferred by the sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Karnataka Chief Minister's Medical Relief Society Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax Authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 23/2004/F. No. 197/191/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

## ( आयकर )

**का.आ. 307.**—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "नेशनल चिल्ड्रेन्स फण्ड, 5, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, हौजखास, नई दिल्ली" को वर्ष 1990-1991 से 1992-1993 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग

अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 26/2004/फा. सं. 197/165/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 21st January, 2004

## (INCOME-TAX)

**S. O. 307.**—In exercise of powers conferred by the sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "National Children's Fund, 5, Siri Institutional Area, Hauz Khas, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax Authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 26/2004/F. No. 197/165/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

(आयकर)

का.आ. 308.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "सर्व सेवा संघ, सेवा ग्राम, वर्धा (महाराष्ट्र)" को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 31/2004/फा. सं. 197/177/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 28th January, 2004

(INCOME-TAX)

S.O. 308.—In exercise of powers conferred by the sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies the "Sarva Seva Sangh, Sevagram, Wardha (Maharashtra)" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-Tax Authority in accordance with the provisions of the Income-Tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 31/2004/F. No. 197/177/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

(आयकर)

का.आ. 309.—सामान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा अधोलिखित संगठन को उसके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ "संघ" श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) अधिसूचित संगठन ने अनुसंधान कार्यकलापों के लिए अलग लेखा बहियों का रख-रखाव करेगी;
- (ii) अधिसूचित संगठन प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों की वार्षिक रिटर्न प्रत्येक 31 मई को अथवा उससे पहले सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग "टेक्नोलाजी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को प्रस्तुत करेगी;
- (iii) अधिसूचित संगठन केन्द्र सरकार की तरफ से नामोदित निर्धारण अधिकारी को आयकर की विवरणी प्रस्तुत करने

के अतिरिक्त अपने लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति तथा अपने अनुसंधान कार्यकलापों, जिसके लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत छूट प्रदान की गई थी, के संबंध में आय एवं व्यय खाते की लेखा परीक्षा की भी एक प्रति संगठन पर अधिकार क्षेत्र वाले (क) आयकर महानिदेशक (छूट) 10 मिडिलटन रो, पांचवां तल, कलकत्ता-700071 (ख) सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर, को अथवा उससे पहले प्रस्तुत करेगी।

क्रम सं.	अनुमोदित संगठन का नाम	अवधि जिसके लिए अधिसूचना प्रभावी है
1.	मैसर्स विजन रिसर्च फाउंडेशन, 18 कालेज रोड, चेन्नई-600006	1-4-2003 से 31-3-2006

**टिप्पणी.**—(i) उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" के रूप में श्रेणीबद्ध संगठन पर लागू नहीं होगी।

(ii) अधिसूचित संस्था को सलाह दी जाती है कि वह अनुमोदन के नवीकरण के लिए तीन प्रतियों में और पहले ही अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) के माध्यम से केन्द्र सरकार को आवेदन करें। अनुमोदन के नवीकरण के लिए आवेदन पत्र की तीन प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सीधे भेजी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 33/2004/फा. सं. 203/124/2003-आयकर नि.-II]  
संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि.-II)

New Delhi, the 28th January, 2004

#### (INCOME-TAX)

**S.O. 309.**—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Central Government for the period mentioned below, for the purpose of clause (ii) of Sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- The notified organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- The notified organisation shall furnish the Annual Return of its scientific & research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year on or before 31st May of each year;

(iii) The notified organisation shall submit, on behalf of the Central Government, to (a) the Director General of Income tax (Exemptions), 10 Middleton Row, 5th Floor, Calcutta-700071 (b) the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) the Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (exemptions) having jurisdiction over the organisation, on or before the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted Sub-section (1) of Section 35 of Income Tax Act, 1961 in addition to the return of Income Tax to the designated assessing officer.

S. No.	Name of the organisation approved	Period for which notification is effective
1.	M/s Vision Research Foundation, 18, College Road, Chennai-600006	1-4-2003 to 31-3-2006

**Notes.**—(i) Condition (i) above will not apply to the organisation categorized as "Association"

(ii) The notified Institution is advised to apply in triplicates as well in advance for further renewal of the approval, to the Central Government through the Commissioner of Income Tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction. Three copies of the application for renewal of approval should also be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[Notification No. 33/2004/F. No. 203/124/2003-ITA-II]  
SANGEETA GUPTA, Director (ITA-II)

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

(आयकर)

**का.आ. 310.**—सामान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा अधोलिखित संगठन को उसके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ "संघ" श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- अधिसूचित संगठन ने अनुसंधान कार्यकलापों के लिए अलग लेखा बहियों का रख-रखाव करेगी;
- अधिसूचित संगठन प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों की वार्षिक रिटर्न प्रत्येक 31 मई को अथवा उससे पहले सचिव, वैज्ञानिक और

- औद्योगिक अनुसंधान विभाग "टेक्नोलॉजी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को प्रस्तुत करेगी;
- (iii) अधिसूचित संगठन केन्द्र सरकार की तरफ से नामोदित निर्धारण अधिकारी को आयकर की विवरणी प्रस्तुत करने के अतिरिक्त अपने लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति तथा अपने अनुसंधान कार्यकलापों, जिसके लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत छूट प्रदान की गई थी, के संबंध में आय एवं व्यय खाते की लेखा परीक्षा की, भी एक प्रति संगठन पर अधिकार क्षेत्र वाले (क) आयकर महानिदेशक (छूट) 10 मिडिलटन रो, पांचवां तल, कलकत्ता-70007; (ख) सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर, को अथवा उससे पहले प्रस्तुत करेगी।

क्रम सं.	अनुमोदित संगठन का नाम	अवधि जिसके लिए अधिसूचना प्रभावी है
1.	मैसर्स विवेकानन्द मेडीकल रिसर्च सोसायटी, विद्या नगर, लातूर-413512	1-4-2003 से 31-3-2006

टिप्पणी.—(i) उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" के रूप में श्रेणीबद्ध संगठन पर लागू नहीं होगी।

(ii) अधिसूचित संघ को सलाह दी जाती है कि वह अनुमोदन के नवीकरण के लिए तीन प्रतियों में और पहले ही अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) के माध्यम से केन्द्र सरकार को आवेदन करें। अनुमोदन के नवीकरण के लिए आवेदन पत्र की तीन प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सीधे भेजी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 32/2004/फा. सं. 203/76/2003-आयकर नि.-II]

संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि.-II)

New Delhi, the 28th January, 2004

#### (INCOME-TAX)

S.O. 310.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Central Government for the period mentioned below, for purpose of clause (ii) of Sub-section (1) of section 35 of the Income-Tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income Tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- The notified organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- The notified organisation shall furnish the Annual return of its scientific research

activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year on or before the 31st May of each year,

- (iii) The notified organisation shall submit, on behalf of the Central Government, to (a) the Director General of Income tax (Exemptions), 10 Middleton Row, 5th Floor, Calcutta-700071 (b) the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) the Commissioner of Income tax/Director of Income tax (exemptions) having jurisdiction over the organisation, on or before the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under Sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961 in addition to the return of Income tax to the designated assessing officer.

S. No.	Name of the organisation approved	Period for which notification is effective
1.	M/s Vivekanand Medical research Society, Vidya Nagar, Latur-413512	1-4-2003 to 31-3-2006

Notes.—(i) Condition (i) above will not apply to the organisation categorized as "Association".

(ii) The notified Association is advised to apply in triplicates as well in advance for further renewal of the approval, to the Central Government through the Commissioner of Income tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction. Three copies of the application for renewal of approval should also be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[Notification No. 32/2004/F. No. 203/76/2003-ITA-II]

SANGEETA GUPTA, Director (ITA-II)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

(आयकर)

का.आ. 311.—सामान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा अधोलिखित संगठन को उसके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की



उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ "संस्था" श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) अधिसूचित संस्था अपने अनुसंधान कार्यकलापों के लिए अलग लेखा बहियों का रख-रखाव करेगी;
- (ii) अधिसूचित संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान गति-विधियों की वार्षिक रिटर्न प्रत्येक 31 मई को अथवा उससे पहले सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग "टेक्नोलाजी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को प्रस्तुत करेगी;
- (iii) अधिसूचित संस्था केन्द्र सरकार की तरफ से नामोदित निर्धारण अधिकारी को आयकर की विवरणी प्रस्तुत करने के अतिरिक्त अपने लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति तथा अपने अनुसंधान कार्यकलापों, जिसके लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत छूट प्रदान की गई थी, के संबंध में आय एवं व्यय खाते की लेखा परीक्षा की भी एक प्रति संगठन पर अधिकार क्षेत्र वाले (क) आयकर महानिदेशक (छूट) 10 मिडिलटन रो, पांचवां तल, कलकत्ता-700071 (ख) सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर, को अथवा उससे पहले प्रस्तुत करेगी।

क्रम सं.	अनुमोदित संगठन का नाम	अवधि जिसके लिए अधिसूचना प्रभावी है
1.	मैसर्स आई रिसर्च सेंटर, 19, कैथडरल रोड, चेन्नई-600086	1-4-2002 से 31-3-2005

**टिप्पणी.**—अधिसूचित संस्था को सलाह दी जाती है कि वह अनुमोदन के नवीकरण के लिए तीन प्रतियों में और पहले ही अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) के माध्यम से केन्द्र सरकार का आवेदन करें। अनुमोदन के नवीकरण के लिए आवेदन पत्र की तीन प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सीधे भेजी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 35/2004/फा. सं. 203/129/2003-आयकर नि.-II]

संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि.-II)

New Delhi, the 30th January, 2004

(INCOME-TAX)

**S.O. 311.**—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Central Government for the period mentioned below, for the purpose of clause (ii) of Sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the

Income tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The notified Institution shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) The notified Institution shall furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year on or before the 31st May of each year;
- (iii) The notified Institution shall submit, on behalf of the Central Government, to (a) the Director General of Income tax (Exemptions), 10 Middleton Row, 5th Floor, Calcutta-700071 (b) the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) the Commissioner of Income tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, on or before the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961 in addition to the return of Income tax to the designated assessing officer.

S. No.	Name of the organisation approved	Period for which notification is effective
1.	M/s Eye Research Centre, 19, Cathedral Road, Chennai-600086	1-4-2002 to 31-3-2005

**Notes.**—The notified Institution is advised to apply in triplicates as well in advance for further renewal of the approval, to the Central Government through the Commissioner of Income tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction. Three copies of the application for renewal of approval should also be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[Notification No. 35/2004/F. No. 203/129/2003-ITA-II]

SANGEETA GUPTA, Director (ITA -II)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

(आयकर)

का.आ. 312.—सोमान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा अधोलिखित संगठन को उसके

नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ "संस्था" श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) अधिसूचित संस्था अपने अनुसंधान कार्यकलापों के लिए अलग लेखा बहियों का रख-रखाव करेगी;
- (ii) अधिसूचित संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान गति-विधियों की वार्षिक रिटर्न प्रत्येक 31 मई को अथवा उससे पहले सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग "टेक्नोलाजी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को प्रस्तुत करेगी;
- (iii) अधिसूचित संस्था केन्द्र सरकार की तरफ से नामोदित निर्धारण अधिकारी को आयकर की विवरणी प्रस्तुत करने के अतिरिक्त अपने लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति तथा अपने अनुसंधान कार्यकलापों, जिसके लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत छूट प्रदान की गई थी, के संबंध में आय एवं व्यय खाते की लेखा परीक्षा की भी एक प्रति संगठन पर अधिकार क्षेत्र वाले (क) आयकर महानिदेशक (छूट) 10 मिडिलटन रो, पांचवां तल, कलकत्ता-700071 (ख) सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को अथवा उससे पहले प्रस्तुत करेगी।

क्रम सं.	अनुमोदित संगठन का नाम	अवधि जिसके लिए अधिसूचना प्रभावी है
1.	मैसर्स सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पोस्ट बाक्स नं. 8066 ए प्रो. सर सी.वी. रमन रोड, सदाशिवनगर सब पोस्ट आफिस, बंगलौर-560080	1-4-2002 से 31-3-2005

**टिप्पणी.**—अधिसूचित संस्था को सलाह दी जाती है कि वह अनुमोदन के नवीकरण के लिए तीन प्रतियों में और पहले ही अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) के माध्यम से केन्द्र सरकार को आवेदन करें। अनुमोदन के नवीकरण के लिए आवेदन पत्र की तीन प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सीधे भेजी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 34/2004/फा. सं. 203/107/2003-आयकर नि.-II]

संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि.-II)

New Delhi, the 30th January, 2004

### (INCOME-TAX)

**S.O. 312.**—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Central Government for the period mentioned below, for the purpose of clause (ii) of Sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The notified Institution shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) The notified Institution shall furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year on or before 31st May of each year;
- (iii) The notified Institution shall submit, on behalf of the Central Government, to (a) the Director General of Income-tax (Exemptions), 10 Middleton Row, 5th Floor, Calcutta-700071 (b) the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, on or before the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961 in addition to the return of Income-tax to the designated assessing officer.

S. No.	Name of the organisation approved	Period for which notification is effective
1.	M/s Central Power Research institute, P.B. No. 8066, Prof. Sir, C.V. Raman Road, Sadashivnagar Sub Post Office, Bangalore-560080	1-4-2002 to 31-3-2005

**Notes.**—The notified Institution is advised to apply in triplicates as well in advance for renewal of the approval, to the Central Government through the Commissioner of Income-tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction. Three copies of the application for renewal of approval should also be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[Notification No. 34/2004/F. No. 203/107/2003-ITA-II]

SANGEETA GUPTA, Director (ITA-II)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

(आयकर)

का.आ. 313.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता” को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा ;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पतियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 36/2004/फा० सं० 197/183/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 30th January, 2004

(INCOME TAX)

S.O. 313.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Bhartiya Bhasha Parishad, Kolkata” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2002-03 to 2004-05 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

(iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

(v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 36/2004/F. No. 197/183/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 314.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “हरियाणा चीफ मिनिस्टर्स वार हीरोज रिलीफ फण्ड, पंचकुला” को वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा ;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पतियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 38/2004/फा० सं० 197/198/2003-आईटीए-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 30th January, 2004

(INCOME TAX)

S.O. 314.—In exercise of powers conferred by Sub-clause (iv) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Haryana Chief Minister's War Heroes' Relief Fund, Panchkula" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 38/2004/F.No. 197/198/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

सेन्ट्रल इकॉनॉमिक इन्टेलीजेंस ब्यूरो

आदेश

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 2004

का. आ. 315.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत विशेष रूप से शक्ति प्रदान की गई है, ने उक्त उप-धारा के अधीन आदेश फाइल सं. 673/09/2003-सी.यू.एस. VIII, दिनांक 17-10-2003 को जारी किया और यह निर्देश दिया कि श्री अशोक कुमार एफ. जैन @ अशोक पी. जैन, निवास सं. 107-बी, अंजू अपार्टमेंट्स, प्रथम तल, कुलूपवडी, नेशनल पार्क के नजदीक, बोरिविली पूर्व, मुम्बई-400066 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मुम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उन्हें भविष्य में ग़ीबतों की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रहा है जिससे यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश देती है कि वह शासकीय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, मुम्बई के सम्मुख उपस्थित हो।

[फा० सं० 673/09/2003-सी.यू.एस.-VIII]

एन. राजगोपालन, अवर सचिव (कोफेपोसा)

## CENTRAL ECONOMIC INTELLIGENCE BUREAU

### ORDER

New Delhi, the 4th February, 2004

S.O. 315.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under Sub-section (1) of Section 3 of Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued Order F.No. 673/9/2003-Cus. VIII, dated 17-10-2003 under the said Sub-section directing that Shri Ashok Kumar F. Jain @ Ashok P. Jain, R/o No. 107-B, Anju Apartments, First Floor, Kulupwadi, Near National Park, Borivilli East, Mumbai - 400 066 be detained and kept in custody in the Central Prison, Mumbai with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Clause (b) of Sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Mumbai within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/09/2003-Cus.-VIII]

N. RAJAGOPALAN, Under Secy. (COFEPOSA)

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का. आ. 316.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) और खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण), अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा, श्री के० रत्नाकर हेगड़े, जो इस समय विजया बैंक में महाप्रबंधक हैं, को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 30-4-2006 अर्थात् जिस माह में वह अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करेंगे, उसके अंतिम दिन तक की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, यूनियन बैंक आफ इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[फा० सं० 9/5/2003-बीओ-1]

डी० चौधरी, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 30th January, 2004

S.O. 316.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with Sub-clause (1) of Clause 3 and

Sub-clause (1) of Clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri K. Rathnakar Hegde, presently General Manager, Vijaya Bank as a whole time director (designated as the Executive Director) of Union Bank of India with effect from the date of taking charge of the post and upto 30-4-2006 i.e. the last day of the month in which he would attain the age of superannuation or until further orders whichever is earlier.

[F. No. 9/5/2003-B.O. I]

D. CHOUDHURY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 2004

का.आ. 317.—29 सितम्बर, 2003 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में एवं मंत्रिमंडल नियुक्ति समिति के अनुमोदन के परिणामस्वरूप, केन्द्रीय सरकार ने भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के पद का अतिरिक्त कार्य भार दिनांक 1-10-2003 से 31-5-2004 तक भारतीय यूनिट ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री एम० दामोदरन को सौंपने का निर्णय लिया है।

[फा० सं० 24 (4)/2003-आईएफ-1]

बी०डी० बेरवाल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 2004

S.O. 317.—In supersession of the notification of even number dated September 29, 2003 and consequent upon the approval of the Appointments Committee of the Cabinet, the Central Government have decided to entrust the additional charge of the post of Chairman and Managing Director, Industrial Development of Bank of India (IDBI) to Shri M. Damodaran, Chairman, Unit Trust of India, with effect from 01-10-2003 to 31-05-2004.

[F. No. 24 (4) 2003-IF-I]

B.D. BERWAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2004

का.आ. 318.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) और खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण), अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा, श्री एम० बालचन्द्रन, जो इस समय बैंक आफ बड़ौदा में महाप्रबंधक हैं, को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 30-4-2007 अर्थात् जिस माह में वह अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करेंगे, उसके अंतिम दिन तक की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, बैंक आफ इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 9/17/2003-बीओ-1]

रमेश चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 5th January, 2004

S.O. 318.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) of clause 3 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri M. Balachandran, presently General Manager, Bank of Baroda as a whole time director (designated as the Executive Director) of Bank of India with effect from the date of his taking charge of the post and upto 30-4-2007 i.e. the last day of the month in which he would attain the age of superannuation or until further orders whichever is earlier.

[F. No. 9/17/2003-B.O. I]

RAMESH CHAND, Under Secy.

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

(उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

का.आ. 319.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा "संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग" नियम 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, उर्वरक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले निम्नलिखित कार्यालय, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक अर्थात् शत-प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :-

1. राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, विपणन कार्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश।
2. राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, विपणन कार्यालय, वैझाग, विशाखापट्टणम, आंध्र प्रदेश।
3. राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, विपणन कार्यालय, निजामाबाद, आंध्र प्रदेश।

[संख्या ई-11011/1/2001-हिन्दी]

बलविन्दर कुमार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS  
(Department of Fertilizers)

New Delhi, the 28th January, 2004

S. O. 319.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language "Use for official purposes of the Union" Rule 1976 the Central Govt. hereby notifies the following offices, under the Administrative Control of the Ministry of Chemicals & Fertilizers, Department of Fertilizers more than 80% i.e., 100% staff where of have acquired the working knowledge of Hindi

1. Rashtriya Chemicals & Fertilizers Limited, Vijayawara, Andhra Pradesh.
2. Rashtriya Chemicals & Fertilizers Limited, Vizag, Vishakhapatnam, Andhra Pradesh
3. Rashtriya Chemicals & Fertilizers, Nizamabad, Andhra Pradesh.

[No. E-11011/1/2001-Hindi]

BALVINDER KUMAR, Jt. Secy.

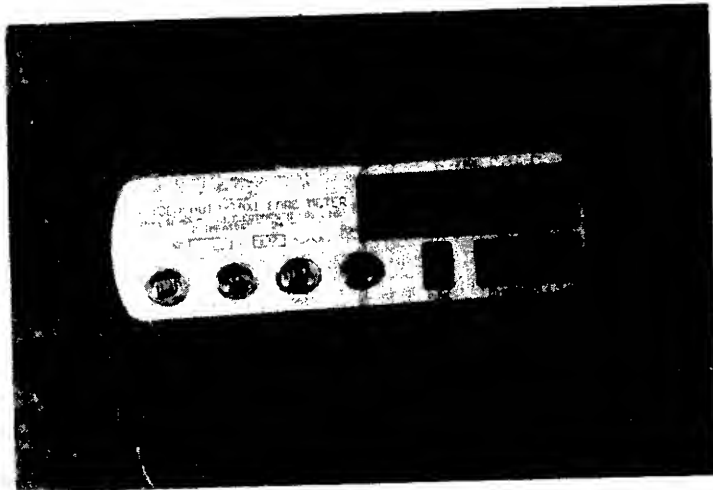
## उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

( उपभोक्ता मामले विभाग )

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 320.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल ( नीचे दी गई आकृति देखें ) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 ( 1976 का 60 ) तथा बाट तथा माप मानक ( मॉडलों का अनुमोदन ) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा ( 7 ) और उपधारा ( 8 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आर ए आर माइक्रो इक्विपमेन्ट प्रा० लि०, 23, अष्टलक्ष्मी नगर, सुन्दरपुरम, कोयम्बटूर-24, तमिलनाडु द्वारा विनिर्मित "एक्सल-1000" शृंखला के अंकक सूचन सहित टैक्सी मीटर के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एक्सेल" है ( जिसे इसमें मॉडल कहा गया है ) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/03/420 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।



स्टाम्पिंग प्लेट को सीलबन्द करने के अतिरिक्त अनाचार के लिए उपकरण को पल्स जनरेटर, केबल और किराया मीटर को खोलने से रोकने के लिए सोलबन्दी की जाएगी।

उक्त मॉडल एक टैक्सी किराया मीटर है जिसमें दूरी और समय मापक युक्ति सहित अंकक सूचन समाविष्ट है। यह निरंतर योग करता है तथा यात्रा के किसी क्षण में किराया और यात्री द्वारा संदेय प्रभार उपदर्शित करता है। संदेय किराया कतिपय गति से ऊपर तय की गई दूरी और अनुबंधित यात्रा के दौरान उस गति से नीचे लगे समय का फलक है। सात खंडीय प्रकाश उत्सर्जक डायोड ( एल ई डी ) द्वारा मीटर पठन उपदर्शित किया जाता है और विद्युत प्रदाय डी सी 12 वी है। मीटर का "के" कारक 980 स्पंद/कि.मि. है।

[ फा० सं० डब्ल्यू एम-21 ( 199 )/2002 ]

पी० ए० कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

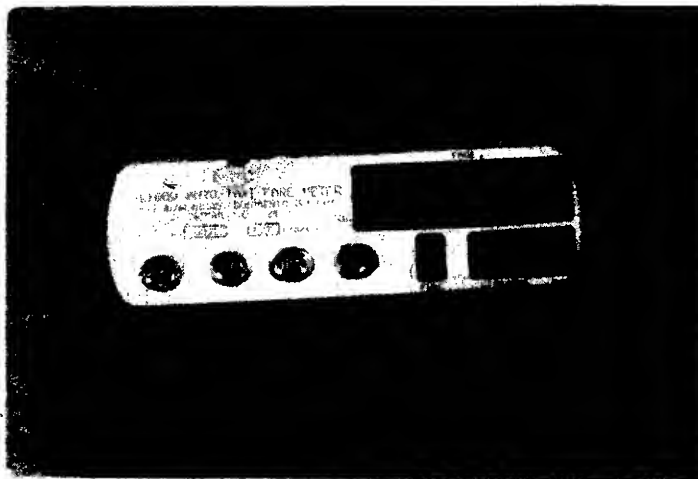


**MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION****(Department of Consumer Affairs)**

New Delhi, the 29th January, 2004

**S.O. 320.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use, and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of a Taxi Meter with digital indication of 'EXCEL-1000' series with brand name "EXCEL" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. R.A.R Micro Equipment Pvt. Ltd., 23, Astalakshmi Nagar, Sundrapuram, Coimbatore-24, Tamil Nadu and which is assigned the approval mark IND/09/03/420;



In addition to stamping plate, the sealing shall also be done to prevent opening of the pulse generator, cable and the fare meter for malpractice.

The said model is a Taxi Meter with digital indication incorporated with a distance and time measuring device. It totalizes continuously and indicates at any moment of the journey, the charges payable by the passenger. The fare to pay is a function of the distance travelled above a certain specified speed and the time elapsed below that specified speed during the journey. The reading of the meter is indicated by seven segment Light Emitting Diode (LED) and power supply is DC 12V. The 'K' factor is 980 pulses/km.

[F. No. WM-21(199)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

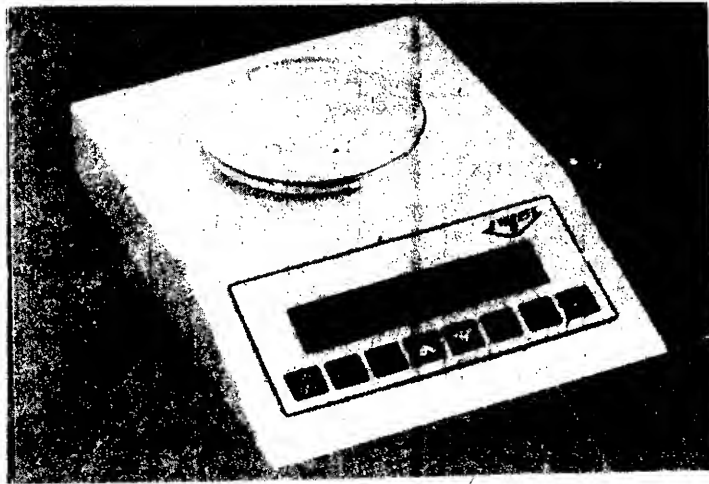
नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 321.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एवरेस्ट स्केल्स कं०, 1225, द्विची रोड, कोयम्बटूर-641 013 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग 2) वाले "ई जे-टी टी" श्रृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एवरेस्ट" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/2003/380 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त माडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विकृतमापी भार सेल आधारित प्रकार का अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 6 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 25 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 500 मि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सीलबन्दी की जाती है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी श्रृंखला के उसी मेक, यथार्थता और कार्यपालन वाले ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 50 कि. ग्रा. तक है और जिनका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित जिनसे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिनके सत्यापन मापमान अन्तराल (एन) की अधिकतम संख्या 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में है और 100 मि. ग्रा. से अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 की रेंज में है और जिनका "ई" मान  $1 \times 10^{-6}$ ,  $2 \times 10^{-6}$  या  $5 \times 10^{-6}$  है जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा० सं० डब्ल्यू एम-21 (175)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

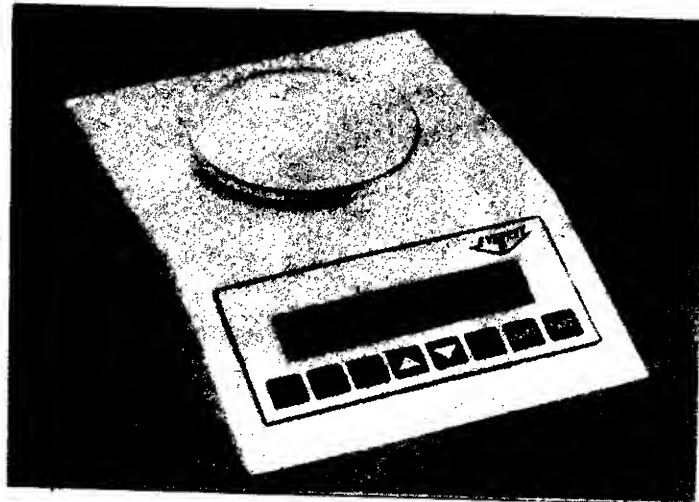
New Delhi, the 29th January, 2004

**S. O. 321.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the self indicating, non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "EJ-TT" series of high accuracy (accuracy class-II) and with brand name "EVEREST" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s Everest Scales Co., 1225, Trich Road, Coimbatore-641 013 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/380;

The said Model (See the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 6 kg and minimum capacity of 25g. The verification scale interval (e) is 500 mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230 V, 50 Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing is also done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1 mg to 50mg and with verification scale interval (n) in the range of 5,000 to 50,000 for 'e' value of more than 100 mg and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F.No. WM-21(175)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

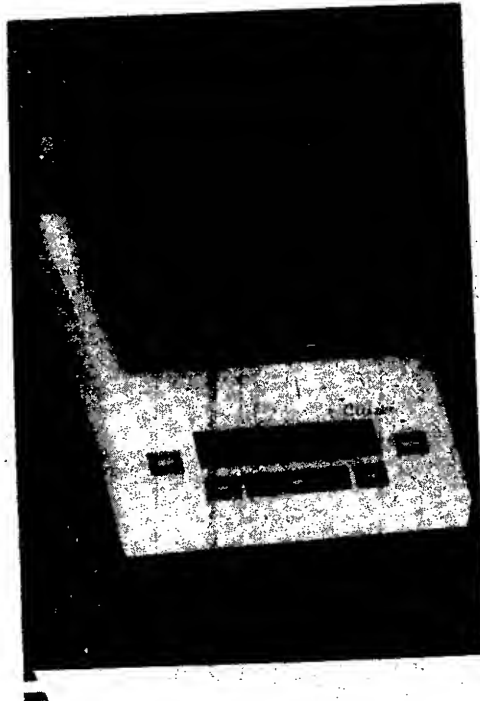
नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 322.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड (पूर्व) मुंबई-400 097 द्वारा विपणित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग 1) वाले "सी जी-4102" शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिटिजन स्केलटेक" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/451 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर भार सेल आधारित, अधिकतम क्षमता 4100 ग्राम और न्यूनतम क्षमता 1 ग्रा. सहित तोलन उपकरण है सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 10 मि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सील करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्दी की गई है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. या उसके अधिक के "ई" मान के लिए 50,000 से अन्यून सत्यापन मापमान अन्तराल (एन) की संख्या सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं, और "ई" मान  $1 \times 10^*$ ,  $2 \times 10^*$  या  $5 \times 10^*$  है जिसमें धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा० सं० डब्ल्यू एम-21 (343)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

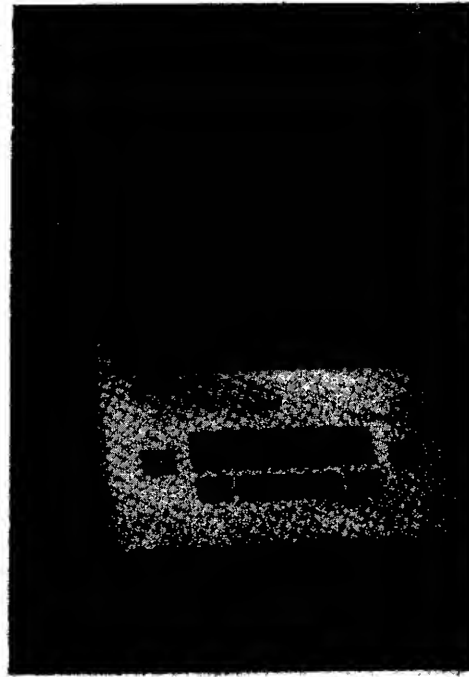
New Delhi, the 29th January, 2004

**S. O. 322.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "CG-4102" series of special accuracy (accuracy class-I) and with brand name "CITIZEN-SCALETECH" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s Secaltech Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales (I) Pvt. Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/451;

The said model (figure given below) is a magnetic sensor load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 4100 g and minimum capacity of 1g. The verification scale interval (e) is 10 mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The liquid crystal diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

**Sealing :** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is to be done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number verification scale interval (n) not less than 50,000 and 'e' value of 1 mg or more with 'e' value  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, accuracy design and with the same materials with which, the approved said model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

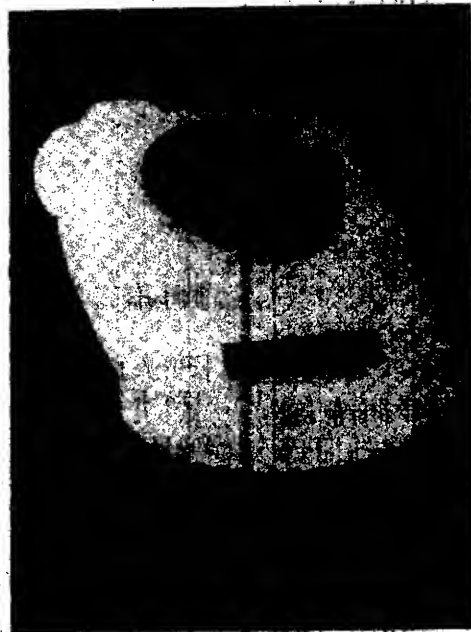
नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का०आ० 323.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड (पूर्व) मुंबई-400097 द्वारा विपणित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाले "सी जी-312" शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिटिजन स्केलटेक" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/452 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर भार सेल आधारित, अधिकतम क्षमता 310 ग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 मि. ग्रा. सहित तोलन उपकरण है सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 10 मि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टांपिंग प्लेट को सीलबन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्दी की गई है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही भेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) की संख्या सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं, और "ई" मान  $1 \times 10^*$ ,  $2 \times 10^*$  या  $5 \times 10^*$  के हैं जिसमें के घनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा० सं० डब्ल्यू एम-21 (343)/2001]

पी० ए० कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान



New Delhi, the 29th January, 2004

**S. O. 323.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "CG-312" series of High accuracy (accuracy class-II) and with brand name "CITIZEN-SECALTEC" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s Secaltec Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales (I) Pvt Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushtala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/452;

The said model (See the figure given below) is a magnetic sensor load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 310g and minimum capacity of 200 mg. The verification scale interval (e) is 10 mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The liquid crystal Diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 hertz alternate current power supply.

**Sealing :** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1 mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved said model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P.A: KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 324.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड (पूर्व) मुंबई-400097 द्वारा विपणित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाले "सी टी-503" शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिटिजन स्केलटेक" है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/453 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर भार सेल आधारित, अधिकतम क्षमता 100 ग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 मि. ग्रा. सहित तोलन उपकरण हैं। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 10 मि. ग्रा. है। इसमें एक आद्येतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आद्येतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सील बंद करने के अनिवार्य, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्दी की गई है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) की संख्या सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं, और "ई" मान  $1 \times 10^*$ ,  $2 \times 10^*$  या  $5 \times 10^*$  के हैं जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा० सं० डब्ल्यू एम-21 (343)/2001]

पी० ए० कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th January, 2004

**S. O. 324.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "CT-503" series of High accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "CITIZEN-SECALTEC" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s Secaltec Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales (I) Pvt. Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/453;

The said model (figure given below) is a magnetic sensor load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 100g and minimum capacity of 200 mg. The verification scale interval (e) is 10 mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The liquid crystal diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 hertz alternate current power supply.

**Sealing :** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1 mg to 50mg and with number verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being of the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved said model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

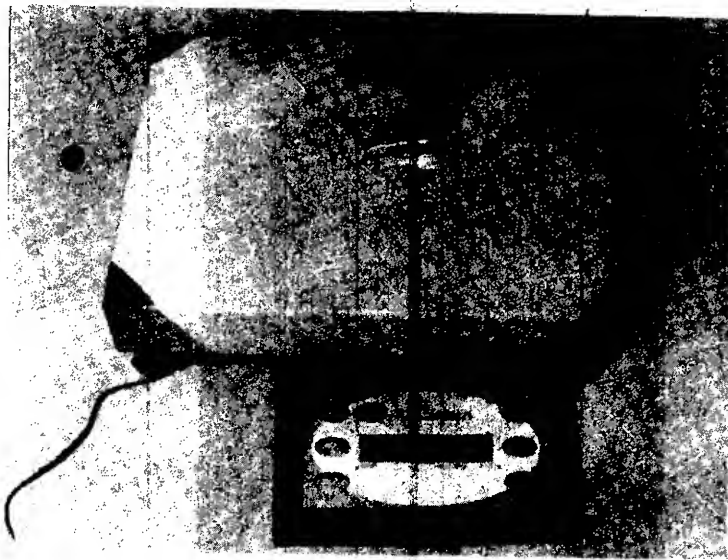
नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 325.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड (पूर्व) मुंबई-400097 द्वारा विपणित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एस एस एच-83" श्रृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक मूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिटिजन-स्केलटेक" है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/454 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करता है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर-भार सेल आधारित अधिकतम क्षमता 35 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. सहित तोलन उपकरण है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका सत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टांपिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्दी की गई है।



आए, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उम्मी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपावन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उस से अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) की मुख्य मापन 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान  $1 \times 10^3$ ,  $2 \times 10^3$  या  $5 \times 10^3$  है जिसमें के अनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एन-21(343)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशन. विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 29th January, 2004

**S.O. 325.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "SSH-83" series of High accuracy (Accuracy class II) and with brand name "CITIZEN-SECALTEC" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s. Secaltec Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales(I) Pvt Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/ 454 ;

The said Model (figure given below) is a magnetic sensor load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 35kg and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid crystal Diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply.

**Sealing:** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further, in exercise of the power conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model s. all also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved said Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 326.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा इसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड (पूर्व) मुंबई-400097 द्वारा विपणित विशेष (यथार्थता वर्ग-I,) यथार्थता वाले "सी आई-204" श्रृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिटिजन-स्केलटेक" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/455 सन्तुष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर भार सेल आधारित अधिकतम क्षमता 210 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 मि. ग्रा. सहित तोलन उपकरण है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 मि.ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल डायोड प्रदर्शक तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सील बन्दी की जाती है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 50,000 से अत्युन सत्यापन मान अंतराल (एन) की संख्या सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान  $1 \times 10^6$ ,  $2 \times 10^6$  या  $5 \times 10^6$  हैं जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(343)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान



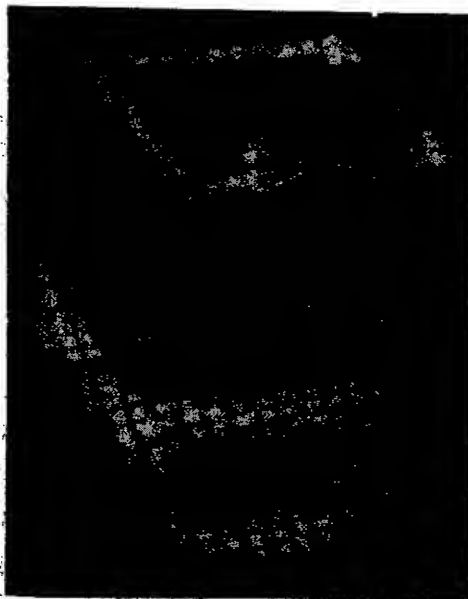
New Delhi, the 29th January, 2004

**S.O. 326.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "CY-204" series of special accuracy (Accuracy Class I) and with brand name "CITIZEN-SCALE TECH" (hereinafter referred to as the Model), manufactured by M/s. Secaltec Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales(I) Pvt. Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/ 455;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type based dual range weighing instrument with a maximum capacity of 210g and minimum capacity of 100mg. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid crystal Diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply.

**Sealing:** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg and with number of verification scale interval (n) not less than to 50,000 for 'e' value of 1 mg or more and with 'e' value  $1 \times 10^{-4}$ ,  $2 \times 10^{-4}$  or  $5 \times 10^{-4}$  being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, accuracy, design and with the same materials with which, the approved said Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. 327.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड (पूर्व) मुंबई-400097 द्वारा विपणित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-1) वाले “सी एक्स-220” शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “सिटिजन-स्केलटेक” है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/456 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर भार सेलु आधारित अधिकतम क्षमता 220 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 मि. ग्रा. सहित तोलन उपकरण है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 मि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्दी की गई है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 50,000 से अन्यून सत्यापन मान अंतराल (एन) की संख्या सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और “ई” मान  $1 \times 10^*$ ,  $2 \times 10^*$  या  $5 \times 10^*$  के हैं जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(343)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

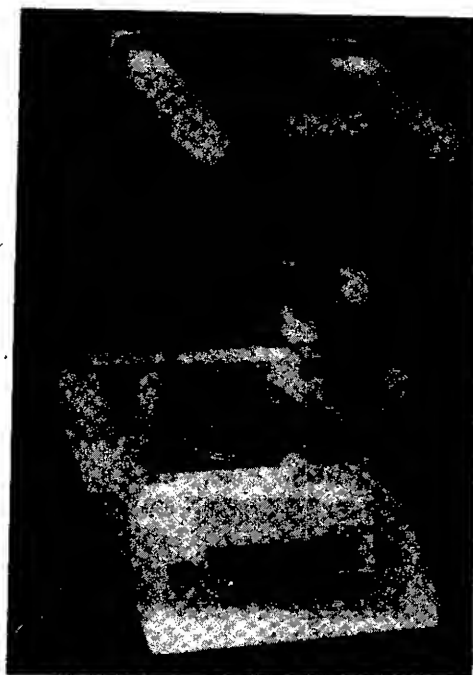
New Delhi, the 29th January, 2004

**S.O. 327.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "CX-220" series of special accuracy (Accuracy class I) and with brand name "CITIZEN-SCALETECH" (herein referred to as the model), manufactured by M/s. Secaltec Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales(I) Pvt. Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/456;

The said model (figure given) is a magnetic sensor load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 220g and minimum capacity of 100mg. The verification scale interval (e) is 1mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50-Hertz alternate current power supply;

**Sealing:** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg and with number of verification scale interval(n) not less than 50,000 and 'e' value of 1mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ ; k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, accuracy, design and with the same materials with which, the approved said Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

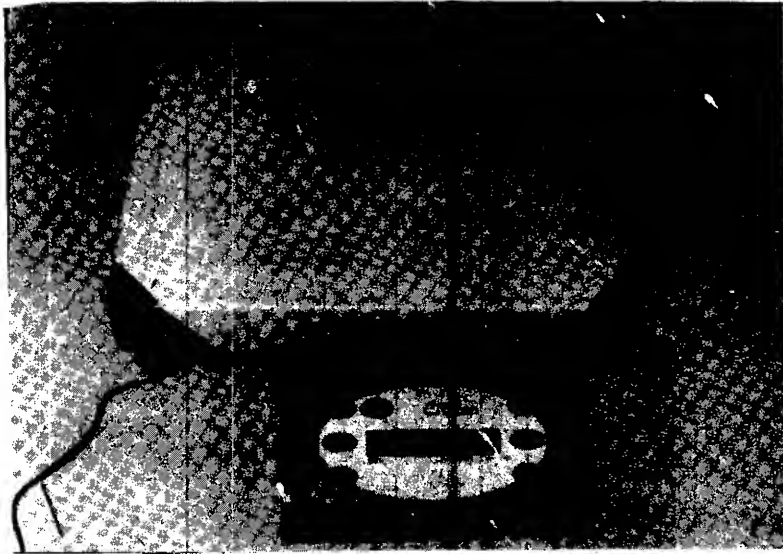
नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का.आ. — केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेकालटेक इन्स्ट्रुमेन्ट्स गंभ, जर्मनी द्वारा विनिर्मित और मैसर्स सिटिजन स्केल्स (आई) प्रा. लिमिटेड, 3, पुष्पांजली बिल्डिंग, गौशाला लेन, मलाड़ (पूर्व) मुंबई-400097 द्वारा विपणित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-1) वाले "एस एस एच-94" शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिटिजन-स्केलटेक" है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/457 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक चुम्बकीय सेंसर भार सेल आधारित अधिकतम क्षमता 15 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 10 ग्रा. सहित तोलन उपकरण है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 0.1 मि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सीलबन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सीलबन्दी की गई है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 50,000 से अन्यून सत्यापन मान अंतराल (एन) की संख्या सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान  $1 \times 10^3$ ,  $2 \times 10^3$  या  $5 \times 10^3$  के हैं जिसमें 'के' धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(343)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

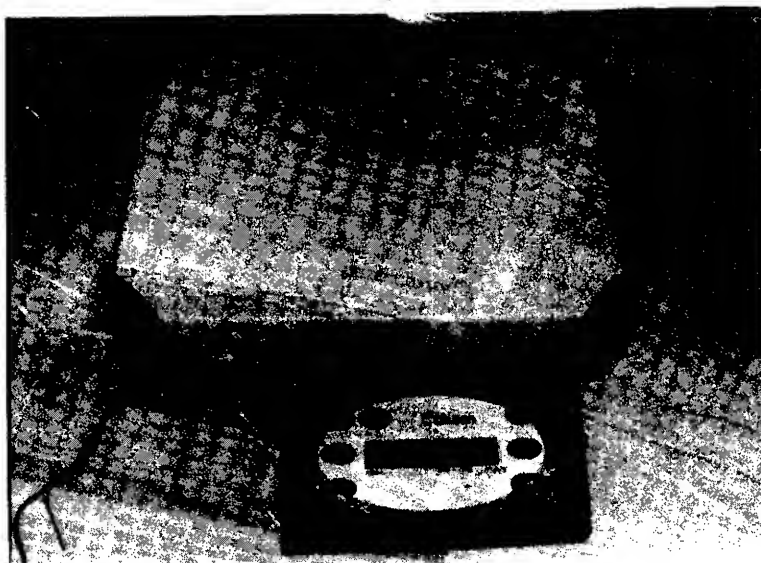
New Delhi, the 29th January, 2004

**S.O. 328.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report ( see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, (Table top type) weighing instrument with digital indication of "SSH-94" series of special accuracy (Accuracy class I) and with brand name "CITIZEN-SCALETECH" (herein referred to as the model), manufactured by M/s. Secaltec Instruments GmbH, Germany and marketed by M/s. Citizen Scales(I) Pvt Limited, 3, Pushpanjali Building, Gaushala Lane, Malad (East) Mumbai-400 097 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/457;

The said model ( see the figure given below) is a magnetic sensor load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 15kg and minimum capacity of 10g. The verification scale interval (e) is 0.1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Diode display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply;

**Sealing:** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine to avoid fraudulent practices.



Further in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg and with number of verification scale interval(n) not less than 50,000 and 'e' value of 1mg or more and with 'e' value  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, accuracy, design and with the same materials with which, the approved said Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(343)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का. आ. 329.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स अनेकड इंस्ट्रुमेंट्स प्रा. लि., पी ओ बाक्स सं. 8330, 31 उजागर इंडस्ट्रियल इस्टेट, डब्ल्यू पी टी रोड, दनार मुंबई-400088 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग -II) वाले "एम एक्स" शृंखला के अस्वचालित, सहित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "अनेकड" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/205 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त माडल एक वैद्युत चुम्बकीय क्षेत्र बल प्रतिस्तर प्रकार का सेंसर आधारित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग -II) अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 500 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 मि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 10 मि. ग्रा. है। संप्रदर्श यूनिट प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एन ई डी) प्रकार का है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्दी की गई है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन शुद्धता के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है। उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) की संख्या 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन माप मान अंतराल (एन) की संख्या सहित 50 कि.ग्रा. तक की रेंज की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई"  $1 \times 10^{-6}$ ,  $2 \times 10^{-6}$  या  $5 \times 10^{-6}$ , के हैं जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(298)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 30th January, 2004

**S. O. 329.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report ( see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of, non-automatic weighing instrument (Table top type) with "MX" series belonging to high accuracy (accuracy class-II) and with brand name "Anamed" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Anamed Instruments Pvt. Ltd, P. O. Box No. 8330, 31, Ujagar Industrial Estate, W. T. P. Road, Deonar, Mumbai-400088 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/205;

The said model is a electromagnetic field force compensation type sensor based non-automatic weighing instrument (Table top type) cell with digital indication of maximum capacity 500g, minimum capacity 200mg and belonging to high accuracy class (accuracy class-II). The value of verification scale interval 'e' is 10mg. The display unit is of light emitting diode (LED) type. The instruments operates on 230V, 50Hz alternative power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing may also be done to prevent the opening of the machine for avoid fraudulent practices.



Further in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of the same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with the number of verification scale interval (n) in the range 500 to 50000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F.No. WM-21(298)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology



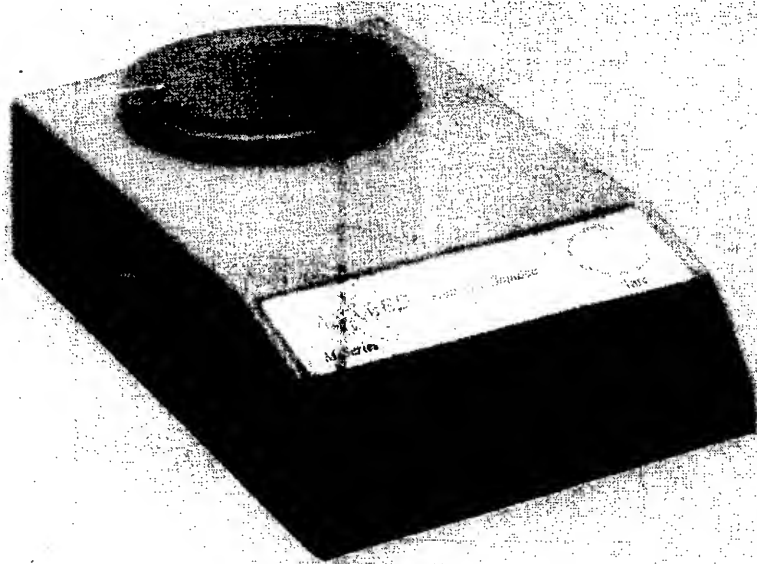
नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

फा.आ. 330.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल ( नीचे दी गई आकृति देखें ) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 ( 1976 का 60 ) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन ) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अय, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैमर्स अनाभेद इंस्ट्रुमेंट्स प्रा. लि., पी ओ बाक्स सं. 8330, 31 उजागर इंडस्ट्रियल एस्टेट, डब्ल्यू पी टी रोड, देवनगर मुंबई-400088 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता वर्ग -II वाले “एम” श्रृंखला के अस्वचालित, सहित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “अनाभेद” है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/206 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रबल प्रतिकर टाइप सेंसर आधारित अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) में है। इसकी अधिकतम क्षमता 300 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 मि. ग्रा. और उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) का है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 10 मि. ग्रा. है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी)की है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टांपिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सील बन्दी की जा सकेगी।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मापक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक “ई” मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) की संख्या 50 कि. ग्रा. तक कि अधिकतम क्षमता वाले हैं और “ई” मान  $1 \times 10^3$ ,  $2 \times 10^3$  या  $5 \times 10^3$ , के हैं जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक का शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(298)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

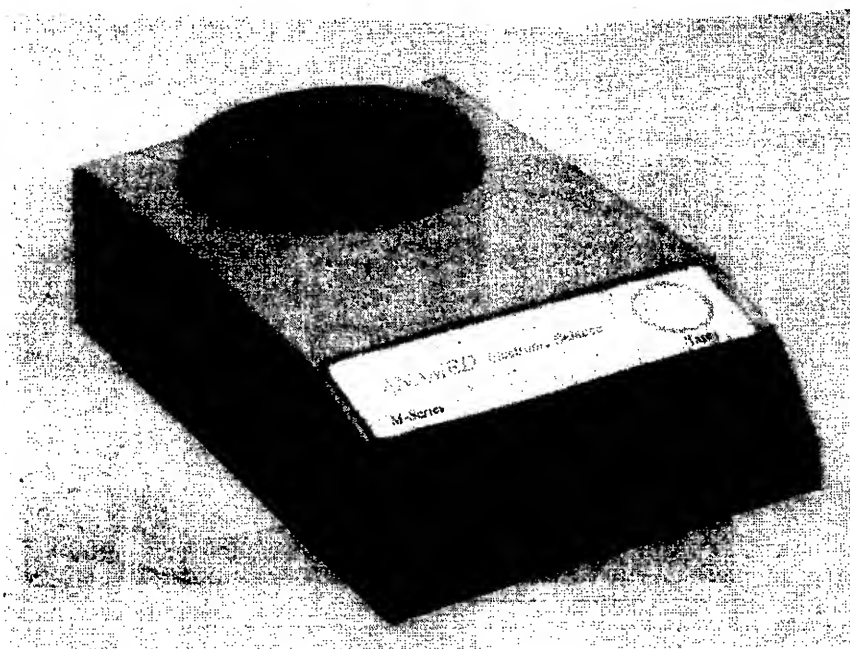
New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 330.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report ( see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of, non-automatic weighing instrument (Table top type) with "M" series belonging to high accuracy (accuracy class-II) and with brand name "Anamed" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Anamed Instruments Pvt. Ltd, P. O. Box No. 8330, 31, Ujagar Industrial Estate, W. T. P. Road, Deonar, Mumbai-400 088 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/206;

The said model is a electromagnetic field force compensation type sensor based non-automatic weighing instrument (Table top type) cell with digital indication of maximum capacity 300g, minimum capacity 200mg and belonging to high accuracy class (accuracy class-II), The value of verification scale interval 'e' is 10mg. The display unit is of light emitting diode (LED) type. The instruments operates on 230v, 50Hz alterative power supply.

**Sealing:** In addition to sealing the stamping plate, the sealing may also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of the same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with the number of verification scale interval (n) in the range 500 to 50000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(298)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

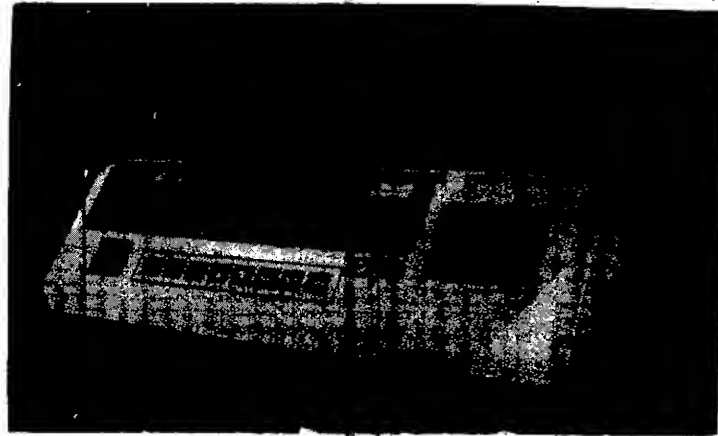
नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का.आ. 331.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स काल-ऑन इंस्ट्रुमेंट प्रा. लि., सं. 16-51/1, प्रशान्त नगर, सर्वे ऑफ इंडिया के सामने, उप्पल रोड, हैदराबाद-39 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग -II) वाले "सी एल-टीटी" श्रृंखला के स्वतःसूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "कालऑन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/308 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत मापी भार सेल आधारित अस्वचालित प्रकार का तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलानात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सील-बन्दी की जाती है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी श्रृंखला के उसी मेक, यथार्थता और कार्यपालन वाले ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 50 कि. ग्रा. तक है और जिनका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिनके सत्यापन अन्तराल (एन) की संख्या 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 की रेंज में है और जिनके सत्यापन मापमान अंतराल (एन) की संख्या 100 मि. ग्रा. या अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 की रेंज में है तथा जिनका "ई" मान  $1 \times 10^{-6}$ ,  $2 \times 10^{-6}$  या  $5 \times 10^{-6}$  के, है जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(216)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

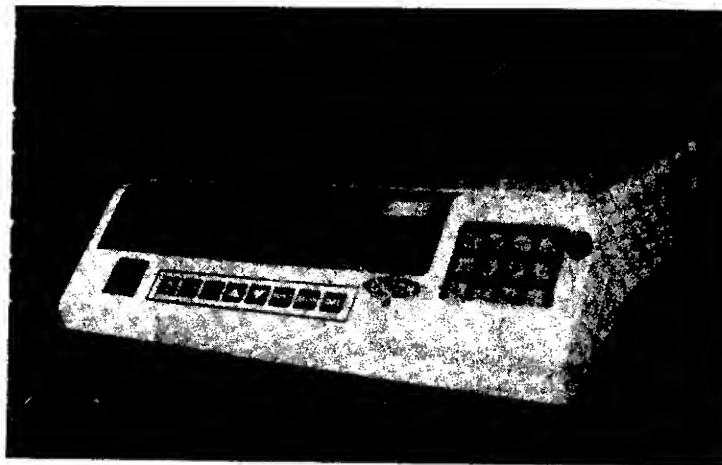
New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 331.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report ( see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the self indicating, non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "CL-TT" series of high accuracy (accuracy class-II) and with brand name "CAL-ON" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s. Cal-On Instruments Pvt. Ltd, No. I6-51/1, Prasant Nagar, Opp. Survey of India, Uppal Road, Hyderabad-39 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/308;

The said model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode (LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

**Sealing :** In addition to sealing the stamping plate, the sealing is done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.



Further in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of the same series with maximum capacity up to 30 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1 mg to 50 mg and with verification scale interval (n) in the range of 5,000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(216)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

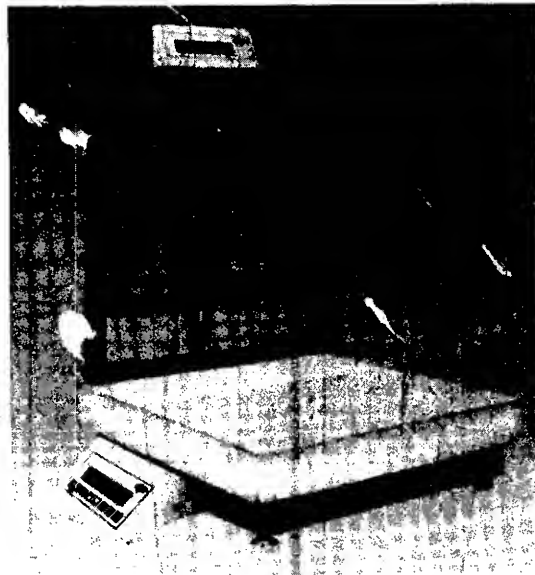
नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का.आ. 332.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट तथा माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स काल-ऑन इंस्ट्रूमेंट्स प्रा. लि., सं. 16-51/1, प्रशान्त नगर, सर्वे आफ इंडिया के सामने, उप्पल रोड हैदराबाद-39 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग -II) वाले "सी एल-बी" शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "काल ऑन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/309 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत मापी भार सेल आधारित अस्वचालित प्रकार का तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 60 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 250 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 5 ग्रा. है। इसमें एक आघेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आघेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

सीलबन्दी : स्टाम्पिंग प्लेट को सीलबन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहार के लिए, मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सील बन्दी की जाती है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाण पत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के उसी मेक, यथार्थता और कार्यपालन वाले ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 50 कि. ग्रा. और 150 कि.ग्रा. के बीच के रेंज में है और जिनका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिनके सत्यापन अन्तराल (एन) की संख्या 100 मि. ग्रा. या अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 50,000 की रेंज में है तथा जिनका "ई" मान  $1 \times 10^3$ ,  $2 \times 10^3$  या  $5 \times 10^3$  के हैं जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(216)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

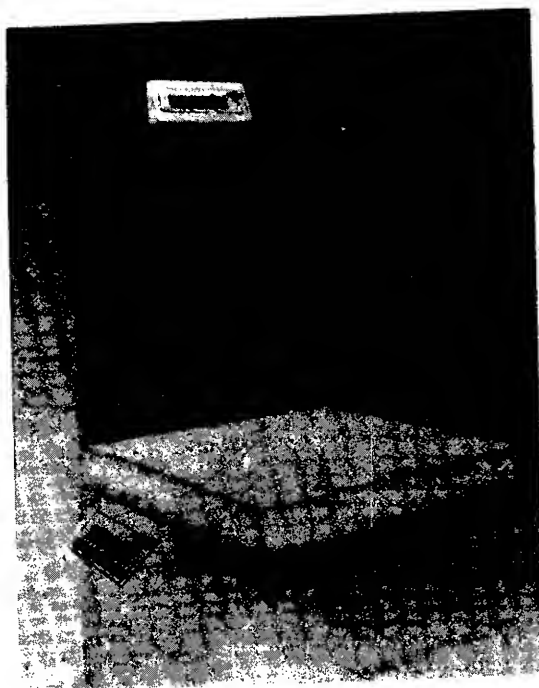
New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 332.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report ( see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the self indicating, non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "CL-B" series of high accuracy (accuracy class-II) and with brand name "CAL-ON" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s Cal-On Instruments Pvt. Ltd, No. 16-51/1, Prasant Nagar, Opp. Surye of India, Uppal Road, Hyderabad-39 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/309;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 60kg and minimum capacity of 250g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode(LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

**Scaling:** In addition to scaling the stamping plate, scaling is also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practice



Further, in exercise of the power conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity ranging between 50kg and 150kg, with verification scale interval (n) in the range of 5.00 to 50.000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F.No. WM-21(216)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

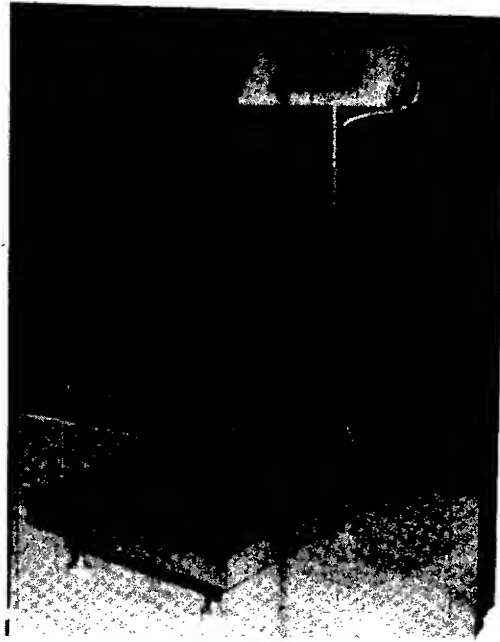
नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का.आ. 333.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट तथा माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स काल-ऑन इंस्ट्रुमेंट प्रा. लि., सं. 16-51/1, प्रशान्त नगर, सर्वे ऑफ इंडिया के सामने, उप्पल रोड, हैदराबाद-39 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग -III) वाले “सी एल-बी” शृंखला के स्वतः सूचक, अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “कालऑन” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/310 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत मापी भार सेल आधारित अस्वचालित प्रकार का तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 200 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 50 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सील-बन्दी की जाती है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाण पत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के उसी मेक, यथार्थता और कार्यपालन वाले ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 50 कि. ग्रा और 500 कि.ग्राम. के बीच के रेंज में है और जिनका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन अन्तराल (एन) की संख्या 5 या अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10000 की रेंज में है तथा जिनका “ई” मान  $1 \times 10^{-3}$ ,  $2 \times 10^{-3}$  या  $5 \times 10^{-3}$  हैं, जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(216)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान



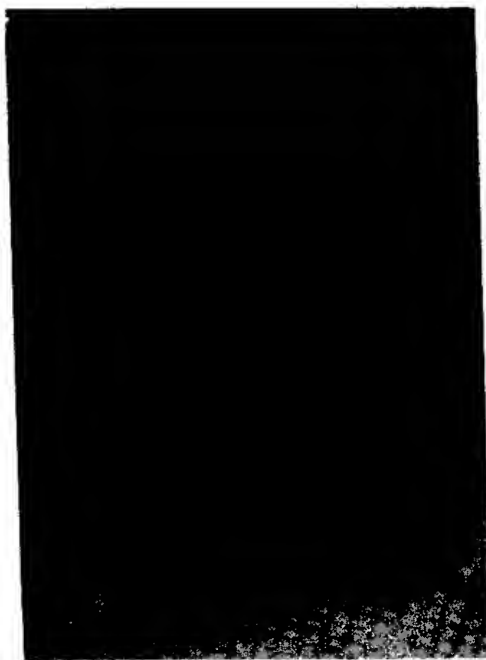
New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 333.**—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report ( see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the self indicating, non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "CL-B" series of medium accuracy (accuracy class-III) and with brand name "CAL-ON" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s Cal-On Instruments Pvt. Ltd, No. 16-51/1, Prashant Nagar, Opp. Survey of India, Uppal Road, Hyderabad-39 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/310;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 200kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light emitting diode(LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing is also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity ranging between 50kg. and 500kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k, being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(216)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

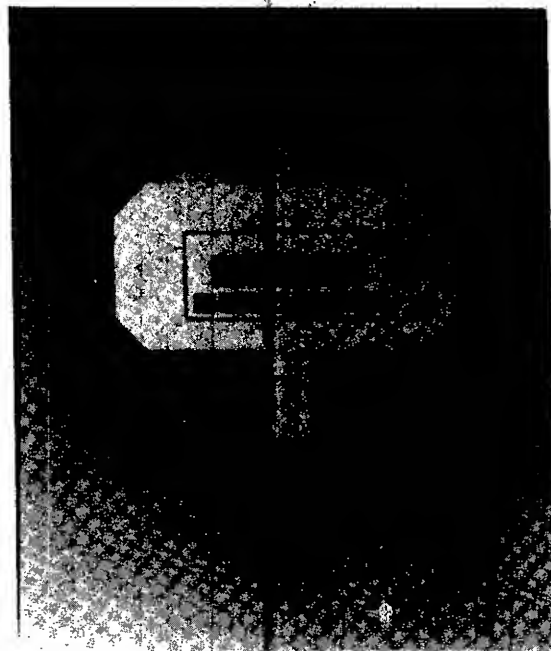
नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का.आ. 334.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स काल आन इन्स्ट्रुमेन्ट्स, नं. 16-51, प्रशान्त नगर, सर्वे आफ इण्डिया के सामने, उप्पल रोड, हैदराबाद-39 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले “काल आन-सीएस” श्रृंखला के अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (क्रेन स्केल) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “काल आन” है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2003/267 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत मापी टाइप भार सेल आधारित मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग III) अंकक सूचन सहित (क्रेन स्केल) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 20 कि.ग्रा. है। संत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 1 कि.ग्रा. है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड के प्रकार का है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को सील बन्द करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्द की जाती है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन, शुद्धता के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे और 1 कि. ग्रा. या उससे अधिक के “ई” मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में संत्यापन मान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 10 टन की रेंज की अधिकतम क्षमता वाले हैं और “ई” मान  $1 \times 10^{-5}$ ,  $2 \times 10^{-5}$  या  $5 \times 10^{-5}$  है जिसमें के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(106)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

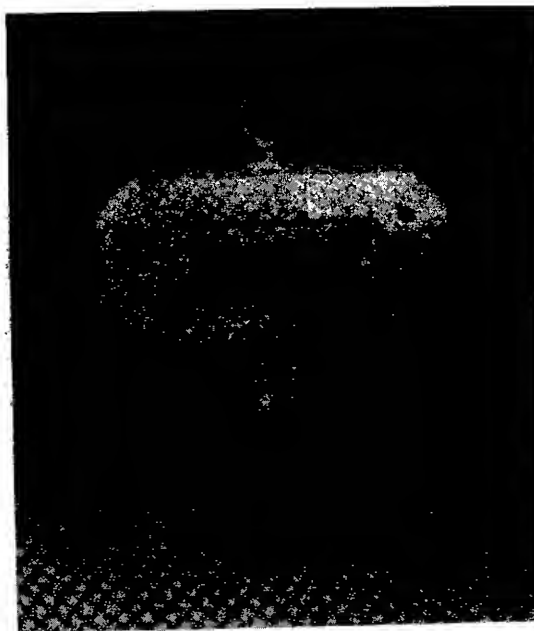
New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 334.**— Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of , non-automatic weighing instrument (Crane Scale) with digital indication (herein referred to as the Model) belonging to medium accuracy class (accuracy class-III) and "CAL-ON-CS" series with brand name "CAL-ON", manufactured by M/s Cal-On Instruments, No. 16-51, Prashant Nagar, Opp. Survey of India, Uppal Road, Hyderabad-39 and which is assigned the approval mark IND/09/2003/267;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane Scale) with digital indication of maximum capacity 5000 kg, minimum capacity 20kg and belonging to medium accuracy class (accuracy class-III). The value of verification scale interval 'e' is 1kg. The display unit is of light emitting diode type. The instruments operates on 230V, 50Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing is done to prevent opening of the machine for fraudulent practices.



Further, in exercise of the power conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 5 tonne to 10 tonne and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 1kg or more and with 'e' value of  $1 \times 10^k$ ,  $2 \times 10^k$  or  $5 \times 10^k$ , k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(106)/2002]

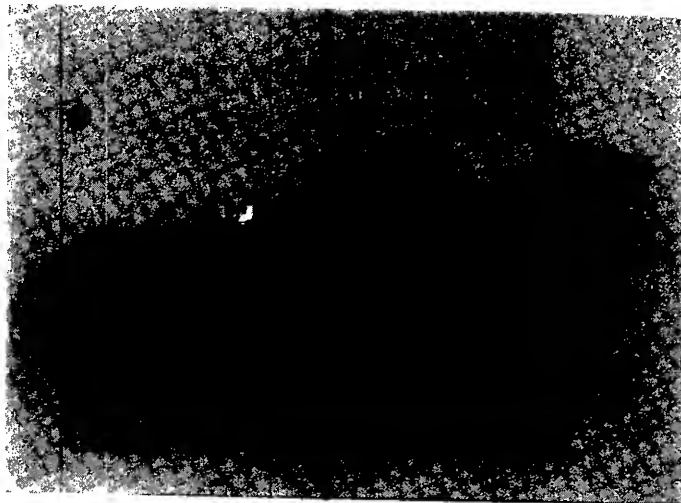
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का० आ० 335.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डायमण्ड स्केल कं., शिवाजी नगर, सावरकुण्डला, गुजरात-364515 द्वारा विनिर्मित काउन्टर मशीन के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "डायमण्ड स्केल कं." है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/03/392 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) 5 कि.ग्रा. के अधिकतम क्षमता सहित एक काउन्टर मशीन (यांत्रिक) है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, शुद्धता, डिजाइन के अनुसार, और उसी सामग्री से विनिर्मित जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है उसी श्रृंखला के उसी मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 500 ग्रा. से 50 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(168)/2001]

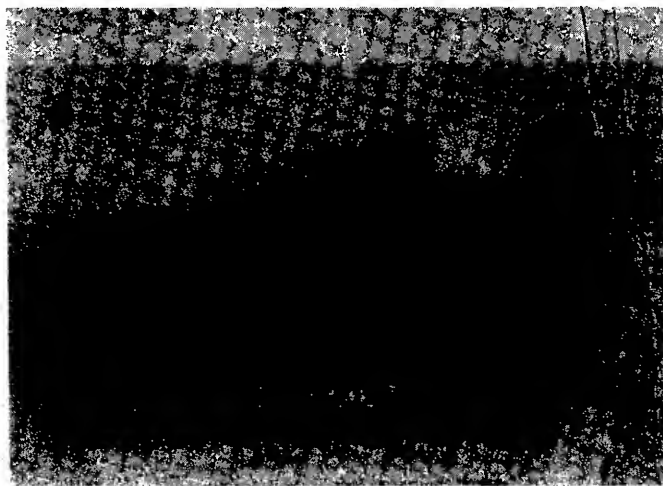
पी० ए० कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 335.**— Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of counter machine with brand name "Diamond Scale Co." (herein referred to as the Model) manufactured by M/s. Diamond Scale Co., Shivaji Nagar, Savarkundla, Gujarat-364515, and which is assigned the approval mark IND/09/03/392;

The said Model (see the figure given below) is a Counter Machine (Mechanical) with a maximum capacity of 5 kg.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the said Section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity in the range of 500g to 50kg manufactured by the same manufacturer with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(168)/2001]

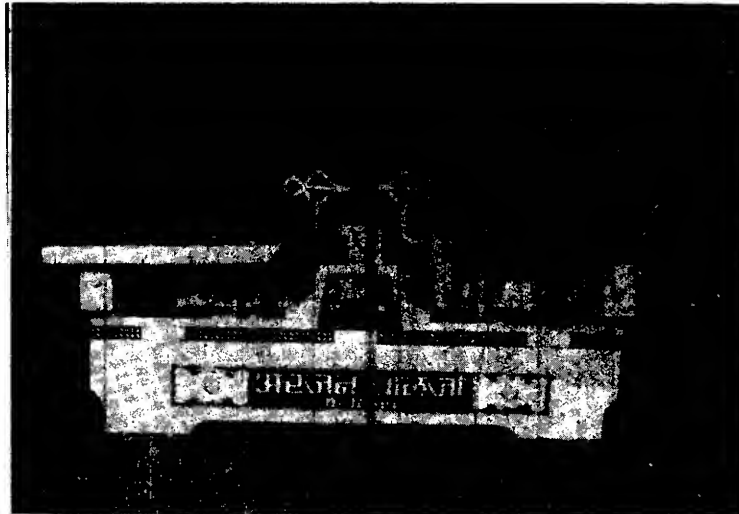
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2004

का०आ० 336.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट तथा माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स अर्जन वलजी एंड सन्स, पोस्ट बाक्स नं. 6, सावर कुंडला-364515 (गुजरात) द्वारा विनिर्मित "काउन्टर मशीन" के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "अर्जन वलजी एंड सन्स" है (जिसे इसमें मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/03/64 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है;

यह मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक काउन्टर मशीन है। इसकी अधिकतम क्षमता 10 कि.ग्रा. है।



और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत 500 ग्रा. से 50 कि.ग्रा. तक की रेंज की क्षमता सहित उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(272)/2002]

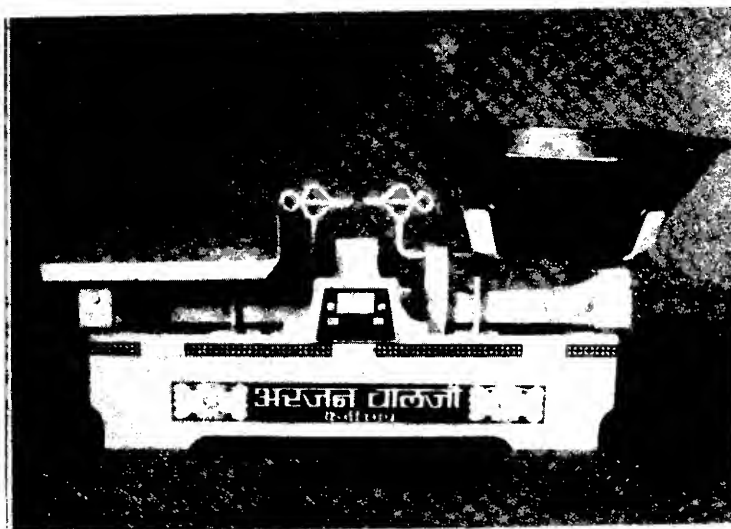
पी० ए० कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 3rd February, 2004

**S.O. 336.**— Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of counter machine with brand name "Arjanvalji & Sons" (herein referred to as the Model) Manufactured by M/s. Arjanvalji & Sons, Post Box No. 6, Savarkundla-364515 (Gujarat) and which is assigned the approval mark IND/09/03/64:

The said Model (see the figure given below) is a Counter Machine. The maximum capacity is 10 kg.



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with capacity ranging from 500g to 50kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model have been manufactured.

[F. No. WM-21(272)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology



**भारतीय मानक ब्यूरो**

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का०आ० 337.— भारतीय मानक ब्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक (कों) में संशोधन किया गया/किये गये हैं :

**अनुसूची**

क्रम सं.	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
1.	आईएस 302-2-3(1999)	संशोधन सं. 10, जुलाई 2003	23-12-2003
2.	आईएस 371:1999	संशोधन सं. 3, जून 2002	06-10-2003
3.	आईएस 1703:2000	संशोधन सं. 1, अगस्त 2003	19-12-2003
4.	आईएस 2112:2003	संशोधन सं. 1, दिसम्बर 2003	31-12-2003
5.	आईएस 2692:1989	संशोधन सं. 2, अगस्त 2003	19-12-2003
6.	आईएस 3177:1999	संशोधन सं. 2, जुलाई 2003	31-07-2003
7.	आईएस 3832:1986	संशोधन सं. 2, जुलाई 2003	17-12-2003
8.	आईएस 6304:1992	संशोधन सं. 1, अगस्त 2003	31-08-2003
9.	आईएस 7150:1974	संशोधन सं. 1, जुलाई 2003	31-07-2003
10.	आईएस 10131:1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 2003	31-07-2003
11.	आईएस 12661 ( भाग 1 ) : 1988	संशोधन सं. 1, जुलाई 2003	31-07-2003
12.	आईएस 12818:1992	संशोधन सं. 4, जुलाई 2003	09-01-2004
13.	आईएस 13386:1992	संशोधन सं. 4, अगस्त 2003	19-12-2003
14.	आईएस 13592:1992	संशोधन सं. 3, जुलाई 2003	09-01-2004
15.	आईएस 14399 ( भाग 1 ) : 1996	संशोधन सं. 1, जून 2003	07-01-2004
16.	आईएस 14543: 1998	संशोधन सं. 7, नवम्बर 2003	04-12-2003
17.	आईएस 15111 ( भाग 2 ) : 2002	संशोधन सं. 2 अगस्त, 2003	31-8-2003
18.	आईएस 15245: 2003	संशोधन सं. 1, जुलाई 2003	31-07-2003
19.	आईएस 15297:2003/ आईएसओ 6103: 1999	संशोधन सं. 1, सितम्बर 2003	30-09-2003

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों, नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों, अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : सीएमडी-1/13:5]

एस० के० चौधरी, उप महानिदेशक (मृदा)

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 337.**— In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notified that amendments to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued.

## SCHEDULE

Sl. No.	No. & year of the Indian Standards	No. & Year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
1.	IS 302-2-3: (1999)	Amendment No. 10 July 2003	23-12-2003
2.	IS 371 : 1999	Amendment No. 3 June 2002	06-10-2003
3.	IS 1703 : 2000	Amendment No. 1 August 2003	19-12-2003
4.	IS 2112 : 2003	Amendment No. 1 December 2003	31-12-2003
5.	IS 2692 : 1989	Amendment No. 2 August 2003	19-12-2003
6.	IS 3177 : 1999	Amendment No. 2 July 2003	31-07-2003
7.	IS 3832 : 1986	Amendment No. 2 July 2003	17-12-2003
8.	IS 6304 : 1992	Amendment No. 1 August 2003	31-08-2003
9.	IS 7150 : 1974	Amendment No. 1 July 2003	31-07-2003
10.	IS 10131 : 1992	Amendment No. 1 July 2003	31-07-2003
11.	IS 12661 (Pt 1) : 1988	Amendment No. 1 July 2003	31-07-2003
12.	IS 12818 : 1992	Amendment No. 4 July 2003	09-01-2004
13.	IS 13386 : 1992	Amendment No. 4 August 2003	19-12-2003
14.	IS 13592 : 1992	Amendment No. 3 July 2003	09-01-2004
15.	IS 14399 (Pt 1) : 1996	Amendment No. 1 June 2003	07-01-2004
16.	IS 14543 : 1998	Amendment No. 7 November 2003	04-12-2003
17.	IS 15111 (Pt 2) : 2002	Amendment No. 2 August 2003	31-08-2003
18.	IS 15245 : 2003	Amendment No. 1 July 2003	31-07-2003
19.	IS 15297 : 2003/ ISO 6103: 1999	Amendment No. 1 September 2003	30-09-2003

Copy of these amendments are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref. : CMD-1/13:5]

S. K. CHAUDHURY, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

का०आ० 338.— भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:—

## अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा मा संख्या	भाग अनु. वर्ष
1	2	3	4	5	6	
1.	6376580	2003-02-19	मैसर्स एम.वी.एस. ज्वेलर्स, डी. नं. 9-1-257, सुरज टॉवर्स, सीबीएम कम्पाउंड, विशाखापटनम 530 016	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417	99
2.	6376681	2003-02-15	मैसर्स आकाश इंटरप्राइसेज, 62/2 कावरई स्ट्रीट, मम्बयकम, चेन्नई-600 048	बिजली के घरेलू खाद्य द्रवीयकर और मिक्चर ग्राइंडर की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	04250	80
3.	6376782	2003-03-01	मैसर्स काव्य फूड्स एण्ड बेबरेजिज, 1/3 मेन रोड, कोडवासल, तिरुवरूर-612 610	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर, (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
4.	6376883	2003-02-24	मैसर्स नन्दी प्लास्टिक्स एण्ड पाइप्स इंडिया, 148 एंड 152 आईआईडीसी उडुमलपुरम (जीपी) नन्दयाल मंडल, कुरनूल जिला	सिंचाई उपस्कर—सिंचाई लैटरल्स पोलिईथाइलीन पाइप—विशिष्ट	12786	89
5.	6376984	2003-03-04	मैसर्स जेवीआर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, सोगेण्डी एंड मोलासर गाँव, सनकुवर चथीराम पोस्ट, काँचीपुरम जिला-602 106	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
6.	6377077	2003-03-04	मैसर्स ईगल एक्वा मिनरल वॉटर, 173, सुन्दरम पिल्लई नगर, टोंडियारपेट, चेन्नई-600 081	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
7.	6377178	2003-03-01	मैसर्स भारत रबड़ फैक्टरी, थिरुवलवयानल्लूर थानिचियम पोस्ट, वडिपत्ती तालुक, मदुरई	V-पट्टे औद्योगिक प्रयोजन के लिए निरन्ज V-पट्टे भाग 1 सामान्य प्रयोजन (दूसरा पुनरीक्षण)	02494	01 94
8.	6377279	2003-03-01	मैसर्स शिव साई इंडस्ट्रीज, नल्लबन्दागुडम गाँव, कोडाड मंडल, नलगौंडा जिला (आंध्र प्रदेश)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	08112	89

1	2	3	4	5	6
9.	6377380	2003-03-03	मैसर्स आई सी फ्रेश वाटर लक्ष्मी वेंकटेश्वर कम्पाउंड, देवनहल्ली रोड, समीप "डी" क्रॉस डोड्डबल्लापुर-561 203	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543 98
10.	6377481	2003-03-04	मैसर्स श्री गोकुल एक्वा प्रॉडक्ट्स, चित्तूर गाँव सनकुवर चथिराम काँचीपुरी जिला-602 108	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543 98
11.	6277582	2003-02-28	मैसर्स फेशन जवेलर्स, मेन रोड, कोल्लम-691 001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन - विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417 99
12.	6377683	2003-02-26	मैसर्स महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज रेडलाकुंता गाँव, कोडाड मंडल, नलगौंडा जिला (आ.प्र.)	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	00455 89
13.	6377784	2003-03-03	मैसर्स टारगेट फूड प्रॉडक्ट्स, प्लॉट नं. 52, बंदलागुडा इंड० एरिया, मैलारदेवपल्ली, राजेन्द्र नगर मंडल, आर.आर. जिला-500 063	तेज उबाल निर्मित चीनी मिष्ठान (दूसरा पुनरीक्षण)	01008 79
14.	6377885	2003-03-08	मैसर्स प्राइमस इंटरनेशनल, 9, रूबी पार्क मुत्तुकडु गाँव कोवलम, पोस्ट काँचीपुरम	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543 98
15.	6377986	2003-03-01	मैसर्स खेतान इलेक्ट्रिकल्स लि., 129, एसवीसीआई एस्टेट बोलाराम, मेडक जिला	बिजली के छत के पंखे और रेग्युलेटर (तीसरा पुनरीक्षण)	00374 79
16.	6378079	2003-02-28	मैसर्स अभिलाष ज्वेलरी, बिशाप जेरोम नगर, कोल्लम-691 001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417 99
17.	6378180	2003-02-26	मैसर्स इडिमन्नीकल फेशन ज्वेलरी के.पी.वी./859 कन्जीरापल्ली कोट्टयम-686 507	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417 99
18.	6378281	2003-03-01	मैसर्स मालाबार सीमेंट्स लि., वलायर वलाया, पी.ओ. पलक्कड, स्लेग जिला-678 624	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	00455 89

1	2	3	4	5	6
19.	6378382	2003-02-19	मैसर्स गुड हेल्थ इंडस्ट्रीज एस. नं. 307/1 बालारामपुरम, स्ट्रीट अलीपुरम (गाँव) नेल्लोर रूरल (मंडल) नेल्लोर जिला-524 314	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	14543 98
20.	6378584	2003-03-01	मैसर्स मदर डेरी यूनिट आफ केएमएफ येलाहंका जी.के.वी.के. पोस्ट बंगलौर-560 065	मलाई युक्त दूध पाउडर भाग 1 मानक ग्रेड (पहला पुनरीक्षण)	13334 98
21.	6378685	2003-03-12	मैसर्स मेगा मिस्ट इंटर- प्राइसेज 289/1, गार्डन रोड, अलामति चेन्नई-600 052	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	14543 98
22.	6378786	2003-03-08	मैसर्स समुद्रा इंजीनियरिंग एसोसिएट्स 73, पुडुवालसु लक्कापुरम इरोड-638 002	मैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	14543 98
23.	6378887	2003-03-11	मैसर्स पवित्र ज्वेलरी XI/888 मेन रोड, पट्ट-यानूर कन्नूर जिला-670 307	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	01417 99
24.	6378988	2003-03-12	मैसर्स मदर वाटर प्रॉडक्ट्स आरएस नं. 179/3, पोंडी-डिन्डीवनम रोड, तिरुचित्रम्बलम गाँव, औरुविल्ले, वनूर (टी के), विल्लुपुरम जिला-605 101	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	14543 98
25.	6378988	2003-03-12	मैसर्स हाइजीन फूड प्रॉडक्ट्स, चिन्नाकोलवरी, काझपेरुम्बक्कम पोस्ट वनूर तालुक विल्लुपुरम जिला	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	14543 98
26.	6379081	2003-03-12	मैसर्स ऑस्बार्न एसेन्शियल ऑयल्स 50 और 51 सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, विचूर, चेन्नई 600 103	घेरामल—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	04467 96
27.	6379182	2003-03-12	मैसर्स किरण पाइप्स नं. 92 अन्ना नगर, पेट्टई, तिरुनेलवेली-627010	पेय जल आपूर्ति हेतु गैर- प्लास्टिकृत पीवीसी पाइप— विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	04985 2000

1	2	3	4	5	6
28. 6379283	2003-02-15	मैसर्स तंदूर सीमेंट्स ( प्रा. ) लि. सर्वे नं. 112/ए उदमेश्वरम गांव कोंडगल मंडल, मेहबूब नगर जिला आंध्र प्रदेश-509 338	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	12269	87
29. 6379384	2003-03-01	मैसर्स केपीएस इंटरप्राइसेज 6/14 ए बलियापरम्बा, पोस्ट पुलण्कल मालापुरम-673 637	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प ( तीसरा पुनरीक्षण )	00418	78
30. 6379485	2003-03-01	मैसर्स लक्ष्मी श्रीनिवास इंडस्ट्रीज डोंडापडू गाँव, मेल्लाचरूवू मंडल नलगौंडा जिला, आंध्र प्रदेश	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट ( पहला पुनरीक्षण )	08112	89
31. 6379586	2003-02-19	मैसर्स मगसमेटल्स प्रा. लि., लॉगोजीगुडेम गाँव, चौदुपल मंडल नलगौंडा जिला	कॉपर सल्फेट ( दूसरा पुनरीक्षण )	00261	82
32. 6379687	2003-03-25	मैसर्स कुशाल पॉलिमर्स प्रा. लि., शेड नं० 18 फेस 2, आईडीए, चेरलापल्ली, आर आर जिला-500 051	सिंचाई तंत्र के छिड़काव गुग्मक के लिए पॉलीइथा- इलीन के पाइप	14151 02	99
33. 6379788	2003-03-18	मैसर्स अनु इंटरप्राइसेज केएचआर गार्डन पुडुचेरी गाँव, सोमंगलम श्रीपेरुम्बुदूर तालुक, काँचीपुरम जिला-602 109	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर ( पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा ) विशिष्ट	14543	98
34. 6379889	2003-03-18	मैसर्स एम एम ट्रेडर्स 10ए/3 कल- कुथिरई ठाका स्ट्रीट, तिरुवन्नामलाई 606 601	संश्लिष्ट खाद्य रंग-निमित्तियों 05346 और मिश्रण ( दूसरा पुनरीक्षण )		94
35. 6379990	2003-03-19	मैसर्स एक्वा टेक वाटर सिस्टम्स 14-ए भारती स्ट्रीट, के के नगर, मदुरई-625 020	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर ( पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा ) विशिष्ट	14543	98
36. 6380066	2003-03-18	मैसर्स श्री विजयलक्ष्मी फूड प्रॉडक्ट्स 27-ए/1 पिल्लईयर कोइल स्ट्रीट, नवलपुर, रानीपेट-632 402	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर ( पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा ) विशिष्ट	14543	98
37. 6380167	2003-03-19	मैसर्स श्री बालाजी एक्वा प्रॉडक्ट्स एस. न. 88/3 तिरुपंथियूर रोड सौगंदी गाँव, श्रीपेरुम्बुदूर ब्लॉक एण्ड तालुक, काँचीपुरम जिला-602 106	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर ( पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा ) विशिष्ट	14543	98
38. 6380268	2003-03-25	मैसर्स लखम फूडम एण्ड बेवरेजिज शेड नं. 5 बी आईडीए, फेस 4, चेर्लापल्ली, हैदराबाद-500 051	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर ( पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा ) विशिष्ट	14543	98

1	2	3	4	5	6
39.	6380369	2003-03-11	मैसर्स चाँदना ब्रॉदर्स ज्वेलर्स, काकीनाडा डी.न. 13-1-45 मेन रोड, काकीनाडा-533001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, 01417 आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन- विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	99
40.	6380470	2003-03-11	मैसर्स चाँदना ब्रॉदर्स शॉपिंग माल सम्मुख जज कोर्ट डी.न. 29-2-24 विशाखापटनम-20	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, 01417 आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन- विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	99
41.	6380571	2003-03-11	मैसर्स चाँदना ब्रॉदर्स ज्वेलर्स, 5-4-790 एबीआईडीएस नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद-500001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, 01417 आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन- विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	99
42.	6380672	2003-03-25	मैसर्स जयश्री केबल्स एण्ड कंडक्टर्स (प्रा.) लि., गोनूर पी. ओ. कुंजन्दीयूर मेत्तूर डेम-636404	पी वी सी रोधित (भारी कार्य) 01554 बिजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोलटता के लिए (तीसरा पुनरीक्षण)	01 88
43.	6380773	2003-03-25	मैसर्स रावानी फूड एण्ड बेवरेजिज (प्रा.) लि., सर्वे नं. 234 कन्निरगईपेर गाँव समीप इंडियन बैंक उथूकूटई तालुक थिरुवल्लूर जिला	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर 14543 (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	98
44.	6380874	2003-03-18	मैसर्स लिओटेक नं. 25, जे.सी. इंड. एस्टेट छाठा मेन रोड, कनकपुरा रोड बंगलौर-560061	ए.सी. स्थैतिक वाट घंटामीटर 13779 वर्ग 1 और वर्ग 2—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	99
45.	6380975	2003-03-24	मैसर्स सनड्राप सोलर सिस्टम्स, नं. 44/2ए इंडस्ट्रियल एस्टेट कोडिजेहल्ली गेट बेल्लारी रोड, हेब्बल, बंगलौर-560 024	सौर सपाट पट्टिका संग्राहक 12933 की विशिष्टि भाग 1 अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	01 92
46.	6381068	2003-03-24	मैसर्स वेल्नेट सिस्टम्स नं. 1, कोडिजेहल्ली गाँव बंगलौर-560 024	सौर सपाट पट्टिका संग्राहक 12933 की विशिष्टि भाग 1 अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	01 92
47.	6281169	2003-03-12	मैसर्स मरूथम इंडस्ट्रीज, 2/445 सदायर कोइल रोड, थिरुवुवनम गाँव सलिमंगलम पी.ओ. थनजावुर 613504	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर 14543 (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्टि	98



1	2	3	4	5	6
48. 6381270	2003-03-25	मैसर्स श्री बालाजी एसोसिएट्स, 110, इरूमईवेत्ती पलायम शोलावरम पोस्ट चैन्नई 600067	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
49. 6381371	2003-03-21	मैसर्स ऋषि पॉलिमर्स प्रा. लि., नं. 16/ए बेलागोला इंडस्ट्रियल एरिया के आर एस रोड, मैसूर 570016	सिंचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिए पॉलिइथाईलीन के पाइप	14151 01	99
50. 6381472	2003-02-28	मैसर्स मेघराज एण्ड ब्रादर्स, शोरूम नं. 530 मेघ मार्केट एवेन्यू रोड बंगलौर 560002	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417	99
51. 6381573	2003-03-11	मैसर्स चांदना ब्रादर्स ज्वेलर्स प्रा. लि., 27-1-5/5 राजागोपालाचारी स्ट्रीट लेनिन सेन्टर गवर्नरपेट विजयवाडा 520002	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417	99
52. 6381674	2003-03-11	मैसर्स गोल्ड पैलेस 13/34 माडापाला स्ट्रीट सम्मुख जैन मंदिर नेल्लोर 524001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417	99
53. 6381775	2003-03-11	मैसर्स न्यूआन्ना ज्वेलरी, 13/141 माडापाला स्ट्रीट नेल्लोर 524001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	01417	99
54. 6381876	2003-03-08	मैसर्स रावेला डोर्स एण्ड डेकोर्स, ए-13, रोड नं. 9 आईडीए नाचरम हैदराबाद 500076	परतखदी सजावटी प्लाईवुड (तीसरा पुनरीक्षण)	01328	96
55. 6381977	2003-03-08	मैसर्स रावेला डोर्स एण्ड डेकोर्स, ए-13, रोड नं. 9 आईडीए नाचरम हैदरामाद 500076	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड (तीसरा पुनरीक्षण)	00303	89
56. 6382070	2003-03-26	मैसर्स वसुधा इंडस्ट्रीज, 44/45, इचिक्कामलाईपति थिरूमलाई समुतिरम पंचायत त्रिचै-620021	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
57. 6382171	2003-03-26	मैसर्स धारीवाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 44-124 मौला-अली समीप नचरम टेलीफोन एक्सचेंज हैदराबाद-500076	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
58. 6382272	2003-03-28	मैसर्स हवा चालव्य (इंडिया) प्रा. लि., सी-255, एम.टी. सागर इंड. एस्टेट गोकुल रोड, हुबली-580030	सामान्य प्रयोजन हेतु बटरफलाई चालव्य	13095	91

1	2	3	4	5	6
59. 6382373	2003-03-26	मैसर्स पवित्र एक्वॉ इंडस्ट्रीज, 10, मदुरई चेट्टी गली चौलाई चैन्नई-600112	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
60. 6382474	2003-03-27	मैसर्स अदित्या सोलर सिस्टम्स, 4 और 5, 80 फीट रोड, आरएम.वी. दूसरी स्टेज अश्वथनगर बंगलौर-560094	सौर सपाट पट्टिका संग्राहक 12933 की विशिष्ट भाग 1 अपेक्षाएँ (पहला पुनरीक्षण)	01	92
61. 6382575	2003-03-28	मैसर्स शिब्रा मिनरल्स 7-8, "शिब्रा फर्म्स" नागसाम्द्रा पोस्ट बंगलौर-560073	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
62. 6382676	2003-03-24	मैसर्स लानको इंडस्ट्रीज लि., राधगुप्ते श्रीकाकीहस्ती मंडल, चित्तूर जिला आंध्र प्रदेश-517641	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	12269	87
63. 6382777	2003-03-28	मैसर्स यूनीक मिनरल वाटर यूनिट, के आर टी रोड कार स्ट्रीट तीरुहल्ली-577432	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
64. 6382878	2003-03-28	मैसर्स के के इंटरप्राइजिज नं. 37, कथिगुप्ते पापैह गार्डन बनासनकरी तीरुवरी स्टेज बंगलौर-560085	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
65. 6382979	2003-03-27	मैसर्स वाटर टेक इंजीनियर्स, एच नं. 1-82 प्लॉट नं. 188/5 रामारम हसनवारथी वारंगल-506015	पैकेजबन्द मिनरल वॉटर (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा) विशिष्ट	14543	98
66. 6383072	2003-03-24	मैसर्स भारती एंजिनीयर्स सर्वे नं. 212/1 सुरमपल्ली गाँव गन्नाबरम मंडल, कृष्णा जिला-521212	पेय जल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीपीसी पाइप (तीसरा पुनरीक्षण)	04985	2000
67. 6383173	2003-03-27	मैसर्स श्री रामान्जनेया इंडस्ट्रीज, सर्वे नं. 46 रेडलाकुंता (वी) कोडाड (एम) तलगौडा जिला आ.प्र.	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	00455	89
68. 6383274	2003-03-27	मैसर्स श्री राज्यलक्ष्मी इंडस्ट्रीज, सर्वे नं. 46/1 रेडलाकुंता (वी) कोडाड (एम) तलगौडा जिला आ.प्र.	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	00455	89
69. 6383375	2003-03-27	मैसर्स महालक्ष्मी रेबड प्राइवेट्स प्लॉट नं. 58 केसन; आईडीए चेलापल्ली हैदराबाद-500059	गैसमेल जलमेल और सीबरो के लिए प्रबल सीबरो रिग (पहला पुनरीक्षण)	05382	85

[संदर्भ: सीएसडी-तिरुवन्ना-1/13:11]

एस. के. चौधरी, उप महानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 30th January, 2004

**S.O. 338.**—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No.	Operative Date (Year/Month)	Name & Address of the Party	Title of the Standard	IS No.	Part	Sec.	Year
1	2	3	4	5	6	7		8
01.	6376580	2003-02-19	M/s M.V.S. Jewel Park D. No. 9-1-257 Suraj Towers CBM Compound Visakhapatnam-530016	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and Marking-Specification (Third Revision)	01417			99
02.	6376681	2003-02-15	M/s Akash Enterprises 62/2 Kavarai Street, Mambakkam Chennai-600048	Specification for Domestic Electric Food-Mixtures (Liquidized and Grinders) (First Revision)	04250			80
03.	6376782	2003-03-01	M/s Kavya Foods and Beverages 1/3, Main Road Kodavasai, Thiruvananthapuram-612610	Specification for Packaged Drinking water (other than packaged Natural Mineral Water)	14543			98
04.	6376883	2003-02-24	M/s Nandi Plasticisers & Pipes India 148 & 152 IIDC Udumalpuram (GP) Nandyal Mandal Kurnool DT	Irrigation Equipment- Polyethylene Pipes for Irrigation laterals- Specification	12786			89
05.	6376884	2003-03-04	M/s JVR Packaged Drinking Water Sogandy & Molasar Village Sunkuvur, Chathiram Post Kancheepuram DT-602106	Specification for Packaged Drinking water (other than Packaged Natural Mineral Water)	14543			98
06.	6377077	2003-03-04	M/s Eagle Aqua Mineral Water 173, Sundaram Pillai Nagar Tondiarpet Chennai-600081	Specification for Packaged Drinking water (other than Packaged natural Mineral Water)	14543			98
07.	6377178	2003-03-01	M/s Bharat Rubber Factory Thiruvalvayanallur Thanichiyam Post Vadipatti Taluk Madurai.	V-Belts-Endless V-Belts for Industrial Purposes-Part 1 : General Purposes-Specification (Second Revision)	02494	01		94
08.	6377279	2003-03-01	M/s Siva Sai Industries nallabandagudam Village Kodad Mandal, Nalgonda District, Andhra Pradesh	Specification for 43 Grade Ordinary Portland Cement (First Revision)	08112			89
09.	6377380	2003-03-03	M/s I C Fresh Water Lakshmi Vehkateshwara Compound Devanahalli Road Near 'D' Cross Doddaballapur-561203	Specification for packaged Drinking water (Other than packaged Natural Mineral water)	14543			98

1	2	3	4	5	6	7	8
10.	6377481	2003-03-04	M/s Sree Gokul Aqua Products Chittoor Village Sunkuvar Chathiram Kancheepuram DT.-602108	Specification for packaged drinking water (Other than packaged Natural Mineral water)	14543		98
11.	6377582	2003-02-28	M/s Fashion Jewellers Main Road Kollam-691001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artificats- Fineness and marking- Specification (Third Revision)	01417		99
12.	6377683	2003-02-26	M/s Mahalakshmi Industries Redlakunta Village Kodad Mandal Nalgonda District-A.P.	Specification for Portland SLAG Cement (Fourth Revision)	00455		89
13.	6377784	2003-03-03	M/s Taaet Food Products Plot No. 52, Bandlaguda, Indl. Arc Mallardevpally Rajendranagar Mandal, R.R. District-500063	Specification for Hard Bollad Sugar Confectionery (Second Revision)	01008		79
14.	6377885	2003-03-08	M/s Primus International 9, Ruby park Muttukadu Village Kovalam Post Kancheepuram	Specification for packaged drinking water (Other than packaged Natural Mineral Water)	14543		98
15.	6377986	2003-03-01	M/s Khaitan Electricals Ltd. 129, SVCI Estate Bollaram Medak District-	Electric Celling Type Fans & Regulators (Third Revision)	00374		79
16.	6378079	2003-02-28	M/s Abhilash Jewellery, Bishop Jerome Nagar Kollam-691001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and marking-Specification (Third Revision)	01417		99
17.	6378180	2003-02-26	M/s Edimannickal Fashion Jewellery K.P.V/859 Kanjirapally Kottayam-686507	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and marking-Specification (Third Revision)	01417		99
18.	6378281	2003-03-01	M/s Malabar Cements Ltd. Walayar Walaya P.O. Palakkad SLAG District-678 624	Specification for Portland Cement (Fourth Revision)	00455		89
19.	6378382	2003-02-19	M/s Good Health Industries S.No. 307/1 Balaramapuram Street Allipuram (Village) Nellore Rural (Mandal) Nellore DT.-524314	Specification for Packaged drinking water (other than packaged Natural Mineral Water)	14543		98
20.	6378584	2003-03-01	M/s Mother Dairy Unit of KMF Yelahanka G.K.V.K. Post Bangalore-560065	Skimmed Milk Powder Specification-Part 1 : Standard Grade (First Revision)	13334	01	98
21.	6378685	2003-03-12	M/s Megaa Mist Enterprises 289/1 Garden Road Alamathi Chennai-600052	Specification for Packaged drinking water (other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98

1	2	3	4	5	5	7	8
22.	6378786	2003-03-08	M/s Samudharaah Engineering Associates 73, Puduvalasu Lakkapuram Erode-638002	Specification for Packaged drinking water (other than packaged Natural, Mineral Water)	14543		98
23.	6378887	2003-03-11	M/s Pavithra Jewellery XI/888, Main Road Payyanur Kannur Dist.-670307	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts-Fineness and marking-Specification (Third Revision)	01417		99
24.	6378988	2003-03-12	M/s Mother water products RS. No. 179/3 Pondy-Dindivanam Road Tiruchitrabalam Village Auroville, Vanur (TK) Villupuram District-605101	Specification for packaged Drinking water (Other than packaged Natural Mineral Water)	14543		98
25.	6378988	2003-03-12	M/s Hygiene Food Products Chinnakoluvari Kazhupcrumbakkam Post Vanur Taluk Villupuram District-	Specification for Packaged drinking water (other than packaged Natural Mineral Water)	14543		98
26.	6379081	2003-03-12	M/s Osborine Essential Oils 50&51, Sidco Industrial Estate Vichoor Chennai-600 103	Caramel—Specification (Second Revision)	04467		96
27.	6379182	2003-03-12	M/s Kiran Pipes No. 92 Anna Nagar Pettai Tirunelveli-627 010	Unplasticized PVC Pipes for Potable Water Supplies—Specification (Third Revision)	04985		00
28.	6379283	2003-02-15	M/s Tandur Cements (P) Ltd. Survy No. 112/A Udmeshwaram Village Kodangal Mandal Mahaboob Nagar District Andhra Pradesh-509 338	Specification for 53 Grade Ordinary Portland Cement	12269		87
29.	6379384	2003-03-01	M/s Kaypees Enterprises 6/14 A Valliyaparamba Post Pulikkal Malappuram-673 637	Tungsten Filament General Service Lamps (Third Revision)	00418		78
30.	6379485	2003-03-01	M/s Lakshmi Srinivasa Industries Dondapadu Village mellachuvu Mandal Nalgonda District Andhra Pradesh—	Specification for 43 Grade Ordinary Portland Cement (First Revision)	08112		89
31.	6379586	2003-03-19	M/s Magus Metals Pvt. Ltd. Longojigudem Village Chouttupal Mandal Nalgonda District—	Copper Sulphate (Second Revision)	00261		82
32.	6379687	2003-03-25	M/s Kushal Polymers Pvt. Ltd. Shed No. 18 Phase II, IDA Cheralpally R.R. District-500 051	Irrigation Equipment Sprinkler Pipes—Specification—Part 2: Quick Coupled Polyethylene Pipes	14151	02	99
33.	6379788	2003-03-18	M/s Anu Enterprises Khr Gardens Puducheri Village Somangalam Sriperumbudur Taluk Kancheepuram District-602 109	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98

1	2	3	4	5	5	7	8
34.	6379889	2003-03-18	M/s M M Traders 10 A/3 Kalkuthiri Thakka Street Thiruvannamalai-606601	Synthetic Food Colour— Preparations and Mixtures— Specification (Second Revisions)	05346		94
35.	6379990	2003-03-19	M/s Aqua Tech Water Systems 14-A Bharathi Street K. K. Nagar Madurai-625 020	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
36.	6380066	2003-03-18	M/s Sri Vijayalakshmi Food Products 27-A/1 Pillaiyar Koil Street Navalpur Ranipet-632 402	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
37.	6380167	2003-03-19	M/s Sree Balaji Aquaa Products S. No. 88/3 Thirupanthiyur Road Sogandi Village Sriperumbudur Block & Taluk Kancheepuram DT-602 106	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
38.	6380268	2003-02-25	M/s Lakham Foods & Beverages Shed No. 5B IDA, Phase IV Cherlapally Hyderabad-500 051	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
39.	6380373	2003-03-11	M/s Chandana Brothers Jewellers, Kakinada D. No. 13-1-45 Main Road Kakinada-533 001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts—Fineness and Marking—Specification (Third Revision)	01417		99
40.	6380470	2003-03-11	M/s Chandana Bros Shopping Mall Opp. Judge Court D. No. 29-2-24 Visakhapatnam-20	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts—Fineness and marking specification (Third Revision)	01417		99
41.	6380571	2003-03-11	M/s Chandana Brothers Jewellers 5-4-790 Abids Nampally Station Road Hyderabad-500 001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts—Fineness and Marking-Specification (Third Revision)	01417		99
42.	6380672	2003-03-25	M/s Jayashree Cables & Conductors (P) Ltd Gonur P. O. Kunjandiyur Mettur Dam-636 404	PVC Insulated (Heavy Duty) Electric Cables: Part 1 : for working Voltage, upto and including 1100V (Third Revision)	01554	01	88
43.	6380773	2003-03-25	M/s Rawani Food & Beverages Pvt. Ltd. Survey No. 234 Kannigajpair Village Near Indian Bank Uthukoottai Taluk Thiruvallur District—	Specification for Packaged Drinking Water (Other than) Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
44.	6380874	2003-03-18	M/s Leotech No. 25, J. C. Indl. Estate 6th Main Road Kanakapura Road Bangalore-560 061	ac Static Watthour Meters, Class 1 and 2— Specification (First Revision)	13779		99
45.	6380975	2003-03-24	M/s Sundrop Solar Systems No. 44/2A Industrial Estate Kodigehalli Gate Bellary Road, Hebbal Bangalore-560 024	Solar Flat Plate Collector— Specification Part 1 : Requirements (First Revision)	12933	01	92

1	2	3	4	5	5	7	8
46.	6381068	2003-03-24	M/s Velnet Systems No. 1 Kodigehalli Village Bangalore-560 024	Solar Flat Plate Collector— Specification Part 1 : Requirements (First Revision)	12933	01	92
47.	6381169	2003-03-12	M/s Marutham Industries 2/445 Sadayar Koil Road Thirubuvanam Village Saljamangalam P. O. Thanjavur-613 504	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
48.	6381270	2003-03-25	M/s Sri Balaji Associates 110, Erumaivetti Palayam Sholavaram Post Chennai-600 067	Specification for Packaged Drinking Water (Other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
49.	6381371	2003-03-21	M/s Rishi Polymers Pvt. Ltd No. 16/A, Belagola Industrial Area K R S Road <sup>O</sup> Mysore-570 016.	Irrigation Equipment— Sprinklers Pipes— Specification— Part 1: Polythylene Pipes	14151	01	99
50.	6381472	2003-02-28	M/s Menghraj & Bros Show Room No. 530 Megh Market Avene Road Bangalore-560 002	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts—Fineness and Marking—Specification (Third Revision)	01417		99
51.	6381573	2003-03-11	M/s Chandana Brothers Jewellers Pvt. Ltd. 27-1-5/5 Rajagopalachari Street Lenin Centre Governorpet Vijayawada-520 002	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts—Fineness and Marking—Specification (Third Revision)	1417		99
52.	6381674	2003-03-11	M/s Gold Palace 13/34, Madaoala Street Opp. Jain Temple Nellore-524 001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts—Fineness and Marking—Specification (Third Revision)	01417		99
53.	6381775	2003-03-11	M/s Newandhra Jewellery 13/141 Mandapala Street Nellore-524 001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts— Fineness and Marking- Specification (Third Revision)	01417		99
	6381876	2003-03-08	M/s Raavela Doors & Decors A-13, Road No. 9 IDA Nacharam Hyderabad-500 076	Veneered Decorative Plywood—Specification (Third Revision)	01328		96
55.	6381977	2003-03-08	M/s Raavela Doors and Decors A-13, Road No. 9 IDA Nacharm Hyderabad-500076	Specification for Plywood for General Purposes (Third Revision)	00303		89
56.	6382070	2003-03-26	M/s Vasutha Industries 44/45, Ichikkamalaipatti Thirumalai Samuthiram Panchyat Trichy-620021	Specification for Packaged Drinking water (other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
57.	6382171	2003-03-26	M/s Dhariwal Industries Limited 44-124, Moula-Ali Near Nacharam Telephone Exchange Hyderabad-500076	Specification for Packaged Drinking water (other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98

1	2	3	4	5	6	7	8
58.	6382272	2003-03-28	M/s Hawa valves (India) P. Ltd. C-255, M.T. Sagar Indl. Estate, Gokul Road Hubli-580030	Butterfly Valves for General, Purposes	13095		91
59.	6382373	2003-03-26	M/s Pavithra Aqua Industries 10, Madurai Chetty Street Choolai Chennai-600112	Specification for Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water)	14543		98
60.	6382474	2003-03-27	M/s Aditya Solar Systems 4 & 5, 80 Ft. Road R.M.V. 2nd Stage Aswathnagar, Bangalore-560094	Solar Flat Plate Collector— Specification Part I: Require- ments (First Revision)	12933	01	92
61.	6382575	2003-03-28	M/s Shibra Minerals 7-8, "Shibra Farms" Nagasandra Post Bangalore-560073	Specification for Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural, Mineral Water)	14543		98
62.	6382676	2003-03-24	M/s Lanco Industries Ltd. Rachagunjeri Srikakahasti Mandal Chittoor District Andhra Pradesh-517641	Specification for 53 Grade Ordinary Portland Cement	12269		87
63.	6382777	2003-03-28	M/s Unique Mineral Water Unit K.R.T. Road Car Street Thiruhahalli-577432	Specification for Plywood Drinking water (other than Package Natural Mineral Water)	14543		98
64.	6382878	2003-03-28	M/s K. K. Enterprises No. 37 Kathriguppe Papaiah Garden Banasankari III Stage Bangalore-560085	Specification for Plywood Drinking water (other than Package Natural Mineral Water)	14543		98
65.	6382979	2003-03-27	M/s Water Tech. Engineers H. No. 1-82 Plot No. 188/5 Ramaram Hasanparthy Warangal-506015	Specification for Packaged Drinking water (other than Package Natural Mineral Water)	14543		98
66.	6383072	2003-03-24	M/s Bharathi Agencies Survey No. 217/1, Surampally Village Gannavaram Mandal Krishna District-521212	Unplasticized PVC Pipes for Potable Water Supplies— Specification (Third Revision)	04985		00
67.	6383173	2003-03-27	M/s Sri Ramanjaneya Industries Survey No. 46 Redlakunta (V) Kodad (M) Nalgonda District, Andhra Pradesh	Specification for Portland Slag Cement (Fourth Revision)	00455		89
68.	6383274	2003-03-27	M/s Sri Rajyalakshmi Industries Survey No. 46/1, Redlakunta (V) Kodad (M) Nalgonda District Andhra Pradesh	Specification for Portland Slag Cement (Fourth Revision)	00455		89
69.	6383375	2003-03-27	M/s Mahalakshmi Rubber Products Plot No. 58 Phase I, IDA Cheralpally, Hyderabad-500051	Specification for Rubber Sealing Rings for Gas Mains, Water Mains and Sewers (First Revision)	05382		85

[Ref: CMD-I/13:11]

S.K. CHAUDHURY, Dy. Director General (Marks)



## जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 2003

का. आ. 339. — जबकि भारतीय सहभागिता सिंचाई प्रबंधन संबंधी नेटवर्क (जिसे इसके पश्चात् इण्डिया एनपीआईएम कहा जाएगा), सोसायटीज रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 के अंतर्गत दिल्ली में पंजीयत एक संस्था, के संगम ज्ञापन तथा नियमों और विनियमों के नियम 9.1 के अनुसार भारत सरकार के पास समय-समय पर ऐसे निर्देश जारी करने की शक्ति है जिन्हें यह संगम ज्ञापन तथा नियमों और विनियमों में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने अथवा जारी रखने के प्रयोजन के वास्ते इण्डिया एनपीआईएम के लिए आवश्यक समझे।

और जबकि भारत सरकार ने इण्डिया एनपीआईएम के सदस्यों से विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त किए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ इण्डिया एनपीआईएम की कार्यशैली में खराब कार्यपद्धति, खराब प्रशासन और वित्तीय अनियमितताओं पर प्रकाश डाला गया है।

और जबकि भारत सरकार को संस्था के नियमों और उपनियमों के नियम 9.2 के तहत इण्डिया एनपीआईएम की कार्य पद्धति और प्रगति की समीक्षा अथवा निरीक्षण करने तथा संबंधित मामलों में जांच करने और भारत सरकार द्वारा चाहे गए ढंग से इसकी रिपोर्ट देने के लिए एक या एक से अधिक व्यक्तियों को नियुक्त करने की शक्ति प्राप्त है।

और जबकि उपरोक्त नियम 9.2 के अनुसार भारत सरकार ने अधिसूचना संख्या 10/9/2003-सतकर्ता, दिनांक 13-5-2003 द्वारा श्री निरंजन पंत, संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, जल संसाधन मंत्रालय को इण्डिया एनपीआईएम के मामलों की जांच करने और अपनी रिपोर्ट सचिव, जल संसाधन मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

और जबकि उपरोक्त जांच अधिकारी ने 30-7-2003 को अपनी रिपोर्ट भारत सरकार को प्रस्तुत कर दी है और उक्त जांच रिपोर्ट पर सरकार द्वारा विचार किया गया है तथा इस रिपोर्ट में दी गई सभी सिफारिशों को स्वीकार करने का निर्णय किया गया है।

अतः अब, जांच अधिकारी के निष्कर्षों और सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात् और सभी संबंधित तथ्यों और स्थितियों को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार, जन हित में निम्नानुसार निर्देश देती है :

1. इण्डिया एनपीआईएम कि नियमों और विनियमों के नियम 10.5 के अनुसार इण्डिया एनपीआईएम की दूसरे शासी निकाय का कार्यकाल 17-01-2002 को सामप्त हो गया। अतः 17-1-2002 के पश्चात् से इण्डिया एनपीआईएम की दूसरे शासी निकाय के कार्यों को अवैध घोषित किया जाता है। इस अवैध निकाय द्वारा अपने मूल कार्यकाल के बाद लिए गये सभी निर्णयों को रद्द घोषित किया जाता है।

2. इण्डिया एनपीआईएम का शासी निकाय के अध्यक्ष का पद कुछ समय के लिए चयन आधारित पद के रूप में समाप्त हो जाएगा और आयुक्त (पीपी) जल संसाधन मंत्रालय इसके बाद अगले निर्देश तक इण्डिया एनपीआईएम के पदेन अध्यक्ष के रूप में काम करते रहेंगे।

3. इण्डिया एनपीआईएम के नियमों एवं विनियमों के नियम 9.3 के अनुसार सोसायटी का प्रशासन एवं परिसंपत्तियां तुरंत भारत सरकार की ओर से आयुक्त (पीपी), जल संसाधन मंत्रालय द्वारा अधिकार में ले ली जाएंगी जो वित्तीय संस्थाओं, जहां पर सोसायटी के लेखे संचालित किए जा रहे हैं, सहित सभी संबंधित को उपरोक्त के बारे में यथोचित रूप से सूचित करेगा।

4. इण्डिया एनपीआईएम के पदेन अध्यक्ष जांच अधिकारी की रिपोर्ट की एक अधिप्रमाणित प्रति सहित सोसायटी के रजिस्ट्रार को भारत सरकार के निर्णयों से यथोचित रूप से अवगत करायेगा।

5. इण्डिया एनपीआईएम के पदेन अध्यक्ष यदि आवश्यक हुआ तो सोसायटीज के रजिस्ट्रार के परामर्श से इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से छः महीने की अवधि के भीतर इण्डिया एनपीआईएम के संगम ज्ञापन और नियमों एवं विनियमों के प्रावधानों के अनुसार इण्डिया एनपीआईएम की शासी निकाय का कड़ाई से चुनाव करायेगा।

6. आयुक्त (पीपी) जल संसाधन मंत्रालय को सोसायटी के नये पदेन अध्यक्ष होने के नाते जांच अधिकारी की सिफारिशों, जिन्हें भारत सरकार द्वारा स्वीकार कर ली गई हैं, पर यथोचित कार्रवाई करनी चाहिए।

[सं. 10/6/2000-क.क्षे.वि.]

डी. सी. सामंत, अपर सचिव

## MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 24th December, 2003

S.O. 339.— Whereas in terms of Rule 9.1 of the Memorandum of Association and Rules and Regulations on Indian Network on Participatory Irrigation Management (hereinafter India NPIM), a society registered in Delhi under the Societies Registration Act, 1860, the Government of India possesses the power to issue such directives as it may consider necessary from time to time to India NPIM for the purpose of carrying out or continuing the objects set out in the Memorandum of Association and Rules and Regulations :—

And whereas the Government of India received various representations from the Members of India NPIM *inter alia* highlighting malfunctioning, mal-administration and financial improprieties in the working of India NPIM:

AND WHEREAS the Government of India is empowered under Rule 9.2 of the Rules and Regulations of the Society to appoint one or more person to review or inspect the working and progress of India NPIM and hold enquiries into the affairs thereof and to report thereon in such manner as the Government of India may decide:

And whereas in terms of aforesaid Rule 9.2, it was decided by the Government of India to appoint Shri Niranjana Pant, Joint Secretary and Financial Adviser, Ministry of Water Resources as Enquiry Officer to hold enquiries into the affairs of India NPIM and submit his report to the Secretary, Ministry of Water Resources vide Notification No. 10/9/2003-Vig., dated 13-5-2003;

And whereas the afore-said Enquiry Officer submitted his report to the Governemnt of India on 30-7-2003 and the said enquiry report has been considered by the Government and it has been decided to accept all the recommendations made in the report.

Now therefore, after considering the findings and the recommendations of the enquiry officer and taking into account all the relevant facts and circumstances in its totality, the Government of India, in public interest, directs as under:

1. The term of second Governing Body of India NPIM expired on 17-01-2002 according to Rule 10.5 of the rules and Regulations of India NPIM. Therefore, the functioning of second Govering Body of India NPIM after 17-1-2002 is declared as illegal. All the decisions taken by this illegal body after the expiry of its original term are also declared null and void.

2. The post of the President of the Govering Body of India NPIM will cease to be an elective post for the time being the Commissioner (PP) Ministry of Water Resources will henceforth function as ex-officio President of India NPIM, until further directions.

3. In terms of Rule 9.3 of the rules and Regulations of India NPIM, the administration and the assets of the society shall immediately be taken over by the Commissioner (PP) Ministry of Water Resources on behalf of the Government of India, who will appropriately intimate the above to all concerned including the financial institutions where the accounts of the society are being operated.

4. The Ex-officio President of India NPIM will appropriately appraise the decisions of the Government of India to the Registrar of the Society along-with an authenticated copy of the report of the Enquiry Officer.

5. The Ex-officio President of India NPIM shall conduct the election of the Governing Body of India NPIM strictly in accordance with the provisions of the Memorandum of Association and Rules and Regulations of India NPIM with in a period of six months from the date of issue of this Notification, after consulting the Registrar of the Societies, if necessary.

6. Commissioner (PP), Ministry of Water Resources being the new ex-officio President of the Society should take appropriate action on the recommendations of the enquiry officer, which has been accepted by the Government of India. (No. 10/6/2000-CAD)

[F.No. 10/6/2003-Vig]

D. C. SAMANT, Addl. Secy.

### कृषि मंत्रालय

( कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग )

( भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् )

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

का. आ. 340. —कृषि उत्पाद उपकर अधिनियम 1940 की धारा 7 (2) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा निर्मित स्थाई वित्त समिति के विनियम 2(iv) के अनुसरण में, शासी निकाय ने अपने

निम्नलिखित सदस्यों को 24 दिसम्बर, 2003 से 1 वर्ष की अवधि के लिए स्थाई वित्त समिति के सदस्य के रूप में चुना है।

1. श्री जे.एन.एल. श्रीवास्तव,  
पूर्व सचिव ( ए एवं सी )  
25, एन.आर.आई. कालोनी, मंदाकिनी,  
ग्रेटर कैलाश पार्ट-4,  
नई दिल्ली-110019
2. श्री सुधीर भार्गव,  
निदेशक,  
एग्रोमैन सिस्टम प्रा.लि.,  
25/2, तारदेव ए.सी. मार्केट, तारदेव,  
मुम्बई-400 034 (महाराष्ट्र)
3. डा. शिव राज सिंह,  
15, भागीरथी कालोनी,  
सुन्दरपुर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)-221 005
4. डा. एस.ए. खानविल्कर,  
नन्दश्री अपार्टमेंट,  
ए-विंग, ब्लॉक नं.1,  
होटल वृन्दावन के समीप, ताल उपोली,  
जिला रत्नागिरी, डपोली, महाराष्ट्र-415 712
5. डा. एस. नागराजन,  
निदेशक,  
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,  
पूसा, नई दिल्ली-110012

[ फा. सं. 6 (1)/2003-गवर्नेंस सैल ]

शशि मिश्रा, अपर सचिव

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture Research and Education)

(Indian Council of Agricultural Research)

New Delhi, the 28th January, 2004

S.O. 340.—In pursuance to Section 7(2) of the A.P. Cess Act, 1940 and Regulation 2(iv) of the Standing Finance Committee Regulations framed by the Indian Council of Agricultural Research, the Governing Body has elected the following of its Members to the Standing Finance Committee for a period of one year with effect from 24th December, 2003.

1. Shri J.N.L. Srivastava,  
Former Secretary (A&C),  
25, NRI Colony, Mandakini,  
Greater Kailash Part IV,  
New Delhi 110019.
2. Shri Sudhir Bhargava,  
Director,  
Agroman System Pvt. Ltd.  
25/2, Tardeo Ac Market. Tardeo.  
Mumbai-400034.

3. Dr. Shiv Raj Singh,  
15, Bhagirathi Colony,  
Sundarpur,  
Varanasi 221005.
4. Dr. S. A. Khanwilkar,  
Nandashree Apartment,  
A-wing Block No. 1, Near Hotel  
Vrindavan, Tal Dapoli,  
District Ratnagiri, Dapoli,  
Maharashtra 415712.
5. Dr. S. Nagarajan,  
Director,  
Indian Agricultural Research Institute,  
Pusa, New Delhi 110012.

[F. No. 6(1)/2003-Gov. Cell.]

SHASHI MISRA, Addl. Secy.

**पोत परिवहन मंत्रालय**

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2004

का. आ. 341.—भारत सरकार, निम्नलिखित कार्यालय को, जहाँ 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है और जो इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है, राजभाषा (संघ के सरकारी उद्देश्य के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के तहत अधिसूचित करती है :—

मुख्य अभियन्ता एवं प्रशासक का कार्यालय  
अण्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह निर्माण कार्य  
पोर्ट ब्लेयर—744101

[फा. सं. ई.-11011/1/2000-हिन्दी]

आर. के. जैन, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF SHIPPING**

New Delhi, the 3rd February, 2004

S.O. 341.—In pursuance of sub rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for the Official Purpose of the Union) Rule, 1976, the Government of India hereby notified the following office under the administrative control of the Ministry of Shipping where more than 80% of staff have acquired working knowledge in Hindi :—

Office of the Chief Engineer & Administrator  
Andaman Lakshadweep Harbour Works  
Port Blair-744101.

[F. No. E-11011/1/2000-Hindi]

R. K. JAIN, Jt. Secy.

**कोयला मंत्रालय**

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2004

का. आ. 342.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (i) के अधीन जो भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड

(ii) तारीख 11 जनवरी, 2003 में भारत सरकार के तत्कालीन कोयला और खान मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 80, तारीख 3 जनवरी, 2003 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 3100.00 हेक्टर (लगभग) या 7660.10 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्य है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में यथावर्णित 421.70 हेक्टर (लगभग) या 1042.02 एकड़ (लगभग) माप की भूमि और ऐसी भूमि में या उस सब पर के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है;

टिप्पण 1 :—इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को रेखांक सं. सी.-1 (ई) III /जे जे एम आर/710-1103, तारीख 4 नवम्बर, 2003 का निरीक्षण, कलेक्टर, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता (पिन-700001) के कार्यालय में या वेस्टर्न कोल्फील्ड्स लिमिटेड, (राजस्व विभाग) कोल इस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकेगा।

टिप्पण 2 :—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विभाग) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं :—

**अर्जन की बाबत आपत्तियाँ—**

8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

**स्पष्टीकरण :**—इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी सुनवाईयों का सुने जाने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात्, जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितवद्ग समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता, यदि भूमि या किसी ऐसी उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

**टिप्पण 3 :—**केन्द्रीय सरकार ने अधिनियम के अधीन कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता-700001 को सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया है जिसे अधिसूचना संख्यांक का.आ. 2519, तारीख 27 मई, 1983 के भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 11 जून, 1983 को प्रकाशित किया गया था।

### अनुसूची

#### एकोणा ओपन कास्ट खंड

#### माजरी क्षेत्र

#### जिला चंद्रपुर (महाराष्ट्र)

(रेखांक सं. सी-1(ई)/III जेजेएमआर/710-1103 तारीख 4 नवम्बर, 2003)

#### सभी अधिकार

क्र. सं.	ग्राम का नाम	पटवारी सार्किल सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टेयर में	टिप्पणी
1.	एकोणा	11	वरोरा	चंद्रपुर	187.37	भाग
2.	माडा	11	वरोरा	चंद्रपुर	234.33	भाग

कुल क्षेत्र : 421.70 हेक्टेयर (लगभग)

या

1042.02 एकड़ (लगभग)

#### ग्राम एकोणा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :—

129, 130, 131, 132, 133, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151/1, 151/2, 152, 153, 154, 155/1, 155/2, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163/क, 163/ख, 163/ग, 163/घ, 186, 187, 188, 189, 194/1, 194/2, 194/3, 194/4, 195, 196, 197, 198/1, 198/2, 199/2 199/2क, 199/2 ख, 200, 201/1, 201/2, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217/1, 217/2, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228/1, 228/2, 229, 230, 231/1, 231/2, 232, 234/1, 234/2, 235, 236, 237, 238, 268, 269, 270, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 296

#### ग्राम माडा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

75/क, 75/ख, 77/1ग, 77/ख, 77/2, 77/3, 78/1, 78/2, 78/3, 79/1, 79/2, 79/3, 80, 81/1, 81/2/1, 81/2/2, 82, 83, 84, 86, 87, 88, 89, 90/1, 90/2, 91, 92/1, 92/2, 92/3, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107/1, 107/2, 107/3, 108, 109, 110, 111/1, 111/2, 112, 113, 114, 115, 125, 220, 221, 222, 223,

225, 226, 227/1, 227/2, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241/1, 241/2-241/3, 242/1, 242/2, 242/3, 243, 244/1, 244/2, 245/1क, 245/1ख, 245/2, 246, 248, 249, 250, 264, 265, 267, 268, 269, 270, 271, 272/1, 272/2, 273/1, 273/2, 274/1, 274/2, 274/3, 274/4, 274/5, 287, 288/1, 288/2, 289, 290/1, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 311, 312, 315/1, 315/2, 316, 317/1, 317/2, 318, 319, 440/1, 440/2, 440/3, 443, 445.

#### सीमा वर्णन :

**क—ख :** रेखा बिन्दु क से आरंभ होती है और माडा से होकर गुजरती हुई तथा प्लॉट संख्या 311, 318, 317/1, 317/2, 319, 293, 291, 290/1, 289, 288/1-288/2, 287, 274/1, 274/2, 274/3, 274/4, 274/5, 240, 239, 238, 236, 235 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है और सड़क पार करते हुए प्लॉट संख्या 75/ख, 75/क, 89, 440/1, 440/2, 440/3, 77/2, 77/3, 78/1, 79/1, 79/2, 79/3 की बाह्य सीमा के साथ गुजरते हुए ग्राम माडा और ग्राम एकोणा की सम्मिलित सीमा को पार करती है और ग्राम एकोणा से होते हुए प्लॉट संख्या 163/घ, 163/ग, 163/क, 162 की बाहरी सीमा के साथ गुजरती है तथा सड़क पार करते हुए प्लॉट संख्या 186 की बाह्य सीमा के साथ जाती है, पुनः सड़क पार करते हुए प्लॉट संख्या 187, 188, 189, 195, 194/1, 194/4, 194/2, 194/3, 201/1, 202 की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती हुई बिन्दु ख पर मिलती है।

**ख—ग :** रेखा ग्राम एकोणा से होकर जाती है और प्लॉट संख्या 202, 203, 204, 205, 206, 207, 276, 277, 278, 279, 280, 281 की बाह्य सीमा के साथ जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

**ग—घ :** रेखा ग्राम एकोणा से होकर जाती है और प्लॉट संख्या 281, 272, 273 की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती है और सड़क पार करती है फिर प्लॉट संख्या 270, 269, 268, 238, 237, 130, 129 की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

**घ—क :** रेखा ग्राम एकोणा से होकर जाती है तथा प्लॉट संख्या 129, 133, 139 की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाते हुए ग्राम एकोणा और ग्राम माडा की सम्मिलित ग्राम सीमा को पार करती है तथा ग्राम माडा से होकर प्लॉट संख्या 125, 107/3, 108, 109, 111/1, 111/2, 112, 115, 114, 94, 93 की बाह्य सीमा के साथ जाती है और सड़क पार करती है तथा प्लॉट संख्या 226, 225, 223, 222, 221, 220, 246, 248, 249, 250, 269, 268, 267, 265, 264, 303, 315/2, 312, 311 की बाह्य सीमा के साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[संख्या 43015/11/2002-पी०आर०आई०डब्ल्यू]

संजय बहादुर, निदेशक

**MINISTRY OF COAL**

New Delhi, the 29th January, 2004

**S.O. 342.**—Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Coal and Mines (Department of Coal) number S.O. 80 dated the 3rd January, 2003, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 11th January, 2003 under Sub-Section (i) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 3100.00 hectares (approximately) or 7660.10 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification ;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of said lands described in the Schedules appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 421.70 hectares (approximately) or 1042.02 acres (approximately) and All Rights in or over such lands as described in the Schedule appended hereto ;

**Note 1:** The plan bearing No. C-1(E)/III/JJMR/710-1103 dated the 4th November, 2003 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Kolkata (PIN 700 001) or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur - 440 001 (Maharashtra).

**Note 2:** Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) which provides as follows :—

**Objections to Acquisition :**

"8. (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been

issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

**Explanation—**

It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under Sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under Sub-section (1) of Section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

**Note 3:** The Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata- 700 001, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act, vide notification number S.O. 2519, dated the 27th May, 1983, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 11th June, 1983.

**SCHEDULE****YEKONA OPENCAST BLOCK****MAJRI AREA****DISTRICT- CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)**

(Plan No. C-1(E)/III/JJMR/710-1103 dated the 4th November, 2003).

**All Rights**

Sl. No.	Name of village	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
01.	Yekona	11	Warora	Chandrapur	187.37	Part
02.	Marda	11	Warora	Chandrapur	234.33	Part

Total area : 421.70 hectares  
(approximately)  
or  
1042.02 acres  
(approximately)

**Plot numbers to be acquired in village Yekona :—**

129, 130, 131, 132, 133, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151/1, 151/2, 152, 153, 154, 155/1, 155/2, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163/A, 163/B, 163/C, 163/D, 186, 187, 188, 189, 194/1, 194/2, 194/3, 194/4, 195, 196, 197, 198/1, 198/2, 199/1, 199/2A, 199/2B, 200, 201/1, 201/2, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217/1, 217/2, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228/1, 228/2, 229, 230, 231/1, 231/2, 232, 234/1, 234/2, 235, 236, 237, 238, 268, 269, 270, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 296.

**Plot numbers to be acquired in village Marda :—**

75/A, 75/B, 77/1A, 77/1B, 77/1C, 77/2, 77/3, 78/1, 78/2, 78/3, 79/1, 79/2, 79/3, 80, 81/1, 81/2/1, 81/2/2, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90/1, 90/2, 91, 92/1, 92/2, 92/3, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107/1, 107/2, 107/3, 108, 109, 110, 111/1, 111/2, 112, 113, 114, 115, 125, 220, 221, 222, 223, 225, 226, 227/1, 227/2, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241/1, 241/2, 241/3, 242/1, 242/2, 242/3, 243, 244/1, 244/2, 245/1A, 245/1B, 245/2, 246, 248, 249, 250, 264, 265, 267, 268, 269, 270, 271, 272/1, 272/2, 273/1, 273/2, 274/1, 274/2, 274/3, 274/4, 274/5, 287, 288/1, 288/2, 289, 290/1, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 311, 312, 315/1, 315/2, 316, 317/1, 317/2, 318, 319, 440/1, 440/2, 440/3, 443, 445.

**Boundary description :—**

- A—B : Line starts from point 'A' and passes through village Marda and passes along the outer boundary of plot numbers 311, 318, 317/1, 317/2, 319, 293, 291, 290/1, 289, 288/1, 288/2, 287, 274/1, 274/2, 274/3, 274/4, 274/5, 240, 239, 238, 236, 235, crosses road then passes along the outer boundary of plot numbers 75/B, 75/A, 89, 440/1, 440/2, 440/3, 77/2, 77/3, 78/1, 79/1, 79/2, 79/3, crosses common village boundary of village Marda and Yekona then proceeds through village Yekona along the outer boundary of plot numbers 163/D, 163/C, 163/B, 163/A, 162, crosses road then passes along the outer boundary of plot number 186, crosses road then passes along the outer boundary of plot numbers 187, 188, 189, 195, 194/1, 194/4, 194/2, 194/3, 201/1, 202 and meets at point 'B'.
- B—C : Line passes through village Yekona and passes along the outer boundary of plot numbers 202, 203, 204, 205, 206, 207, 276, 277, 278, 279, 280, 281 and meets at point 'C'.
- C—D : Line passes through village Yekona and passes along the outer boundary of plot numbers 281, 272, 273, crosses road then proceeds along the outer boundary of plot numbers 270, 269, 268, 238, 237, 130, 129 and meets at point 'D'.
- D—A : Line passes through village Yekona and passes along the outer boundary of plot numbers 129,

133, 139, crosses common village boundary of village Yekona and Marda then proceeds through village Marda along the outer boundary of plot numbers 125, 107/3, 108, 109, 111/1, 111/2, 112, 115, 114, 94, 93, crosses road then passes along the outer boundary of plot numbers 226, 225, 223, 222, 221, 220, 246, 248, 249, 250, 269, 268, 267, 265, 264, 303, 315/2, 312, 311 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/11/2002/PRIW]

SANJAY BAHADUR, Director

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2004

**का०आ० 343.**— केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 8 फरवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला विभाग की अधिसूचना संख्या 467, तारीख 31 जनवरी, 2003 द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और झारखंड सरकार से परामर्श के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में दर्शित 475.40 एकड़ (लगभग) या 192.46 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि अर्जित की जानी चाहिए।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 475.40 एकड़ (लगभग) या 192.46 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि अर्जित की जाती है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक संख्या राजस्व 11/2003 तारीख 5 जून, 2003 का निरीक्षण उपायुक्त हजारीबाग झारखंड के कार्यालय या कोयला नियंत्रक 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट कोलकाता में या सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस रांची (झारखंड) के कार्यालय में किया जा सकता है।

**अनुसूची**

केदला झारखंड ब्लॉक विस्तार

(वेस्ट बोकारो कोलफील्ड्स)

जिला हजारीबाग (झारखंड)

रेखांक सं. राजस्व/11/2003

तारीख 5 जून, 2003

**(सभी अधिकार)**

(अर्जित की गई भूमि को दर्शाते हुए)

क्र. सं.	ग्राम	थाना	थाना संख्यांक	जिला	एकड़ में क्षेत्र	हैक्टेयर में क्षेत्र	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	केदला	माण्डु	160	हजारीबाग	475.40	192.46	भाग

कुल क्षेत्र : 475.40 192.46 (लगभग)

**केदला ग्राम अर्जित की गई प्लॉट संख्या :**

9, 10, 13, 15, 16, 24 (भाग), 33, 41, 43 (भाग), 45, 55 (भाग), 73, 75 (भाग), 345 (भाग), 371 (भाग), 392 (भाग), 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402 (भाग), 403 (भाग), 404 (भाग), 405 (भाग), 406 (भाग), 408 (भाग), 419 (भाग), 420 (भाग), 421 (भाग), 422 (भाग), 423 (भाग), 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477 (भाग), 478 (भाग), 483 (भाग), 485 (भाग), 486, 487 (भाग), 488 (भाग), 498 (भाग), 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506 (भाग), 510 (भाग), 511, 512, 513 (भाग), 516 (भाग), 517 (भाग), 518 (भाग), 519 (भाग), 520, 521, 522, 523, 524 (भाग), 525 (भाग), 526 (भाग), 620 (भाग), 741 (भाग), 756, 773, 781, 783, 785, 789, 712 (भाग), 803 (भाग), 810 (भाग), 1199 (भाग) और 1205 (भाग).

**सीमा वर्णन :**

**क—ख :** रेखा बिन्दु 'क' से आरंभ होती है और ग्राम केदला से प्लॉट संख्या 24, 43, 50, 49, 67, 75, 76 और 75 (केदला बंजी सड़क की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ) से होकर जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

**ख—ग—घ—ङ—च—छ :** रेखा ग्राम केदला प्लॉट संख्या 75, 76, 353, 371, 352, 371, 349, 345, 342, 371, 620 और 1205 से होकर जाती है (जो का० आ० सं० 3687 तारीख 20-10-81 कोयला धारक क्षेत्र अर्जन एवं विकास अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित परेज विस्तार ब्लॉक की सम्मिलित सीमा का भाग रूप है से गुजरती है और 'छ' पर मिलती है।

**छ—ज :** रेखा केदला और लईयो ग्रामों की सम्मिलित सीमा से होकर गुजरती है और बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

**ज—झ—ञ—ट—ठ—ड—ढ—ण :** रेखा ग्राम केदला से प्लॉट संख्या 1199, 1196, 1199, 620, 594, 595, 601, 600, 371, 601, 598, 590, 589, 590, 589, 590, 371, 477, 478, 488, 487, 498, 506, 510, 513, 518, 519, 525, 526, 525, 423, 422, 419, 371 और 369 (जो का० आ० 1754 तारीख 15-06-96 कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित केदला झारखंड विस्तार ब्लॉक की सम्मिलित सीमा के भाग रूप है से गुजरती है और बिन्दु 'ण' पर मिलती है।

**ण—त :** रेखा ग्राम केदला से प्लॉट संख्या 369, 367, 741, 810, 803, 801, 792 और 795 (जो का० आ० 1754 तारीख 15-06-96 कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित केदला झारखंड विस्तार ब्लॉक की सम्मिलित सीमा के भाग रूप है से गुजरती है और बिन्दु 'त' पर मिलती है।

**त—क :** रेखा ग्राम केदला और इचाकडीह (जो का० आ० 3687 तारीख 20-10-81 कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित परेज ब्लॉक विस्तार की सम्मिलित सीमा के भाग रूप है) से गुजरती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं० 43015/22/2000/पीआरआईडब्ल्यू]

संजय बहादुर, निदेशक

New Delhi, the 5th February, 2004

**S.O. 343.**—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal and Mines number S.O. 467 dated the 31st January, 2003, published in the Gazette of India, dated the 8th February, 2003, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas the competent authority, in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Jharkhand is satisfied that the lands measuring 475.40 acres (approx.) or 192.46 hectares (approx.) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 475.40 acres (approx.) or 192.46 hectares (approx.) described in the said Schedule are hereby acquired.

The plan No. Rev./1/2003 dated the 5th June, 2003 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh, Jharkhand or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata or in the office of the Central Coalfields Ltd., (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, Jharkhand.

**SCHEDULE**

Kedla Jharkhand Block Extension

(West Bokaro Coalfields)

District : Hazaribagh, (Jharkhand)

Drg. No. Rev/11/2003

Di. 5-6-2003

(All Right)

(Showing land acquired)

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area in Acres	Area in Hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Kedla	Mandu	160	Hazaribagh	475.40	192.46	Part

Total area 475.40 acres (approximately)

192.46 hectares (approximately)



**Plot numbers acquired in village Kedla :**

9, 10, 13, 15, 16, 24(Part), 33, 41, 43(Part), 45, 55(Part), 73, 75(Part), 345(Part), 371 (Part), 392(Part), 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402(Part), 403(Part), 404, 405, 406(Part), 408, 419(Part), 420(Part), 421 (Part), 422(Part), 423(Part), 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477(Part), 478(Part), 483(Part), 485(Part), 486, 487(Part), 488(Part), 498(Part), 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506(Part), 510(Part), 511, 512, 513(Part), 516(Part), 517, 518(Part), 519(Part), 520, 521, 522, 523, 524(Part), 525(Part), 526(Part), 620(Part), 741(Part), 756, 773, 781, 783, 785, 789, 792(Part), 803(Part), 810(Part), 1199(Part) and 1205(Part).

**Boundary Description :**

A—B : Line starts from 'A' and passes through plot nos. 24, 43, 50, 49, 67, 75, 76 & 75 in village Kedla (along common boundary of Kedla Banji Road) and meets at point "B"

B-C-D-E-F-G : Lines pass through plot nos. 75, 76, 353, 371, 352, 371, 349, 345, 342, 371, 620 and 1205 in village Kedla (which forms part common boundary of Parej Extn. Block U/s 9(1) of C.B.A (A&D) Act, 1957 vide, S.O. No. 3687 dt. 20.10.81) and meets at point 'G'.

G-H : Line passes through common boundary of village Kedla & Loiyo and meets at point 'H'.

H-I-J-K-L : Lines pass through plot nos. 1199, 1196, 1199, 620, 594, 595, 601, 600, 371.

M-N-O : 601, 598, 590, 589, 590, 371, 477, 478, 485, 488, 487, 498, 506, 510, 513, 516, 518, 519, 526, 524, 525, 423, 422, 419, 371 & 369 in village Kedla (which forms part common boundary of Kedla Jharkhand Block U/s 9(1) of C.B.A (A&D) Act, 1957 vide S.O. No. 1754 dt. 15.6.96) and meets at point 'O'.

O—P : Line passes through plot nos. 369, 367, 741, 810, 803, 801, 792 and 795 in village Kedla (which forms part common boundary of Kedla Jharkhand Block U/s 9(1) of C.B.A. (A & D) Act, 1957 vide. S. O. No. 1754 dt. 15-6-96) and meet at point 'P'.

P—A : Line passes through common boundary of village Kedla and Ichakdih (which forms part common boundary of Parej Extn. Block U/s. 9 (1) of C. B. A. (A & B) Act, 1957 vide S.O. No. 3687 dt. 20-10-81) and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/22/2000-PRIW]  
SANJAY BAHADUR, Director.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2004

**का०आ० 344.**— केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड (3) उपखंड (ii) तारीख 16 अगस्त, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. सं. 2331 तारीख 16 अगस्त, 2003 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 256.04 हेक्टर (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्त है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 256.04 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में और ऐसी भूमि में या उस पर के सभी अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

**टिप्पण 1:** इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. ई.सी.एल./हुरा/मौजा/05 तारीख 28-9-2003 का निरीक्षण उप आयुक्त, जिला-गोड्डा (झारखंड) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता 700001 के कार्यालय में या निदेशक तकनीकी (संचालन), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. सेंक्टोरिया, डाकघर-दिसैरागढ़, जिला-बर्दमान (प. बंगाल) (पिन कोड-713333) के कार्यालय में किया जा सकता है।

**टिप्पण 2 :** कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध है :—

**■ 8 अर्जन के प्रति आक्षेप :—**

- (1) कोई व्यक्ति किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आक्षेप कर सकेगा।

**स्पष्टीकरण :** इस धारा के अंतर्गत यह आक्षेप नहीं माना जाएगा कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करनी चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

- (2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आक्षेप सक्षम अधिकारी का लिखित रूप में किया जाएगा और सक्षम अधिकारी आक्षेपकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसे सभी आक्षेपों को



सुनने के अधिकार और किसी अतिरिक्त जांच यदि कोई हो, करने के अधिकार जो इस आवश्‍यक समझता है वह या तो इस सूची के अन्तर्गत (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या इस पर के अधिकारों के संबंध में एक लिफ्ट या ऐसी भूमि को विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या इस पर के अधिकारों के संबंध में आक्षेपों या अपनी लिफ्टारियों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को इसके विनिश्चय के लिए देगा।

- (3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझ जाएगा जो प्रधिकार में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि पर किसी भूमि में या इस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार ने कोयला निबंधक 1, कार्डसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता-700001 को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

### भूमि अनुसूची

#### दुरा-सी प्रोजेक्ट (राजमहल क्षेत्र)

क्रम स.	मौजा/ग्राम का नाम	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र हेक्टेयर में	टिप्पणियां
1.	रबियाडीह	713	महागामा	गोड्डा	8.27	भाग
2.	रक्षाकिदटा	714	महागामा	गोड्डा	14.91	भाग
3.	डुमरिया	01	बी.डब्ल्यू-सिमरा	गोड्डा	165.67	भाग
4.	हारकदटा	04	बी.डब्ल्यू-सिमरा	गोड्डा	81.32	भाग
5.	पंचरूखी	14	बी.डब्ल्यू-सिमरा	गोड्डा	60.87	भाग

कुल-256.04 हेक्टेयर (अनुमानित)

### भूमि अनुसूची

#### दुरा "सी" प्रोजेक्ट, राजमहल कोलफील्डस

मौजा-रबियाडीह संख्या-713 में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्या

185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235.

मौजा-रक्षाकिदटा संख्या-714 में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्या

160, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 240 (भाग).

मौजा-डुमरिया संख्या-1 में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्या

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 45/1228, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 54/1229, 55, 56, 57, 58, 64 (भाग), 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116 (भाग), 116/1230, 116/1231, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 135 (भाग), 171, 172, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 421/1235, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 429/1236, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 481 (भाग), 482 (भाग), 489 (भाग), 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 543/1238, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595 (भाग), 595/1294, 732 (भाग), 879, 880, 880/1239, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 996 (भाग).

1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1014(भाग), 1015(भाग), 1016(भाग), 1017(भाग), 1040(भाग), 1041(भाग), 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1146/1240, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178(भाग), 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226.

मौजा- हारकट्टा संख्या-4 में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्या

354(भाग), 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523.

मौजा- पांचरूखी संख्या-14 में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्या

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 41/342, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 299, 300, 301, 303, 304, 305, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 343

### सीमा विवरण

- ए1-ए2 रेखा मौजा-रविवाडीह संख्या 713 के प्लॉट संख्या 194 के पश्चिमी और दक्षिणी बिन्दु से आरम्भ होती है और प्लॉट संख्या 195 की दक्षिणी रेखा के साथ-साथ जाती है और ए-2 बिन्दु पर मिलती है।
- ए2-ए3 रेखा मौजा-तेतारिका संख्या-31 और रविवाडीह संख्या-713 की संयुक्त सीमा रेखा से होकर जाती है तथा मौजा-तेतारिका संख्या-31, रविवाडीह संख्या-713 और दुमरिया संख्या-1 की दक्षिणी रेखा के ए-3 बिन्दु पर मिलती है।
- ए3-ए4 रेखा मौजा-तेतारिका संख्या-31 और दुमरिया संख्या-1 की संयुक्त सीमा रेखा से होकर जाती है तथा मौजा-तेतारिका संख्या-31, दुमरिया संख्या-1 और पहाड़पुर संख्या-32 की दक्षिणी रेखा के ए-4 बिन्दु पर मिलती है।
- ए4-ए5 रेखा मौजा-पहाड़पुर संख्या-32 और दुमरिया संख्या-1 की संयुक्त सीमा के साथ जाती है और मौजा पहाड़पुर दुमरिया और पांचरूखी की सीमा रेखा के ए-5 बिन्दु पर मिलती है।
- ए5-ए6 रेखा मौजा-पहाड़पुर संख्या-32 और पांचरूखी संख्या-14 की संयुक्त सीमा के साथ जाती है और ए-6 बिन्दु पर मिलती है।
- ए6-ए7-ए8 रेखा मौजा-पांचरूखी संख्या-14 प्लॉट संख्या-127, 141, 249 की पश्चिमी दक्षिणी और पूर्वी रेखा के साथ जाती है और मौजा-पांचरूखी संख्या-14 और पहाड़पुर संख्या-32 की संयुक्त सीमा रेखा के साथ जाती है और मौजा पांचरूखी के प्लॉट संख्या 298 की पश्चिमी रेखा के साथ जाती है और ए-8 बिन्दु पर मिलती है।
- ए8-ए9-ए10 रेखा मौजा-पांचरूखी संख्या-14 के प्लॉट संख्या-298 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है, और मौजा पांचरूखी संख्या-14 के प्लॉट संख्या-302 की दक्षिणी उत्तरी और पश्चिमी रेखा के साथ जाती है, रेखा प्लॉट संख्या-306 की पश्चिमी दक्षिणी और पूर्वी रेखा के साथ जाती है, मौजा पांचरूखी संख्या-14 और पहाड़पुर संख्या-32 के संयुक्त सीमा रेखा के साथ-साथ जाती है और ए-10 बिन्दु पर मिलती है।
- ए10-ए11 रेखा मौजा-पांचरूखी संख्या-14 के प्लॉट संख्या-326 के पश्चिमी और दक्षिणी रेखा के साथ जाती है और ए-11 बिन्दु पर मिलती है।
- ए11-ए12 रेखा मौजा-पांचरूखी संख्या-14 के प्लॉट संख्या-282 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है और ए-12 बिन्दु पर मिलती है।
- ए12-ए13 रेखा मौजा-पांचरूखी संख्या-14 के प्लॉट संख्या-282 के पूर्वी, उत्तरी एवं पश्चिमी रेखा के साथ जाती है और ए-13 बिन्दु पर मिलती है।

- ए13-ए14 रेखा मौजा-पंचगढी संख्या-14 के प्लाट संख्या-282 के उत्तरी पश्चिमी एवं दक्षिणी रेखा के साथ जाती है और ए-14 बिन्दु पर मिलती है।
- ए14-ए15 रेखा मौजा-पंचगढी संख्या-14 और हुमरिया संख्या-1 की संयुक्त सीमा रेखा के साथ जाती है और ए-15 बिन्दु पर मिलती है।
- ए15-ए16 रेखा मौजा-हुमरिया संख्या-1 के प्लाट संख्या-1178 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-1178 के पश्चिमी और दक्षिणी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 732 से होकर जाती है मौजा हुमरिया की सं. 1 प्लाट संख्या-1227 के पश्चिमी रेखा के साथ जाती है और ए-16 बिन्दु पर मिलती है।
- ए16-ए17-ए18 रेखा मौजा-हुमरिया संख्या-1 के प्लाट संख्या-1227 के दक्षिणी और पूर्वी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 1227 के दक्षिणी और पश्चिमी रेखा के साथ जाती है और ए-18 बिन्दु पर मिलती है।
- ए18-ए19 रेखा मौजा-हुमरिया संख्या-1 और हाइकटय संख्या-4 की संयुक्त सीमा रेखा के साथ जाती है और मौजा हाइकटय संख्या-4 के प्लाट संख्या-803, 805, 809 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है एवं प्लाट संख्या-810, 511 की पूर्वी और दक्षिणी रेखा के साथ जाती है और ए-19 बिन्दु पर मिलती है।
- ए19-ए20 रेखा मौजा-हाइकटय संख्या-4 के प्लाट संख्या-512, 514, 530, 527, 535, 524, 495 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है और प्लाट संख्या-384, 383 होकर जाती है और ए-20 बिन्दु पर मिलती है।
- ए20-ए21 रेखा मौजा-हुमरिया संख्या-1 के प्लाट संख्या-1040, 1041 से होकर जाती है एवं प्लाट संख्या-1039, 1038, 1037, 1033 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-1032 की पूर्वी रेखा से होकर जाती है, प्लाट संख्या 1056 की पूर्वी और उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 1018 की उत्तरी रेखा से होकर जाती है, प्लाट संख्या-1016, 1015, 1014, 996 से होकर जाती है और प्लाट संख्या 997 की पूर्वी रेखा से होकर जाती है। प्लाट संख्या 1006 की पूर्वी और उत्तरी रेखा से होकर जाती है। प्लाट संख्या 1005, 1003, 1002, 1001, 1000, 999 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 732 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-889 की पूर्वी और उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 888, 887, 878 की उत्तरी रेखा से होकर जाती है, प्लाट संख्या-611 की पूर्वी और उत्तरी रेखा से होकर जाती है और प्लाट संख्या-610 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-595 से होकर जाती है और ए-21 बिन्दु पर मिलती है।
- ए21-ए22 रेखा मौजा-हुमरिया संख्या-1 के प्लाट संख्या-601, 600 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-597, 596 की दक्षिणी रेखा से होकर जाती है, प्लाट संख्या-481, 482, 489 से होकर जाती है, प्लाट संख्या 491 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-490 की पूर्वी और उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 487, 486 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या 456, 457 की उत्तरी और पश्चिमी रेखा के साथ-साथ जाती है, प्लाट संख्या-483 की पश्चिमी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-482, 465, 466 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है, मौजा-हुमरिया संख्या-1 और छोटा खडहर संख्या-2 की संयुक्त सीमा रेखा के साथ जाती है और ए-22 बिन्दु पर मिलती है।
- ए22-ए23 रेखा मौजा-हुमरिया संख्या-1 के प्लाट संख्या-195, 194, 180, 170, 169 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है, और प्लाट संख्या 135 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-173, 127, 128 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है और ए-23 बिन्दु पर मिलती है।
- ए23-ए24 रेखा मौजा-प्लाट संख्या-128, 129 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-1232 की पूर्वी और उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-116, 64 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-64 की उत्तरी और पश्चिमी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-61 की उत्तरी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-59 की पूर्वी और उत्तरी रेखा के साथ जाती है और मौजा हुमरिया संख्या-1 और रक्सफिटा संख्या-714 की संयुक्त सीमा रेखा के साथ जाती है, मौजा रक्सफिटा संख्या-714 की प्लाट संख्या-240 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-199 की उत्तरी और पश्चिमी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-201 से होकर जाती है, प्लाट संख्या-238 की उत्तरी पश्चिमी रेखा के साथ जाती है, प्लाट संख्या-236, 235, 234, 231, 230, 229 की दक्षिणी रेखा के साथ जाती है और ए-24 बिन्दु पर मिलती है।
- ए24-ए1 रेखा मौजा-रक्सफिटा संख्या-714 की प्लाट संख्या-163 की पूर्वी रेखा के साथ जाती है और मौजा-रक्सफिटा संख्या-714 और रवियाडीह संख्या-713 की संयुक्त सीमा रेखा से होकर जाती है, मौजा-रवियाडीह संख्या 713 में प्लाट संख्या-184 की पूर्वी रेखा से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दु ए-1 पर मिलती है।

[सं. 43015/05/2003-पी.आर.आई.डब्ल्यू.]

संजय बहादुर, निदेशक

New Delhi, the 5th February, 2004

**S.O. 344.**—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2331 dated the 7th August, 2003 issued under Sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, in Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 16th August, 2003, the Central Government gave notice of its intention to prospect for Coal in 256.04 hectares (approximately) of lands in the locality specified in the schedule annexed to that notification.

And, whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable from the said lands;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 256.04 hectares (approximately) and all rights as described in the schedule annexed hereto:

**Note 1:**—The plan bearing number ECL/HURRA/MOUZA/05 Dated 28-09-2003 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Dy. Commissioner, District, Godda (Jharkhand), or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata - 700001, or in the Office of the Director Technical (Operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, Post Office - Dishergarh, Dist. Burdwan ( West Bengal). Pin Code Number - 713333.

**Note 2:**—Attention is hereby invited to the provisions of Section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows:—

**“8 Objections as acquisition :**

- (1). Any person interested in any land in respect of which notification under Section 7 has been issued

may within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

**Explanation.**—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of the coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other persons.

- (2). Every objection under Sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under Sub-section (1) of Section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections together with the record of the proceedings held by him, for the decisions of that Government.

- (3). For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.”

**Note - 3 :**—The Coal Controller 1, Council House Street, Kolkata - 700001 has been appointed by the Central Govt. as the competent authority under the Act.

**SCHEDULE**

**HURRAH ‘C’ PROJECT OF RAJMAHAL AREA**

Sl. Mouza/Village No.	Thana No.	Police Station	District	Area (In-Hector)	Remarks
1 Rabiadih	713	Mahagama	Godda	8.27	Part
2 Rakshakitta	714	Mahagama	Godda	14.91	Part
3 Dumaria	1	BW-Simra-II	Godda	165.67	Part
4 Harkatta	4	BW-Simra-II	Godda	6.32	Part
5 Pachrukhi	14	BW-Simra-II	Godda	60.87	Part

**Total: 256.04 (Hector)**

**LAND SCHEDULE****HURRAH 'C' PROJECT, RAJMAHAL COALFIELDS****PLOT NOS. (AS GIVEN BELOW) TO BE ACQUIRED IN MOUZA—RABIADIH NO. 713**

185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235.

**PLOT NOS. (AS GIVEN BELOW) TO BE ACQUIRED IN MOUZA—RAKSAKITTA NO. 714**

164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 240(P).

**PLOT NOS. (AS GIVEN BELOW) TO BE ACQUIRED IN MOUZA—DUMARIA NO. 1**

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 45/1228, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 54/1229, 55, 56, 57, 58, 64(P), 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116(P), 116/1230, 116/1231, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 135(P), 171, 172, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 421/1235, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 429/1236, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 481(P), 482(P), 489(P), 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518,

519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 543/1238, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595(P), 595/1294, 732(P), 879, 880, 880/1239, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 996(P), 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1014(P), 1015(P), 1016(P), 1017(P), 1040(P), 1041(P), 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1146/1240, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178(P), 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226.

**PLOT NOS. (AS GIVEN BELOW) TO BE ACQUIRED IN MOUZA—HARKATTA NO. 4**

354(P), 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523,

**PLOT NOS. (AS GIVEN BELOW) TO BE ACQUIRED IN MOUZA—PACHRUKHINO. 14**

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 41/342, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216,



217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 299, 300, 301, 303, 304, 305, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 343,

# BOUNDARY DESCRIPTION:

**A1-A2** Line starts from western and southern point of plot No. 194 and passes along with southern line of plot No. 195 of Mouza-Rabiadih No. 713 and meets point A-2 as delineated on plan.

**A2-A3** Line passes through joint boundary line of Mouza-Tetaria No. 31 Rabiadih No. 713 and meets at point A-3 of trio-boundary line of Mouza-Tetaria No. 31, Rabiadih No. 713 and Dumaria No. 1 as delineated on plan.

**A3-A4** Line passes through joint boundary line of Mouza-Tetaria No. 31 and Dumaria No. 1 and meets at Point A-4 of trio-boundary line of Mouza-Tetaria No. 31, Dumaria No. 1 and Paharpur No. 32 as delineated on plan.

**A4-A5** Line passes along with joint boundary line of Mouza-Paharpur No. 32 and Dumaria No. 1 and meets at Point A-5 of Trio-boundary line of Mouza-Paharpur, Dumaria & Pachrukhi as delineated on plan.

**A5-A6** Line passes along with joint boundary line of Mouza-Paharpur No. 32 and Pachrukhi No. 14 and meets at point A-6 as delineated on the plan.

**A6-A7-A8** Line passes along with western southern and eastern line of Mouza-Pachrukhi No. 14 plot No. 127, 141, 249 and passes along with joint boundary line of Mouza-Pachrukhi No. 14 and Paharpur No. 32 and passes along with western line of Plot No. 298 of Mouza-Pachrukhi and meets at Point A-8 as delineated on the plan.

**A8-A9-A10** Line passes along with eastern line of plot No. 298 of Mouza-Pachrukhi No. 14 and passes along with southern northern and western line of plot No. 302 of Mouza-Pachrukhi No. 14 line passes along with western, southern and eastern line of plot No. 306 passes along with joint boundary of Mouza-Pachrukhi No. 14 and Paharpur No. 32 and meets at point A-10 as delineated on the plan.

**A10-A11** Line passes along with western and southern line of plot No. 326 of Mouza-Pachrukhi No. 14 and meets at Point A-11 as delineated on the plan.

**A11-A12** Line passes along with northern line of plot No. 282 of Mouza-Pachrukhi No. 14 and meets at Point A-12 as delineated on the plan.

**A12-A13** Line passes along with eastern, northern and western line of plot No. 282 of Mouza-Pachrukhi No. 14 and meets at point A-13 as delineated on the plan.

**A13-A14** Line passes along with northern, western and southern line of plot No. 282 of Mouza-Pachrukhi No. 14 meets at point A-14 as delineated on the plan.

**A14-A15** Line passes along with the joint boundary line of Mouza-Pachrukhi No. 14 and Dumaria No. 1 and meets at point A-15 as delineated on the plan.

**A15-A16** Line passes through Plot No. 1178 of Mouza-Dumaria No. 1, passes along with western and southern line of plot No. 1178, passes through Plot No. 732, passes along with western line of Plot No. 1227 of Mouza-Dumaria No. 1 and meets at Point A-16 as delineated on the plan.

**A16-A17-A18** Line passes along with southern and eastern line of plot No. 1227 of Mouza-Dumaria No. 1 passes along with the southern and western line of plot No. 1227 and meets at point A-18 as delineated on the plan.

**A18-A19** Line passes along with the joint boundary line of Mouza-Dumaria No. 1 and Mouza-Harkatta No. 4 passes along with eastern line of Plot No. 503, 505, 509 of Mouza-Harkatta No. 4 passes along with eastern and southern line of plot No. 510, 511 and meets at point A-19 as delineated on the plan.

**A19-A20** Line passes along with northern line of plot No. 512, 514, 530, 527, 526, 524, 495 of Mouza-Harkatta No. 4 and passes through Plot No. 354, 353 and meets at point A-20 as delineated on the plan.

**A20-A21** Line passes through Plot No. 1040, 1041 of Mouza-Dumaria No. 1, passes along with northern line of plot No. 1039, 1038, 1037, 1033 passes through eastern line of Plot No. 1032, passes along with eastern and northern line of Plot No. 1056, passes

through northern line of plot No. 1018, passes through Plot No. 1016, 1015, 1014, 996, passes through eastern line of Plot No. 997, passes through eastern and northern line of Plot No. 1006, passes along with northern line of Plot No. 1005, 1003, 1002, 1001, 1000, 999, passes through Plot No. 732, passes along with eastern and northern line of plot No. 889, passes through northern line of Plot No. 888, 887, 878, passes through eastern and northern line of plot No. 611, passes through plot No. 610, passes through plot No. 595 and meets at point at A-21 as delineated on the plan.

A21-A22

Line passes along with eastern line of plot No. 601, 600 of Mouza-Dumaria No. 1, passes through southern line of Plot No. 597, 596, passes through plot No. 481, 482, 489, passes along with eastern line of plot No. 491, passes along with eastern and northern line of plot No. 490, passes along with northern line of plot No. 487, 486, passes along with northern and western line of plot No. 456, 457, passes along with western line of Plot No. 483, passes along with northern line of plot No. 482, 465, 466, passes along with joint boundary line of Mouza-Dumaria No. 1 and Chota-Khadhara No. 2 and meets at point at A-22 as delineated on the plan.

A22-A23

Line passes along with eastern line of 195, 194, 180, 170, 169 of Mouza-Dumaria No. 1, passes through Plot No. 135, passes along with eastern line of plot No. 173, 127, 128 and meets at point at A-23 as delineated on the plan.

A23-A24

Line passes along with northern line of Plot No. 128, 129, passes along with eastern and northern line of plot No. 1232, passes through plot No. 116, 64, passes along with northern and western line of plot No. 64, passes along with northern line of plot No. 61, passes along with eastern and northern line of plot No. 59, passes along with joint boundary line of Mouza] Dumaria No. 1 and Raksakitta No. 714, passes through Plot No. 240 of Mouza Raksakitta No. 714, passes along with northern and western line of plot No. 199, passes through plot No. 201, passes along with northern and western line of plot No. 238, passes through southern line of Plot No. 236, 235, 234, 231, 230, 229 and meets at point at A-24 as delineated on the plan.

A24-A1

Line passes along with eastern line of plot No. 163 of Mouza Raksakitta No. 714 and passes through joint boundary line of Mouza-Raksakitta No. 714 and Rabiadih

No. 713, passes through eastern line of Plot No. 184 of Mouza-Rabiadih No. 713 and meets at starting point at A-1 as delineated on the plan.

[No. 43015/05/2003-PRIW]

SANJAY BAHADUR, Director

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 2003

का. आ. 345.—राष्ट्रपति, श्री हैदर अली हजारीका को 28-11-2003 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय सरकार औद्योगिक न्यायाधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, गुवाहाटी के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं। श्री हैदर अली हजारीका तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों के जारी होने तक केन्द्रीय सरकार औद्योगिक न्यायाधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, गुवाहाटी के पीठासीन अधिकारी के पद पर बने रहेंगे।

[सं. ए-11016/4/2003-सी एल एस-II]

वाई. पी. सहगल, अवर सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th December, 2003

S.O. 345.—The President is pleased to appoint Shri Haidor Ali Hazarika as Presiding Officer Central Govt. Industrial-Tribunal-Cum-Labour Court, Guwahati w.e.f. 28-11-2003 (F.N.) Shri Haidor Ali Hazarika will continue to hold the post of Presiding Officer of the CGIT-cum-Labour Court, Guwahati for a period of three years or until further orders.

[No. A-11016/4/2003-CLS-II]

Y. P. SEHGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2004

का. आ. 346.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूको बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, पटना के पंचाट [संदर्भ संख्या 10(सी)/2003] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 12011/192/2001-आई.आर. (बी. II)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 2004

S.O. 346.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. No. 10/(C)/2003] of the Industrial Tribunal, Patna (Bihar) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of UCO Bank and their workmen received by the Central Government on 16-1-2004.

[No. L-12011/192/2001-IR (B-II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL  
TRIBUNAL, PATNA

Reference Case No. 10C of 2003

Management of UCO Bank, Mauryalok Complex,  
Patna and their workman represented by UCO Bank  
Employees Association, Exhibition Road, Patna.

For the Management : Mr. P. K. Chatterjee, A.C.O.

For the Workman : Sri B. Prasad, State Secretary,  
UCO Bank Employees  
Association.

PRESENT : Priya Saran, Presiding Officer  
Industrial Tribunal, Patna.

## AWARD

The 6th January, 2004

The adjudication Order No. L-12011/192/2001-IR(B-II) dated 22-04-2002 the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi has referred, under Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter to be referred to as 'the Act'), the following dispute between the management of UCO Bank, Mauryalok Complex, Patna and their workman Sri Babloo, Peon for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of UCO Bank, Kankarbagh Branch, Patna in not regularising Shri Babloo, Peon is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. The management in its application filed today has prayed for passing a no dispute award or any other befitting order, as the workman Sri Babloo had died on 6-11-2001 before the dispute was referred to this Tribunal, meaning thereby that no dispute between the workman and the management of UCO Bank was there in existence at the time of reference. The State Secretary of the UCO Bank Employees Association, Patna is present before me with written statement and he also agrees as regards the death of the worker before the reference was made. In the written statement it has been prayed to declare that the worker since dead, was a daily rated worker and further his widow Smt. Kiran Devi be declared and appointed as a Peon on compassionate ground in her husband's place. Above prayer regarding declaration of worker's widow as his substitute and her consequent appointment on compassionate ground would be beyond the purview and scope of this reference which was made by the Govt. simply to adjudicate whether the action of the management of UCO Bank, Kankarbagh Branch, Patna in not regularising Sri Babloo, Peon was justified and if not to what relief he was entitled.

3. The learned Secretary of the Workers' Union further submitted that the worker's widow has espoused a separate and individual dispute in the matter with reliefs aforesaid as enumerated in written statement and the same has been referred by the Govt. to this Tribunal for adjudication. Her reference has been registered here as Ref. 320 of 2003, a perusal of which makes it clear that her claim is quite identical and she has sought compassionate appointment upon the death of her husband.

4. Facts aforesaid do very well suggest that on the date of reference of the present dispute the related worker Sri Babloo was no more in this world and accordingly, the Govt. should not made a legal reference in the matter. The reference thus becomes beyond jurisdiction and demands no answer. The reference is disposed of in above terms.

5. Award accordingly.

PRIYA SARAN, Presiding Officer

Dictated and Corrected by me.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2004

का. आ. 347.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके, कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण पटना के पंचाट (संदर्भ संख्या 20(सी)/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/417/95-आई.आर. (बी. II)  
अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 2004

S.O. 347.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 10/(C)/2003) of the Industrial Tribunal, Patna as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Punjab National Bank and their workman which was received by the Central Government on 16-1-2004.

[No. L-12012/417/95-IR (B-II)]  
AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL  
TRIBUNAL, PATNA

Reference Case No. 20C of 2003

Management of Punjab National Bank, Zonal Office,  
R-Block, Chankaya Palace, Patna and their workman  
represented by General Secretary, Punjab National Bank  
Staff Union, H.O. PNB, Zonal Office, Patna.



For the Management : None.  
 For the Workman : None.  
**PRESENT** : Priya Saran, Presiding Officer,  
 Industrial Tribunal, Patna.

**AWARD**

The 6th January, 2004

By adjudication Order No. L-12012/417/95-IR(B-II) dated 31-11-96 the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi has referred, under Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter to be referred to as 'the Act'), the following dispute between the management of Punjab National Bank, Zonal Office, Patna and their workman Sri S.K. Sinha, Cashier-in-Charge for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Patna in denying special leave and other consequential benefits of Sh. S.K. Sinha, Cashier-in-Charge of Nadwan Branch arising out of the injury sustained during the course of employment of the bank is justified and legal? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. It reveals from the record that the parties appeared on notice but did not prefer filing their written statement in spite of several adjournments in this behalf. The management of Punjab National Bank, however, filed an application on 30-12-2003 praying therein to pass a 'No Dispute Award' in view of petition filed by worker Sri S.K. Sinha intending to withdraw the dispute on account of his disinterestedness in the matter. The photocopy of the petition to this effect in worker's signature stands annexed with the application. The documents do suggest that the worker since promoted as Officer J.M.G.-Scale-1 in the Bank does not continue to be in dispute with the Bank's management and so has expressed his desire to withdraw the same. In view of aforesaid changed circumstances and further no material or evidence forthcoming to draw some other conclusion I am left with no other option but to pass a 'No Dispute Award'.

3. In view of above, a no dispute Award is passed accordingly.

Dictated & Corrected by me

PRIYA SARAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. आ. 348.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय विद्यालय संगठन के प्रबंधन के संबंध निषेधकों और उनके कार्यकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई

टी/एससी/आर/224/98) के प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-42012/147/98-आईआर (सीबी)]

कुलदीप राय वर्मा, डिस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

S.O. 348.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/LC/R/224/98) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jabalpur now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kendriya Vidyalaya Sangathan and their workmen which was received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-42012/147/98-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

**ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
 INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
 JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/224/98

PRESIDING OFFICER : SHRI SHRIKANT SHUKLA

Shri Bheem Sen S/o Shri Budharam

R/o Village Nanda Ka Nala,

Thana Malhapura Urf, Dhanouli,

Distt. Agra (UP)

Applicant

Versus

The Assistant Commissioner,

Kendriya Vidyalaya Sangathan,

Regional Office,

Kendriya Vidyalaya No. 3,

Morar Cantt. Gwalior

Shri S.C. Jain,

Assistant Commissioner,

Kendriya Vidyalaya Sangathan,

Regional Office,

Gwalior.

Non-applicants

**AWARD**

Passed on this 9th day of January, 2004.

1. The Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/147/98-IR (DU) dated 7-10-88 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

"Whether the action of the management of Assistant Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan in terminating the services of Shri Bhim Sam S/o Shri Budha Ram is legal and justified? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the workman in brief is that his name was called for from employment exchange, Morena and after selection by the Selection Committee, he was appointed on the post of peon, which is "D" class post on 7-1-1997 in the pay scale of Rs. 750-940 alongwith other benefits of DA etc. The appointment was for the probation of 2 years and on successful completion of probation period, the applicant was to be confirmed. The worker was working satisfactorily but the Commissioner of respondent gave an order of transfer on 13-2-97 to the then Principal K. V. Morena Shri J.R. Malviya on a lower post of vice Principal. He challenged the orders by a Writ Petition No. 376/97 on 26-2-97 which is still pending. However the Honourable High Court issued an ad-interim Writ on 14-3-97. As soon as the Assistant Commissioner, Kendriya Vidyalaya came to know about stay order, he issued the termination order of the worker vice order dated 17-3-97 with a cheque of Rs. 2328/- equal to one month wages. The worker filed the writ petition in Honourable High Court of MP Bench Gwalior but lateron it was withdrawn with the liberty to approach the authority under I.D. Act. The worker's case is that he worked on the post of peon from 10-1-97 till 17-3-97. Shri S. C. Jain Assistant Commissioner issued the order out of vengeance, because the applicant was appointed by Kum. J. R. Malviya. The worker has also stated in the statement of claim that the post is still existing as he has prayed that termination be declared illegal and direction may be given to the management for reinstating him with back wages and other benefits.

3. The worker has filed photocopy of termination order dated 17-3-97 and photostat copy of the letter of Kendriya Vidyalaya dated 30th December. The worker has also filed the offer of appointment dated 9-1-97.

4. The opposite party has filed the written statement, the opposite party has stated that the appointment of the workman was without following the prescribed procedure. For appointment of a Group "D" employee in Kendriya Vidyalayas, the following procedure are laid down :—

1. Issue of NOC regarding appointment of Group "D" employee against the vacant post by the Asstt. Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan of the concerned Regional Office.

2. Requisition to the Employment Exchange giving requisite information i.e. post earmarked for SC/ST/OBC or UR, Educational Qualification, age etc.

3. Conduct of interview by the duly constituted Vidyalaya Appointment Committee, of the candidates sponsored by the Employment Exchange.

4. The approval of the selection of the VAC by the Assistant Commissioner, KVS Regional Office, before issuing the offer of appointment to the candidate.

5. As soon as the above appointment made by the Principal came to the notice of opposite party i.e. Assistant Commissioner, K. V. Sangathan, it was examined as to whether appointment in question has been made as per the prescribed procedure by the Principal, Kendriya Vidyalaya, Morena. Since the appointment of the applicant was not made after following the above procedure, the services of the applicant were terminated by the Assistant Commissioner in terms of his appointment and after giving him one months salary in lieu of one month notice. Aggrieved by the above decision of the Assistant Commissioner, the worker filed petition No. 798/97 before the Honourable High Court Gwalior Bench but the same was withdrawn by the applicant. The worker along with co-appointee Manoj Kumar filed an application before the Assistant Labour Commissioner at Bhopal vide his application dated 9-3-98 wherein the Assistant Labour Commissioner, Bhopal passed an order that the services of the workman was terminated during the probation period as per the clause 4 & 5 of the offer of appointment and he was paid notice salary as provided in the terms of appointment and gave cheque No. 93250907 for Rs. 2328/-. Hence the dispute is not maintainable. Consequent upon the closure of Kendriya Vidyalaya Sangathan Regional Office Gwalior, the Kendriya Vidyalaya Morena has been brought under the administrative control of the Assistant Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan, Regional Office, Bhopal w.e.f. 18-1-2000. It is also stated that the worker joined the post w.e.f. 10-1-97. The KV Sangathan being an autonomous body under the Ministry of HRD, Govt. of India and registered society under the Societies Act, XXI of 1860 has been brought under the jurisdiction of the Honourable Central Administrative Tribunal w.e.f. 1-1-99 vide Government of India, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension, Department of Personnel and Training (At Division) No. H-11017/94 (VII. III) dated 30-12-98 and Gazette Notification dated 17-12-98. Therefore, the applicant has not filed the application before the appropriate court.

6. Accordingly the opposite party has requested that the claim is not maintainable and the claim of the worker be dismissed with cost.

7. It is noteworthy that the worker has not filed rejoinder in respect of WS.

8. The worker has not turned up on the date of evidence and therefore, recorded the evidence of the witness produced by opposite party Shri N.R. Murli.

9. Heard argument of the opposite party alone.

10. Shri N.R. Murli the officer of the opposite party has proved the contents of written statement by his oral evidence on oath.

11. The opposite party has proved on that the appointment was not made according to the procedure as

laid down. It is admitted fact that the worker himself was appointed vide appointment offer dated 7-1-97 for the probation of 2 years and according to offer of appointment filed by the worker himself, it is clearly mentioned in para 4 & 5 as under :—

“4. The candidate will be on the probation for a period of 2 years which may be extended further on successful completion of probation, she/he will be confirmed on the basis of availability of permanent vacancies.

5. During probation and thereafter until he/she is confirmed, the services of the appointee are terminable by one month's notice on either side without any reason being assigned, therefore, the appointing authority. However reserves the right to terminate the services of the appointee before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to the pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.”

12. According to the procedure laid down approval of the selection committee was necessary by the Assistant Commissioner, KVC Regional Office before issuing the aforesaid of appointment to the candidate. The worker has not proved that appointment was made after due approval of the Assistant Commissioner. The witness has proved that as soon as the Assistant Commissioner got the information about the appointment of the worker Bhimsen, the same was scrutinised and since Bhimsen was not appointed according to the prescribed procedure therefore the Assistant Commissioner terminated the services by observing the norms, i.e. the payment of one month wages in lieu of notice. There is also no stigma in terminating the service of the workman. The opposite party has the authority to terminate the service without assigning any reason therefor. The opposite party has also paid wages for one month as provided in the offer of appointment and therefore no illegality is committed in terminating his services therefore issue referred to this tribunal is decided in affirmative against the workman. It is also made out from the evidence that the appropriate forum for the workman to redress his grievance was with Central Administrative Tribunal and not the CGIT-cum-Labour Court. It is also mentioned here that in the offer of appointment itself, it is clearly provided in para 7 that in case of any dispute of claim in respect of services or any contract arising out of or falling out of this appointment, the court at Delhi alone shall be the jurisdiction. In the circumstances, the claim of the worker Bhimsen fails and he is not entitled to any benefits.

13. The copy of the award be sent to the Govt. of India, Ministry of Labour as per rules.

SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. अ. 349.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार आईटीआर केन्द्रों के प्रबंधकों के संबद्ध निषेधकों और उनके कार्यकर्ताओं के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारों जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एल सी/आर/24/03) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-14011/10/2002-आई.आर. (बी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

S.O. 349.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/LC/R/24/03) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Jabalpur now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ordnance Factory and their workman which was received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-14011/10/2002-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM LABOUR COURT,  
JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/24/2003

Presiding Officer : Shri Shrikant Shukla

DATED: 8/1/2004

The General Secretary,  
Ordnance Factory Karamchhari Union (INTUC),  
Ordnance Factory,  
Katni

.....Applicant

Versus

The General Manager,  
Ordnance Factory,  
Katni

.....Non-applicants

AWARD

1. The Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-14011/10/2002/IRDU dated 30/12/2002—7-1-2003 has referred the following dispute to the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur :—

“Whether the action of the management of Ordnance Factory, Katni in not appointing Shri Mewalal, S/o. Late Shri Dokodi T. No. 53/ Toolroom/P.No. 0660 on compassionate ground is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. The notice was served on the worker as well as the General Secretary, Ordnance Factory Karamchhari Union, Ordnance Factory, Katni but the Union has not filed any statement of claim nor the management has filed any written statement in respect of the issue referred. The worker on 5/1/2004 moved the application that this case may be treated as closed. Today the worker has again filed the application paper no. 27 stating that the Union has been able to get the orders of the CAT, Jabalpur on the facts of the case and therefore the Union wants to withdraw the case.

3. Since the statement of claim and the written statement in respect of the issue has not been filed by the parties, therefore the issue cannot be answered.

4. Copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. आ. 350.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बोदल यूरेनियम माईन्स के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एलसी/आर/242/87) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-11(2)/86-कोन. II/डी. III(बी)/डी. II(ए)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

S.O. 350.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/LC/R/242/87) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Jabalpur now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bodal Uranium Mines and their workman, which was received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-11(2)/86-Con. II/D. III (B)/D. II(A)]

KULDIPRAI VERMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT,  
JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/242/87

PRESIDING OFFICER: SHRI SHRIKANT SHUKLA

The Secretary,  
Samyukta Khadan Mazdoor Sangh,  
Bodal Uranium Mines,  
Branch PO Ambagarh Chowki,  
Dist. Rajnandgaon (MP)

Applicant

Versus

The Regional Director,  
Atomic Mineral Division,  
Western Region,  
Nagpur.

Non-applicant

#### AWARD

Passed on this 8th day of January-2004

1. The Government of India, Ministry of Labour vide order No. L-11(2)/86-Con. II/DIII(B)/D-II(A) dated 27-11-87 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal

"Whether the daily rated workers of Bodal Uranium Mines, of Atomic Mineral Division, Casual Workers under the OM No. 14(5)E(Coord)/85 dated 20-9-85 are not eligible for payment of Adhoc bonus on the basis of their actual employment for the year 1984-85? If so, to what relief they are entitled to?"

2. The Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, which shall here-in-after be called as Sangh (SKMS) filed the statement of claim stating therein that the Atomic Mineral division has employed certain number of employees for the purpose of conducting mining operation for feasibility and extraction of Uranium from Bodal Uranium Mines, in Rajnandgaon District (MP) and the employees of Bodal Uranium are under the purview of the Mines Act and regulations. It is alleged that the employees of the said mines are also covered under the Industrial employment (SOs) Act and under this act, standing order have been certified and enforced. An Industrial Dispute was raised by the Sangh demanding for grant of Adhoc bonus granted by Government of India for the year 1984-85 and the rates allowed to permanent and regular employees. The Atomic Mineral Mines division (hereinafter called the Management) allowed and granted adhoc bonus at the rate of 23 days emoluments to some employees and Adhoc bonus at the rate of a notional monthly wage of Rs. 150 per month irrespective of actual monthly wages to the daily rated employees at Bodal Uranium Mines.

3. As per the standing orders, the workman have been classified as

1. Permanent
2. Probationers
3. Temporary
4. Apprentices
5. Badlies or substitutes
6. Casuals

Daily rate is a word that denotes method and system of payment of wages and it does not suggest any employment-status/classification under the Standing Orders. Such workman who have completed a period of 3 months are "permanent" and therefore daily rated workers



are not casual workman and therefore they should not have been treated as "Casual Worker". Daily rated workman have been given wrong status of casual labours by the management. Union is therefore urged that the daily rated workman are eligible for payment of adhoc bonus to be paid at the rate of their actual employment-wage i.e. at the daily rates of wages being paid to them under agreements with the Union. The Sangh has therefore prayed that tribunal be pleased to answer the reference holding the daily rated workers of the mines of the Atomic Mineral division as eligible for payment of Adhoc bonus on the basis of their actual employment for the year 1984-85 and direct the management to render relief accordingly.

4. The opposite party has denied the claim and has stated that the Industrial Dispute Act does not apply to the persons to whom the fundamental and supplementary Rules, Civil Services (Classifications, Control and Appeal) Rules, Civil Services (Temporary Services) Rules, Revised Leave Rules, Civil Services Regulations, Civilians in Defence Services (Classification, Control and Appeal) Rules or the Indian-Railway Establishment Code or any other rules or regulations that may be notified in this behalf by the appropriate Government in the Official Gazette.

5. The Mining standing orders notified by the Certifying Officer, Jabalpur is applicable to the employees other than those who are governed by FRSRs etc. The management has allowed the bonus for the year 1984-85 to its employees in accordance with the OM No. F. 14(5)/E/Coord./65 dated 20-9-85 issued by the Ministry of Finance, Department of Expenditure granting the payment of adhoc bonus for the year 1984-85. It is submitted by the management that Atomic Mineral Division has exploratory mine at Bodal. This mine has been developed as a part of the research and development activities for this Division for finding out the economic viability of the uranium ore deposits in Bodal and this Division is not making and commercial exploitation of the atomic minerals. The issue regarding payment of bonus as demanded by the workers representatives was referred to Department of Atomic Energy Secretariat, Bombay and they have held that daily rated workers at Bodal mines would be paid adhoc bonus as per the formula indicated in para 4 (iv) of the above OM.

Thus it has not been possible for the Division to agree to the demand raised by the Union. It is further pointed out that the question of payment of adhoc bonus was discussed in the conciliation meeting held on 21-5-1986 and the worker's representative had agreed to accept the payment of bonus in accordance with the formula adopted for casual workers in the Finance Ministry's OM referred to as above. Thus there is no reason for the Union to raise demand again.

Bodal Uranium Mines and exploratory mine set up purely as apart of research and development activities of the department for comparing the results obtained from

sub surface drilling with an ultimate objective of testing its economic viability. As such this Division is not doing any commercial exploitation of the atomic minerals. Once its economic viability is proved, the mine is supposed to be handed over to Uranium Corporation of India Limited for Commercial exploitation. In some cases where the underground workings indicate that the mine/area is not economically viable the mine has to be closed also. Declaration of "Permanency" is only for the purpose of Mine Standing Orders and that the mine workers covered by these orders cannot be held to be holders of civil posts as no post as such is created and their wages are met from contingency. It may further be submitted that the word "Permanency" has to be interpreted, only in the context of the Mine Standing Orders and not for the purpose of creating posts which do not exist or for purpose of equating mine workers with regular employees. By its very nature of exploitative activities at Bodal, the Management is forced to keep the workers on daily rated basis. However keeping in view the fact that they have been working with this Division for quite some time, they have been given wage scales and are not strictly treated as casual workers for the purpose of payment and that they are being periodically assessed and reclassified to the next higher grade. The daily rated monthly paid workers employed by Annexure B cannot be treated at par with the other regular Central Govt. employees. Hence the question of payment of adhoc bonus to the mine workers as applicable to other regular Central Government employees does not arise.

6. The management has also filed additional written statement rebutting the claim of the Sangh and has asserted that Atomic Mineral division under the department of Atomic energy is not an industry. An award of CGIT, Dhanbad has been referred in the additional written statement wherein it has been held that the Atomic Mineral Division, Department of Atomic energy, Government of India is not an industry and the subject matter referred for adjudication was outside the jurisdiction of the tribunal. Since the payment of bonus of daily rated workers employed at Bodal has already been settled before the Assistant Labour Commissioner, Raipur between the representative of workers and management and the memorandum of settlement has been signed by the representative of workmen on 21-5-86. Therefore according to this settlement the workers should be paid adhoc bonus on the formula  $150 \times 23/31 = \text{Rs. } 111.30$  as laid down in Ministry of Finance OM No. F-14 (E)-Coord/86 dated 7-10-86 and hence when the agreement was with the full concurrence of the workers representative i.e. Party no. 2, it is binding on them and they cannot raise the same dispute again in a different forum and it has been alleged by the management that the claim of the Sangh has no merit.

7. The Management has filed the following documents:—

1. Government of India, Ministry of Labour Letter No. L-29012/26/87-DJ (B) dated 30-3-89 (Paper No.34).

2. Government of India, Ministry of Labour letter No. L-29024/6/89-IR (Misc ) dated 26-4-89 (Paper No. 35).

3. Government of India, Ministry of Labour Notification dated 29-3-89 (paper No. 36).

4. Photocopy of award of CGITNo.2, Dhanbad : employers in relation to the management of Atomic Minerals Division of Deptt. of Atomic energy and their workmen dated 13-3-89 (Paper No. 37).

5. Copy of settlement dated 24-5-86 (Paper No. 41&42).

6. Government of India, Department of Atomic energy OM No. F-14 (3)-E (Coord)/86 dated 7-10-86 (Paper No. 43).

8. The workman has replied to the Additional WS filed by the management and has stated that the judgement given in the case No. R/304/87 in the CGIT, Dhanbad is not correct judgement and about the settlement, the Sangh has alleged that—that is not correct.

9. The worker has filed the affidavit of Shri Maharam Shah and the judgement has filed the affidavit of Murari Trivedi with the Annexures (Exhibit 1 to 5).

10. The witnesses who have filed the affidavit have been cross examined by the other party.

11. The workers have not come forward from argument where as the employer has filed the written argument

12. In the circumstances, perused written arguments filed by the management along. The Sangh has not dared to dispute the execution of the settlement, the copy of which have been filed by the management which is Exhibit No. M-4 with the affidavit of Shri Murari Trivedi, Scientific Officer of the management. Shri Murari Trivedi, Scientific Officer, Central Regional Atomic Division, civil Lines, Nagpur has proved in para 3 of the affidavit that the representative of the workman of Bodal Mine have agreed in the conciliation meeting held on 21-5-81, where the memorandum of settlement was arrived at and signed between the management and the workers before the Assistant Labour Commissioner (C), Raipur to accept the adhoc bonus of the worker for the year 1984-85 with the formula i.e. amount of adhoc bonus= Rs.  $150 \times 23/31$  = Rs. 111.30 under the provisions of the office memorandum of Government of India. Ministry of finance, Department of Expenditure order No. F-14/5-E/Coord/85 dated 10-11-83 which was moved by OM No. 14/5-E/Coord/85 dated 5-12-85 where it was decided for payment of bonus for 23 days inspite of 18 days. In view of the agreement referred to above, the memorandum of settlement was executed by the Sangh. It is note-worthy that inpara-18,

the witness has stated that the said settlement has been countersigned by the ALC (C), Raipur and the copy of the said settlement is marked as exhibit M-4. It is also true that the said settlement has been signed by Shri Nasir Shah, President and shri Sheshnath Singh, Secretary of the Sangh. It is admitted by the witness of the workmen that in the year 1985-86, the President and Secretaries were the same. In the circumstances, the settlement arrived in between the parties for the binding effect and in view of the settlement arrived at between the parties, there is no dispute. The Sangh has tried to raise the dispute when the secretary and president were changed. In the circumstances the dispute is not bonafide and it is held that the same Sangh had no right to raise the dispute against the memorandum of settlement which was settled amicably by the parties before conciliation officer.

13. The management has also strictly argued that the employer i.e. Atomic Mineral division is not an industry and therefore this court has no jurisdiction to entertain the reference sent by the Ministry for adjudication.

14. The Scientific Officer has proved that atomic Mineral Division (AMD) is entrusted with the task of conducting survey and prospecting for uranium and other Atomic Minerals required for the Nuclear Power Programme of the Department of Atomic Energy, Government of India. The AMD sometimes also carried out the task of exploratory mining on a very limited scale to confirm the drilling data and to obtain bulk samples of ore for various scientific studies for generation of data for project planning. The activities of the Atomic Minerals Division are basically research and Development in nature and do not constitute an Industrial activity. These functions are in the exclusive domain of the Govt. of India in terms of Sec-3a of the Atomic Energy Act of 1962. The AMD was conducting exploratory mining at Bodal in Distt. Rajnandgaon, MP and the same was closed w.e.f. 1-7-89 after evaluating the occurrence of uranium mineralisation in terms of the Decision of the Secretary to the Government of India in the Department of Atomic Energy Bombay vide his letter No. 22/54/88/AMD (I&M) 238 dated 31-3-89.

15. The witness of the management have also proved that the Ministry of Labour vide letter No. 30-3-89 have declared that the Atomic Mineral Division of the Department of Atomic Energy is not industry within the meaning of Section 2(j) of the I.D. Act. A copy of the said letter has also been filed by the witness as Exhibit M-2. The witnesses stated that the Ministry of Labour, Government of India's views have been confirmed by the letter dated 26-4-89 which is marked as Exhibit M-3. The witnesses have not been cross-examined by the Sangh on the facts stated above.

16. Although the award passed in reference No. 304/87 in a reference between employees of Atomic Mineral division of Department of Atomic Energy and their workmen dated 13-3-89 by the Central Govt. Industrial

Tribunal-cum-Labour court, No. 2, Dhanbad is not binding upon this tribunal but the reasons given by the Presiding Officer holding Atomic Mineral division of department of Atomic Energy as non-industry is acceptable to me also. It is true that the work of the department is also confined to the research and do not work in production of atomic materials. The work done by the atomic mineral division is certainly amounts to sovereign function of the Government. The Atomic Mineral division is in the department of Atomic energy. The activities of Atomic Mineral Division are feasible research and developments in nature and do not constitute an industrial activity. These functions are in exclusive domain of the Central Government. Now the Atomic Mineral Division was conducting sub-surface prospecting operations at Bodal (Rajnandgaon) for evaluating the occurrence of uranium mineralisation at these places. This work was completed in June-1989 and hence it was decided by the department of Atomic Energy to close down the two exploratory mining operations. Therefore it cannot be said that Atomic Mineral Division is engaged in industry activity. It has been argued on behalf of the employer that the chart of duties of Atomic Mineral department enjoins upon it the responsibilities to survey, locate, assess, evaluate and finally hand over the technically feasible and economically viable deposits of uranium to the Uranium corporation of India Ltd., a Public Sector Undertaking of the Department of Atomic energy for commercial exploitation. In the process of evaluation of the deposits, Atomic Minerals Division sometimes also carries out the task of exploratory mining on a very limited scale to confirm the drilling data and to obtain bulk samples of the ore for various scientific studies for generation of data for project planning. Similarly after exploration and evaluation of deposits of rare minerals and rare earths technically feasible and economically viable deposits are handed over to the Indian Rare Earths Ltd. In the circumstances, I am of the opinion that the employer is not an industry.

17. The Government of India, Ministry of Labour vide their letter No. L-29012/26/27-DJM(B) dated 30-3-89 in an industry dispute between the management of Atomic Mineral division in Baghjata project near Mosabani District, Singhbhum, Bihar and their workman, Shri S.S. Goswami regarding his employment, stated that the Atomic Minerals Division is not an industry within the meaning of Section 2 (j) of I.D. Act, 1947. Similarly the Labour Ministry has written another letter reference No. L-29024/6/89-IR (Misc) dated 26-4-89 that the Atomic Mineral Division of the department of Atomic Energy is not an industry within the meaning of Section 2 (j) of I.D. Act, 1947.

18. From the evidence on record and from the argument forwarded by the employer, I am of the opinion that the employer is not covered in the definition of Industry under the I.D. Act. In the circumstances the statement of

claim is not maintainable by the CGIT cum Labour Court, Jabalpur.

19. I have discussed earlier that the workman Union (Sangh) and the employer has already arrived on settlement for the payment of daily rated workers and therefore the same Sangh cannot come forward and filed a dispute, as they resolved their dispute amicably by the mutual settlement and therefore they are not eligible for payment of adhoc bonus on the basis of their actual employment for the year 1984-85 and secondly the employer is not an industry and therefore merit of the settlement cannot be challenged in the CGIT, Jabalpur as the CGIT has no jurisdiction to adjudicate the matter.

20. The award is passed accordingly.

21. The copy of the award be sent to the Govt. of India, Ministry of Labour as per rules.

SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. आ. 351.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, इण्डियन मेटेोलोजिकल डिपार्टमेंट प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जयपुर (संदर्भ संख्या सी.जी.आई.टी.-25/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-42012/191/2001-आई.आर. (सी. एम.-II)]

एन.पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

S. O. 351.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. CGIT-25/2002) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jaipur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Indian Meteorological Department, and their workman, received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-42012/191/2001-IR(CM-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JAIPUR

CASE NO. CGIT-25/2002

Reference No. L-42012/191/2001 IR (CM-II) dated 4-9-2002

Sh. Chandra Prakash  
S/o Sh. Ram Narayan,  
R/o 173, Shyam Puri, Outside Hida Ki Mori,  
Jaipur.

... Applicant

Versus

The Director,  
Indian Meteorological Department,  
Budh Singh Pura, Sanganeer,  
Jaipur.

....Non-applicant

PRESENT : Presiding Officer, Sh. R.C. SHARMA,

For the Applicant : Sh. K.C. Sharma

For the Non-applicants : Sh. B.L. Takhad

Date of Award : 14-11-2003

### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred under clause D of Sub-sections 1 & 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (for short 'The Act') has referred the following industrial dispute for adjudication to this Tribunal which runs as under :—

" Whether the action of the management i.e. Director, Meteorological Department, Meteorological Centre, Jaipur in terminating Sh. Chandra Prakash S/o Sri Ram Narayan from services w.e.f. 1-12-2000 is legal and justified? If not, to what relief he is entitled to?"

The applicant-workman in his statement of claim has pleaded that he was appointed on 5-3-1988 as the attender (Safaiwala) against the vacant post by the non-applicant management in whose favour a work performance certificate dt. 26-6-1999 (Ex-W-1) was issued by the non-applicant management, that he served the department from 5-3-1998 to 9-2-2000 and that the management had issued the another work performance certificate (Ex-W-2) on 13-11-2000 to this effect. The workman has further averred that although he was employed as part-time employee but he had performed all the works which were discharged by a regular employee. Since the salary of a 4<sup>th</sup> class employee was not paid to him, he issued a registered notice on 29-11-2000 to the management and thereafter on 1-12-2000 his service was orally terminated. After his termination the Meteorological Deptt., Delhi issued an advertisement (Ex-W-3) calling for the applications for recruitment to the various posts. The workman has stated that he had raised an industrial dispute before the conciliation officer, who had subsequently submitted a failure report to the Labour Ministry. Challenging the termination, the workman has pleaded that during the period 5-3-1998 to 9-2-2000 he had completed over 240 days in the calendar year, who was neither served with a valid notice nor he was paid the retrenchment compensation prior to his termination in violation of Section 25-F of the Act. It is also stated that after his termination Smt. Munni Devi has been appointed by the management in violation of Section 25-H of the Act. The workman has prayed for his reinstatement with back wages.

In return, the non-applicant denying the facts has as alleged by the workman has stated that the present controversy does not fall within the ambit of this Act., that the workman was never appointed against the vacant post of an attender, but he was assigned the work of cleaning on contractual basis on payment of Rs. 295 monthly wages to him. The non-applicant has admitted that the work performance certificate (Ex-W-2) was issued by the

management in favour of the workman and that the workman was temporarily employed for cleaning the premises 6 hours per day, but he attended the office only for 2 hours a day and, therefore, he was disengaged w.e.f. 1-12-2000. It has also been pointed out that the recruitment is being made by the department on following the prescribed rules.

In the rejoinder, the workman has reiterated the facts as alleged in the claim statement.

On pleadings following points for determination were framed :—

1. Whether the workman was employed by the non-applicant management on 5-3-98 as Cleaner (Safaiwala) against the vacant post who performed the perennial work of a regular employee? BOA

2. Whether the workman has worked more than 240 days in an year, who was declined to join the duty w.e.f. 1-12-2000 and thus, the non-applicant establishment has violated the provisions under Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947? BOA

3. Whether the non-applicant management has recruited Smt. Munni Devi as Cleaner after the termination of the service of the workman and has thus violated the provisions under Section 25-F of the Act? BOA

4. Whether the workman is entitled for reinstatement in the service with consequential benefits? BOA

5. Whether this industrial dispute is not covered by the Industrial Disputes Act? BONA

6. Relief, if any.

The workman has filed his affidavit, who was cross-examined on behalf of the non-applicant. In defence, the affidavit of Shri Shankar Singh, the Director was placed on record, who was cross-examined on behalf of the workman.

Both the parties have placed the documents on the record which will find mention hereinafter.

I have heard both the parties and have gone through the record.

The point-wise discussion follows as under :—

**POINTS No. 1 & 2 :—** The Id. representative for the workman contends that it is clear from Ex-W-2, the work performance certificate, that the workman had worked with the management from 5-3-1998 to 9-2-2000 and thus he had completed over 240 days in each calendar year. On the contrary, the Id. representative for the management submits that the workman was not appointed by the management but he was assigned the work on contractual basis and the allegation of the workman that he was appointed against the vacant post of the attender is not correct in view of the fact that in the year 1998 there was no post of attender in the management.

I have bestowed my thoughtful consideration to the rival contentions.

So far as the employment of the workman from 5-3-1998 to 9-2-2000 with the management is concerned, it



is undisputed. Admittedly, the certificate Ex- W-1 was issued by the management in favour of the workman which states that he is working as part time cleaner since 5-3-1998 with the management. The another work performance certificate Ex-W-2 speaks that the workman had worked from 5-3-1998 to 9-2-2000 as part time Safaiwala with the non-applicant management. Thus, the workman was employed by the management during the period commencing from 5-3-1998 to 9-2-2000.

The real controversy arising between the parties is that the workman has pleaded that he was performing the works which were discharged by the regular employees, whereas the management's stand is that he was a part time employee.

MW-1 Shankar Singh in his affidavit has stated that the workman was engaged on daily wages for 6 hours a day, but after improving his statement he has deposed that he used to work only for one or one and half hours a day.

This version is in itself a vague one and it cannot be presumed that when a part time employee has been engaged to perform 6 hours a day, he would be permitted to discharge the duties only for one or one and half hours a day. As against it, the workman in his cross-examination has categorically denied the questions put up on behalf of the management that he had to work only for 3 hours a day and has pointed that he performed the work for 5 or 6 hours a day. The workman could not be impeached on this point on behalf of the management. Thus, it appears from the oral evidence that the workman was discharging the duties which were similar to that of a regular employee and are perennial in nature.

Now I advert to the next point whether the workman had completed over 240 days during the preceding year to his termination.

Again, admittedly, the workman was disengaged w.e.f 1-12-2000 by an oral order. As has been stated earlier MW-1 Shankar Singh has admitted in his cross-examination that the work performance certificates Ex-W-1 & Ex-W-2 were respectively issued by him to the workman. Thus, prior to the date of termination in the preceding year i.e. in the calendar year of 1999 the workman had completed over 240 days with the management. Apart it, the factors of the issuance of a valid notice to the workman or providing the retrenchment compensation to him could not be agitated on behalf of the management and it is manifest that these mandates under Section 25 of the Act were not complied with by the management. Thus, the termination of the service of the workman tantamounts to the retrenchment under section 25-F of the Act. Accordingly, both these point are decided in favour of the workman.

**POINT No. 3 :—** The Id. representative for the workman has contended that after the termination of the workman another employee in his place Smt. Munni Devi was engaged by the management and this fact has been admitted by the witness adduced on behalf of the management. Responding to this submission, the Id. representative for the management contends that after the termination of workman another person was engaged on contractual basis only.

On behalf of the workman it has been specifically pleaded that after terminating the services of the workman Smt. Munni Devi was employed by the management and no opportunity of employment was offered to the workman. This fact stands admitted by MW-1 Shankar Singh who in his cross-examination has admitted that after the termination of the workman another person was employed in his place. On behalf of the management although the subsequent recruitment has been admitted, but it has not been shown that prior to the employment of such person an opportunity of employment was offered to the workman. Thus, the management has acted in clear violation of the provision under section 25-H of the Act and this point too is decided in favour of the workman and against the management.

**POINT No. 5 :—** The Id. representative for the management contends that the Meteorological Department is not an industry as defined in the Act. The reason advanced on this account is that the management deals with the forecast of the weather and it is not connected with any production, and as such, it is not an industry. In support of his contention the Id. representative relies upon 2001 (R) SLR 188.

Countering the submission advanced on behalf of the management, the Id. representative for the workman submits that the management falls within the definition of the industry as defined in the Act and he has referred to the decision cited in 2001 (7) SLR 112.

I have carefully gone through the judicial pronouncements referred to by both the Id. representatives.

Section 2 (j) of the Act defines the industry as under:—

“ ‘Industry’ means any business, trade, undertaking, manufacture or calling of employers and includes any calling, service, employment, handicraft, or industrial occupation or avocation of workman.”

The question of interpretation of industry arose before the division bench of the Bombay High Court in the case of Province of Bombay Vs Western India Automobile Association and the Hon'ble court has observed as under:—

“ There is no indication in the section itself that the undertaking referred to in the definition clause must be an undertaking carried on for the purpose of making profit. But as far as an undertaking is concerned, it is no reason why every undertaking, in order to fall under that sub-clause, must be something done with a view to making profit. The expression ‘calling’ is also sufficiently wide to include its activities not necessarily concerned with profit motive. What is really emphasized in this Sub-section is the relationship of employers and workers. If in that undertaking a dispute takes place, then you have a dispute in an industry contemplated by the statute, ....”

When assessed in the light of the above decision, the non-applicant management falls within the meaning of the definition under section 2 (j) of the Act.

The Id. representative for the management has drawn my attention towards 2001 (8) SLR 188 and has urged that

in view of this observation made by the Hon'ble court the management in the present case could not be regarded as the industry.

But the referred to decision pertains to the Council of Scientific and Industrial Research and SERC and the facts of the referred case being distinct are not applicable to the case at hand. Therefore, the Id. representative does not find any assistance from the decision supra.

The Id. representative for the workman has drawn my attention towards 2001 (7) SLR (Raj.) 113, wherein the Hon'ble court has upheld the conclusion drawn by the labour court that the school is an industry under Section 2 (j) of the Act.

In the present dispute, looking to the facts involved therein on the similar footings, the non-applicant management falls within the scope of industry as defined under section 2 (j) of the Act. This view is further fortified by the judicial pronouncement made in the decision reported in the case of Province of Bombay vs. Western India Automobile Association. Hence, this point is decided against the management and in favour of the workman.

**POINT No. 4 :—** For the foregoing reasons and the conclusions drawn by this court, the workman is entitled for reinstatement in the service.

In the result, the reference is answered in the affirmative in favour of the workman and it is held that the action of the non-applicant management in terminating the workman from service w.e.f. 1-12-2000 is illegal and unjustified. He is entitled to be reinstated in the service with back wages @ 50% and in continuity with the service. The award is passed in the aforesaid terms.

Let a copy of the award be sent to Central Government for publication under Section 17(1) of the Act.

R.C. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. आ. 352.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस.ई.सी.एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर (मंदम संख्या सी.जी.आई.टी./एल.सी./आर./39/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-22012/157/99-आई.आर. (सी.-II)]

एन. पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

**S. O. 352.—**In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/39/2003) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur now as shown in the Annexure in

the Industrial Dispute between the management of SECL and their workmen, received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-22012/157/99-IR(C-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/39/2003

Presiding Officer: SHRI SHRIKANT SHUKLA

Smt. Usha Gupta

W/o Rampal Gupta,

Opp. Durga Mandir, Sidhi Dafai,

Rajnagar Colliery,

Shahdol.

... Applicant

Versus

The Sub Area Manager,

Rajnagar RO of SECL,

PO Rajnagar Colliery,

Distt. Shahdol (MP)

... Non-applicant

### AWARD

Passed on this 7th Day of January, 2004

1. The Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-22012/157/99/IR (C. II) dated 24-9-2001 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“ Whether the action of the Sub Area Manager, Rajnagar Open Cast Mine of SECL, PO Rajnagar Colliery, Distt. Shahdol (MP) in not reinstating Smt. Usha Gupta W/o Shri Rampal Gupta Halwai workman of Rajnagar Open Cast Mine is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled? ”

2. The original issue was referred for adjudication to the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court, Nagpur but the disputant Smt. Usha Gupta, W/o Rampal Gupta represented against the reference to the CGIT cum Labour Court, Nagpur and requested that the same may be referred to CGIT cum Labour Court, Jabalpur. In the meantime, the Presiding Officer of CGIT cum Labour Court, Nagpur passed No Claim Award on 1-11-2001. Thereafter the Government of India vide their letter No. L-22012/171/99-IR (C.II) dated 28-2-2003 transferred the said case for adjudication to the Presiding Officer, CGIT, Jabalpur.

3. On receipt of the reference, the notice was issued to Smt. Usha Gupta but Smt. Usha Gupta did not turned up to file the statement of claim.

4. The notice was again issued to her for filing statement of claim on 5-1-2004 by registered post on 28-11-2002 and registered notice and acknowledgement did not returned even after expiry of more than 2 months and

therefore it was believed that the notice is served on Smt. Usha Gupta.

5. In spite of the service of notice, Smt. Usha Gupta did not turned up to file statement of claim and therefore it is impossible to adjudicate the issue referred to us. Therefore the reference is unanswered and accordingly the reference is disposed off for want of prosecution.

6. The copy of the award be sent to the Govt. of India, Ministry of Labour as per rules.

SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. आ. 353.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस.ई.सी.एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर (संदर्भ संख्या सी.जी.आई.टी./एल.सी./आर./293/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/182/99-आई आर (सी एम-II)]

एन. पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

S. O. 353.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. CGIT/LC/R/293/99) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Sohagpur Area of SECL, and their workman, received by the Central Government on 19-1-2004

[No. L-22012/182/1999-IR(CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Case No. CGIT-LC/R/293/99

Presiding Officer : SHRI SHRIKANT SHUKLA

The Secretary

Janta Mazdoor Sangh (HMS),

Amradandi Store Complex,

PO Amlai Colliery,

Distt. Shahdol (MP)

... Applicant

*Versus*

The General Manager,

Sohagpur Area of SECL,

PO Dhanpuri, Distt. Shahdol

Shahdol (MP)

....Non-applicant

#### AWARD

Passed on this 8th Day of January, 2004

1. The Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-22012/182/99-IR (CM.II)

dated 30/3 1-8-99 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

"Whether the action of the General Manager, Sohagpur Area of SECL, PO Dhanpuri, Distt. Shahdol in not regularising Shri Ishaque Khan in Cat VI and not promoting as Assistant Foreman in T & S Grade C is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The workman was sent notice by the Government for filing the statement of claim and the relevant documents, list of witnesses with the tribunal within 15 days but the worker did not file any statement of claim.

3. The Secretary, Janta Mazdoor Sangh, concerned Union was sent notice dated 15-11-99, 21-12-99, 24-4-2003 but no statement of claim came forward from the Union. However the Secretary, Janta Mazdoor Sangh filed the authority in the form of Vakalatnama dated 10-6-03 but even then the worker did not file any statement of claim to enable the court to find out the case of workman Shri Ishaque Khan. The concerned Union did not disclose before the tribunal about the grounds of regularisation of the services of Shri Ishaque Khan. The Union has also not raised the issue before the tribunal for not promotion of the worker. The opposite party was also sent several notices but they have also not come forward with any written statement.

4. In the circumstances, aforesaid issue cannot be answered.

5. The copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2004

का. आ. 354.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस.सी.सी.एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद (संदर्भ संख्या एल.सी.आई.डी.नम्बर-3/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2004-आईआर (सी-II)]

एन. पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th January, 2004

S. O. 354.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L.C.I.D. No. 3/2003) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL, and their workman, which was received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-22013/1/2004-IR(C-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

**ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AT HYDERABAD

**PRESENT :** Shri E. Ismail, B. Sc., LL. B.,

Presiding Officer

Dated the 28th day of November, 2003

**Industrial Dispute No. L.C.I.D. 3/2003**

**BETWEEN :**

Sri Hanumantha Mallaiah,  
H.No. 6-6-532, Ambedkarnagar,  
Near Sub Station, Karimanagar

... Petitioner

**AND**

1. The Colliery Manager,  
Somagudem, I Incline,  
S.C. Company Ltd.  
Somagudem No. 1.
2. The General Manager,  
S. C. Company Ltd.,  
Bellanpalli.
3. The Managing Director,  
Singareni Collieries Co. Ltd.  
Kothagudem.

....Respondents

**APPEARANCES :**

For the Petitioner : Sri S. Bhagwanth Rao, Advocate

For the Respondent: M/s. K. Srinivasa Murthy, V.  
Umadevi, C. Vijay Shekar Reddy,  
Vijay Venkatesh, Sridhar Karanam,  
B. Vijay Kumar, L. Adibabu, Prasad,  
Suresh & Manikonda Praveen,  
Advocates

**AWARD**

1. This is a case taken under Sec. 2A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgement of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others and numbered in this Court as L.C.I.D. No. 3/2003 and notices were issued to the parties.

2. In spite of several adjournments given from 19-9-2003 for Petitioner's evidence for five adjournments including 23-11-2003 the petitioner has not turned-out. The petitioner is not evincing any interest. There is nothing on record to support the case of the Petitioner. Hence, a 'Nil' Award is passed, Transmit.

Dictated to Kum. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 28th day of November, 2003.

E. ISMAIL, Presiding Officer

**Appendix of evidence**

Witnesses examined for the  
Petitioner

NIL

Witnesses examined for  
the Respondent

NIL

**Documents marked for the Petitioner**

NIL

**Documents marked for the Respondent**

NIL

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2004

का. आ. 355.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आन्ध्रा बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 184/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/226/2000-आईआर (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 20th January, 2004

S. O. 355.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 184/2002) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Andhra Bank and their workman, received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-12011/226/2000-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

**ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AT  
HYDERABAD

**PRESENT :** Shri E. Ismail, B. Sc., LL. B.,

Presiding Officer

Dated the 21st, day of October, 2003

**Industrial Dispute No. 184/2002**

(Old I.D. No. 2/2001 transferred from Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Visakhapatnam)

**BETWEEN :**

The Joint Secretary,  
Andhra Bank Award Employees Union,  
Srikakulam Region, C/o Andhra Bank,  
Main Branch, Srikakulam.

... Petitioner

**AND**

The Regional Manager,  
Andhra Bank, Zonal Office,  
Srikakulam.

.....Petitioner

**APPEARANCES:**

For the Petitioner : M/s. A. V. Sambasivarao & A.S.  
Rama Sharma, Advocates

For the Respondent : M/s. S. Udayachala Rao,  
S. Lavanya Lakshmi,  
S. Vikramaditya Babau &  
S. Mujib Kumar, Advocates

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12011/226/2000-IR (B. II) dated 29-11-2000 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to the Industrial Tribunal cum Labour Court, Visakhapatnam between the management of Andhra Bank and their workmen. In view of Government of India, Ministry of Labour's Order No. H-11026/1/2001-IR (C. II) dated 18-10-2001 this case has been transferred to this Tribunal bearing No. 2/2001. The reference is,

**SCHEDULE**

"Whether the demand of Andhra Bank Award Employees Union Srikakulam Region for regularisation of services of Smt. A. Ammadamma, Sh. B. Satyanarayana, Smt. J. Rohini, Smt. P. Kamala, Sh. A. Vasudeva Rao, Sh. K. Ammanna Rao, Smt. Ch. Bharathi, Sh. M. Ganapathi Rao and Smt. A. Seetharamamma working as part time Sweepers under the Management of Assistant General Manager, Andhra Bank, Srikakulam Zone is legal and/or justified? If not what relief the concerned union is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 184/2002 and notices were issued to the parties.

2. In spite of several adjournments given from 12-3-2003 for evidence of Petitioner's for eight adjournments including 21-10-2003 petitioners have not turned-out. None of the petitioners is present today. The petitioners have failed to produce any evidence in support of their claim. There is nothing on record to substantiate the contention of the Petitioners. Hence, a 'Nil' Award is passed, transmit.

Dictated to Kum. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 28th day of October, 2003.

E. ISMAIL, Presiding Officer

**Appendix of Evidence**

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

Documents marked for the Petitioner  
NIL

Documents marked for the Respondent  
NIL

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2004

का. आ. 356.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आन्ध्रा बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 229/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12025/1/2004-आई.आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, अवर सचिव

New Delhi, the 20th January, 2004

S. O. 356.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award Ref. No. 229/2002 of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank and their workman, which was received by the Central Government on 19-1-2004.

[No. L-12025/1/2004-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

**ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AT  
HYDERABAD

PRESENT: Shri E. Ismail, B. Sc., LL. B.,  
Presiding Officer

Dated the 12th, day of November, 2003

Industrial Dispute No. L.C.I.D. 229/2002

**BETWEEN**

Sri Ch. Nageswara Rao,  
S/o. Ch. Hanumanth Rao,  
H. No. 3-2-186, Sunargally,  
Nimboliadda, Kachiguda,  
Hyderabad.

... Petitioner

**AND**

1. The General Manager,  
Andhra Bank, Central Office,  
Sultan Bazar, Hyderabad.

2. The Branch Manager,  
Andhra Bank, Vidyanagar Branch  
Vidyanagar, Hyderabad ..... Respondents

**APPEARANCES:**

For the Petitioner : M/s. M. Govind, Sudha & K. Ajay  
Kumar, Advocates

For the Respondent : M/s. S. Udayachal Rao, S.  
Lavanya Lakshmi, S. Vikramaditya  
Babu & S. Mujib Kumar,  
Advocates

**AWARD**

This is a case taken under Sec. 2 A (2) of the I.D. Act., 1947 in view of the judgement of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others and numbered in this Court as L.C.I.D. No. 229/2002 and notices were issued to the parties.

2. This case has been filed by the Petitioner for reinstatement of his services with the 2nd Respondent. The Respondents filed counter. Petitioner's evidence closed on 8-9-2003. MW1 field affidavit for deposition. A memo is filed by the Petitioner's Counsel today i.e. the 12th November, 2003 stating that the Petitioner's case may be closed as not pressed. Hence, a 'Nil' Award is passed accordingly. Transmit.

Dictated to Kum. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 12th day of November, 2003.

E. ISMAIL, Presiding Officer

**Appendix of Evidence**

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

**Documents marked for the Petitioner**

NIL

**Documents marked for the Respondent**

NIL

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 357.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गुडगांव ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी.-252/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल.-12011/45/99-आई.आर. (बी.-1) ]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S. O. 357.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (ID/252/99) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Gurgaon Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004.

[No. L-12011/45/99-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer,

**ANNEXURE****CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH****Presiding Officer**

Shri S. M. Goel

Case No ID. 252/99

The General Secretary,  
Gurgaon Gramin Bank  
Workers Organisation,  
73I, Adarsh Nagar, Rewari

...Applicant

Vs.

The Chairman,  
Gurgaon Gramin Bank  
Head Office, 2069/4, Gurgaon.

.....Respondent

**APPEARANCES:**

For the Worker : None

For the Management : None

**AWARD**

(Passed on 3-12-2003)

Central Govt. vide notification No. L.-12011/45/99-IR(B-I) dated 29-11-1999 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the of the action of the management of Gurgaon Gramin Bank, Gurgaon in not granting one additional increment to their employees or installation of computers as given to the employees of their parent Bank (Syndicate Bank) is legal and justified, If not, to what relief the workman are entitled to?”

AND

“Whether the action of the management of Gurgaon Gramin Bank, in not providing pay parity to clerks equal to that of Stenographers in respect of eligible employees (list of 82 employees are enclosed) marked as Annexure 'E' is just and legal? If not, to what relief the Workman are entitled to?”

2. None appeared on behalf of the workman despite notice. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Central Govt. for want of prosecution. Central Government be informed.

Chandigarh.

Dated : 3-12-2003.

S. M. GOEL, Presiding Officer



नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 358.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गुडगांव ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (सदर्थ संख्या आई.डी. 144/2 के) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/39/99-आईआर(बी- I)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 358.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID-144/2K) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Gurgaon Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004.

[No. L-12011/39/99-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

PRESIDING OFFICER Sh. S. M. Goel

Case No. I D. 144/2K

The President, Gurgaon Gramin Bank Workers  
Organisation, 731, Adarsh Nagar, Rewari-123401

APPLICANT

Vs

The Chairman, Gurgaon Gramin Bank, Head Office, 2069,  
Sector-4, Gurgaon.

#### APPEARANCES:

For the Workman. None

For the Management. None

#### AWARD

(Passed on 3-12-2003)

Central Govt. vide notification No. L-12011/39/99/IR (B-I) dated 15-3-2000 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Gurgaon Gramin Bank by promoting Sri Anil Sardana, Stenographer to the post of Field Officer and in preparing and circulating another seniority list dated 14-3-98 during the pendency of CPS is violation of Section 33-1(a) read with Section 33-A of Industrial Dispute Act, 1947."

2. None appeared on behalf of the workman despite notice. It appears that workman is not interested to pursue

with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Central Govt. for want of prosecution. Central Govt. be informed.

Chandigarh.

Dated 3-12-2003.

S. M. GOEL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 359.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तरी रेलवे के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (सदर्थ संख्या आई.डी. 25/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/39/95-आईआर(बी- I)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 359.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID-25/96) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004.

[No. L-41012/39/95-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

PRESIDING OFFICER Sh. S. M. Goel

Case No. I D. 25/96

Rumali Devi W/o Sh. Net Ram, Qur. No. T-68/D Loco  
Railway Colony, Kurukshetra.

Applicant

Vs

Inspector of works, Northern Railway, Kurukshetra

Respondent

#### APPEARANCES

For the Workman. None

For the Management. Sh. N. K. Zakhmi

#### AWARD

(Passed on 4-12-2003)

Central Govt. vide notification No. L-41012/39/95/IR (B-I) dated 19-3-1996 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Northern Railway representing its Sr. D P. O., New Delhi and Inspector of works, Kurukshetra of New Delhi Division, in terminating the services of Smt. Rumali Devi, is just, fair and legal. If not, what relief she is entitled to and from what date?"

2. None appeared on behalf of the workman despite notice. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Central Govt. for want of prosecution. Central Govt. be informed.

Chandigarh.

Dated 4-12-2003.

S. M. GOEL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 360.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (सदर्थ संख्या आई.डी. 72/2002) को प्रकलित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/331/2001-आईआर(बी- I)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 360.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID-72/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004.

[No. L-12012/331/2001-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT  
HYDERABAD

PRESENT : Shri E. Ismail, Presiding Officer

Dated 31st day of March, 2003

Industrial Dispute No. 72/2002

#### BETWEEN

Sri E. Narasimha,  
D. No. 18-1-305, Uppuguda,  
Mahankali Temple,  
Hyderabad—53.

#### AND

The Asst. General Manager,  
(Personnel & HRD),  
State Bank of India,  
Local Head Office,  
Bank Street, Koti,  
Hyderabad-500095.

#### APPEARANCES

For the Petitioner : NIL

For the Respondent : M/s B.G. Ravindra  
Reddy, S. Prabhakar  
Reddy & B.V. Chandra  
Sekhar, Advocates.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012/331/2001/IR (B-I) dated 8-1-2002 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of State Bank of India and their workman. The reference is,

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of State Bank of India, Local Head Office, Hyderabad in terminating the services of Sri E. Narasimha, temporary/Non-Messenger, S.B.I. w.e.f 31-3-1997 is justified? If not, what relief is the applicant entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 72/2002 and notices issued to the parties.

2. In spite of several adjournments given from 10-5-2002 for filing of claim statement and documents for 17 adjournments including 31-3-2003 the petitioner has not turned-out with claim statement and documents. In spite of number of adjournments the petitioner has failed to produce any evidence in support of his claim. His Advocate reported no instructions from him. There is nothing on record to support the case of the Petitioner. Therefore, the reference is ordered against the petitioner and it is held that the petitioner is not entitled for any relief.

Accordingly a 'Nil' Award is passed, Transmit.

Dictated to Kum. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 31st day of March, 2003.

E. ISMAIL, Presiding Officer

#### Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL



नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 361.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी. 285/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-12012/107/2002-आई.आर. (बी- I) ]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 361.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID-285/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004

[No. L-12012/107/2002-IR(B.F)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT  
HYDERABAD

PRESENT: Shri E. ISMAIL

Presiding Officer

Dated 31st day of March, 2003

Industrial Dispute No. 285/2002

## BETWEEN:

Sri T. Venkateswarlu,  
S/o T. Kadirivel,  
490, Bhavani Nagar,  
Tirupathi-517501.

## AND

The Asst. General Manager,  
State Bank of India,  
Zonal Office, Region-II,  
Tirupathi-517501.

## APPEARANCES:

For the Petitioner : NIL

For the Respondent : NIL

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012/107/2002-IR (B.I) dated 27-8-2002 referred the following dispute under Section 10(I)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between

the management of State Bank of India and their workman.  
The reference is,

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of State Bank of India., Tirupathi Zone in dismissing the services of Sri T. Venkateswarlu, ex-messenger is justified? If not, what relief the workman is entitled?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 285/2002 and notices issued to the parties.

2. In spite of several adjournments given from 29-11-2002 for filing of claim statement and documents for 7 adjournments including 31-3-2003 petitioner has not turned out with claim statement and documents. Petitioner absent continuously although he received notice through registered post and acknowledgement received. There is nothing on record to substantiate the case of the Petitioner. Therefore, the reference is ordered against the petitioner and it is held that the petitioner is not entitled for any relief.

Accordingly a 'Nil' Award is passed, Transmit.

Dictated to Kum. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 31st day of March, 2003.

E. ISMAIL, Presiding Officer

## Appendix of evidence

Witness examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 362.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मध्य रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी.जी.आई.टी./एलसी/आर/230/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-12012/112/96-आई.आर. (बी- I) ]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 362.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (No. CGIT/LC/R/230/97) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jabalpur now as shown in the Annexure in

the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Railway and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004.

[No. L-12012/112/96-IR(B.I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

# ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/230/97

PRESIDING OFFICER : SHRI SHRIKANT SHUKLA

Shri Ganesh Prasad Jagannath,

Vill & PO U.D.A., Harda,

Distt. Hoshangabad (MP)

versus

Applicant

The Divisional Railway Manager,

Central Railway,

Habibganj,

Bhopal.

Non-applicant

# AWARD

Passed on this 8th day of January-2004

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its order No. L-12012/112/96-IR(B) dated 5-8-96 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal —

"Whether the action of the management of Divisional Railway Manager (P). C. Rly., Bhopal/Bhusawal in terminating the services of Shri Ganesh Prasad S/o Sati Jagannath with effect from 3-5-88 is justified? If not, what relief the workman is entitled?"

2. The workman was sent notice by the Government of India, Ministry of Labour for filing the statement of claim and the relevant documents, list of witnesses in the tribunal within 15 days and the worker did not file any statement of claim.

3. The workman Shri Ganesh Prasad Jagannath was sent with a notice dated 8-5-2003 but neither the workman nor his representative turned up for filing the statement of claim till date.

4. Since the statement of claim in respect of the issue has not been filed by the parties, therefore, the issue cannot be answered.

5. Copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली 21 जनवरी, 2004

का. अ. 363.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा की 17 के अनुसरण में, ई. पी. एफ. ओ. के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित विवादों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद

में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कोलकाता (संदर्भ संख्या 12/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/147/2002-आई.आर. (सी एम- II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 363.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 12/2003) of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Kolkata as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Employees Provident Fund Organisation and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004

[No. L-42012/147/2002-IR(CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

# ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
AT KOLKATA

Reference No. 12 of 2003

**PARTIES :** Employers in relation to the management  
of Employees Provident Fund Organisation.

**AND**

Their workmen

**PRESENT :** Mr. Justice Hrishikesh Banerji  
Presiding Officer.

# APPEARANCE :

On behalf of	:	Mr. O.P. Dubey, Assistant
Management	:	Provident Fund Commissioner.
On behalf of	:	Mr. G.S. Chattopadhyay,
Workmen	:	General Secretary of the
		Union.

State : West Bengal Industry : Provident Fund  
Dated : 5th January, 2004.

# AWARD

By Order No. L-42012/147/2002/IR(CM-II) dated 13-02-2003 the Central Government in exercise of its powers under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Employees Provident Fund Organisation, Calcutta in not paying pay, allowances and other financial benefits to the workmen, who participated in the strike w.e.f. 6-2-1998 to 10-3-1998 is legal and justified? If not, what relief the concerned workmen are entitled to?"

2. When the case is called out today, representatives of both the parties state that the dispute under the present reference has been settled between the parties out of Court and they have filed the settlement duly signed by them. They pray that an Award in terms of the settlement be passed.

3. Upon consideration of the submission of the parties and also the settlement which is found to be fair, reasonable and in the interest of the parties, I pass an Award in terms of the settlement. Let the settlement be part of this Award as Annexure-A.

Dated, Kolkata,  
The 5th January, 2004

HRISHIKESH BANERJI, Presiding Officer

**ANNEXURE A**  
**BEFORE THE LD. CENTRAL GOVERNMENT**  
**INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLKATA**  
**Reference No. 12 of 2003**

Name of parties :

Representing Employer(s) : Regional Provident Fund  
Commissioner, West Bengal  
Employees' Provident  
Fund Organisation.

Representing Workmen : Regional Provident Fund  
Staff Association, West  
Bengal (Regd. No. 8016)

**Short Recital of the Case**

On the call of Regional Provident Fund Staff Association, West Bengal (Registration No. 8016), recognised by the Management of Employees' Provident Fund Organisation under Code of Discipline in Industry "STRIKE" took place from 6th February, 1998 to 10th March, 1998 in all the Provident Fund Offices of West Bengal. The employees who joined their respective offices after participation in strike upto 26 days were favoured with full salary and allowances by regularization of their absence from duty upto 26 days even by grant of Special Casual Leave, whereas the employees who could not join for some or other reasons before 33 days and after joining the duty on 34th day, the days of absence for 33 days were not considered for regularization by way of granting any kind of leave. Rather, such period was taken as that of absence without leave and the salary and allowances for the period of 33 days were not paid. The said period of 33 days was treated as that of E.O.L. The strike was not illegal and no Competent Authority declared the said strike as "Illegal".

Whether the action of the Management of Employees' Provident Fund Organisation, Kolkata is not paying pay, allowances and other financial benefits to the workmen who participated in the strike w.e.f. 06-02-1998 to 10-03-1998 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to? With regard to the above issue the following settlement has been arrived at.

**TERMS OF SETTLEMENT**

A settlement was arrived at between the Central Provident Fund Commissioner/Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal the employer and the workmen otherwise than in the course of conciliation proceedings in the matter of Regularisation of unauthorized absence of 33 days in pursuance of Employees' Provident Fund

Organisation, Head Office letter No. HRM.III/2(3)/2003/ Misc./19096 dated 06-06-2003.

The terms of settlement arrived at in pursuance of the order dated 20-06-2003 of Regional Provident Fund Commissioner (I), West Bengal is that on consideration of all the factors prevailing during the strike period of 33 days the period of unauthorized absence from 06-02-1998 to 10-03-1998 should not be treated as break and the said period shall be regularized by grant of regular leave depending on the application of the individual employee and eligibility as on 06-02-1998. The employees are entitled to salary and allowances for the said period alongwith the consequential benefit of annual increment. The absentee in his representation should have expressed unqualified regret with an assurance that he will not be indulging in such conduct in future.

In the circumstances since the employers Central Provident Fund Commissioner/Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal, Employees' Provident Fund Organisation have already given effect to the prayer and the demand of the Regional Provident Fund Staff Association, which is the subject matter before your honour for adjudication there is no necessity of pursuing the matter any longer.

As such necessary award and/or order may kindly be passed by your lordship.

And for this act of kindness your parties are duty bound shall ever pray.

Sd/-

P. R. MITRA, Assistant P.F. Commissioner  
Representing Employer (s)

Sd/-

Signature of the parties :

Sd/-

G. S. CHATTOPADHYAY, General Secretary  
Regional Provident Fund Staff Association,  
West Bengal (8016)  
Representing Workmen

Witness : Sd/-

1. M.R. YADAV Regional P. F. Commissioner (II) W.B.  
Sd/-

2. Gobindan Chattopadhyay,  
Regional Provident Fund Staff Association,  
West Bengal

This day of 19th December, 2003.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

का. आ. 364. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा की 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबंधन के संघर्ष नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 102/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/170/89-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st January, 2004

S.O. 364.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 102/92) of the Central Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CPWD and their workman, which was received by the Central Government on 21-1-2004.

[No. L-42012/170/89-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

Presiding Officer : Shri B.N. Pandey

I.D. NO. 102/92

Shri Prem Parkash,  
S/o Shri Mathura Dutt,  
R/o. F-550, Deoli Village,  
New Delhi.

...Workmen/Claimant.

Versus

Management of CPWD  
Through : The Engineer,  
Electrical Divn.No.,  
CPWD, I. P. Bhawan,  
New Delhi-110001

...Management/Respondent

### AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/170/89-I.R.(DU), dated 29-10-92 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of CPWD in terminating the services of Shri Prem Parkash with effect from 12-2-84 is legal and justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?”

2. In brief, case of the workman Sh. Prem Parkash, as per his statement of claim, is that he was appointed as a Wireman Grade-II in C.P.W.D. vide order dated 17-6-82; that before giving him appointment the C.P.W.D. had requested the Employment Exchange to sponsor qualified candidates names for the post of Wireman Grade-II and accordingly the Employment Exchange sponsored two names in which petitioner's name was shown as No.1; that after examination of all the documents, he (workman) was appointed as per letter dated 17-6-82 as Wireman Gr.-II; that his services were terminated on 21-10-83 without due compliance of any provisions of law, therefore, he was re-employed when the matter reached for reconciliation. A true copy of the award showing entire history dated 24-3-87 is annexed as Annexure-II to the claim petition. That his services were again terminated/retrenched without due compliance of law on 11-2-84 on

the grounds that he did not possess 'Wireman Licence' which was basic requirement. It is further submitted by the workman that the basic qualification is I.T.I. and not the licence which the workman was possessing even before submitting the papers to the Employment Exchange. Even otherwise petitioner obtained a certificate of licence on 25-6-85 from U.P. and the same was transferred to the Delhi Administration by the order dated 27-3-87. A photo copy of the wireman licence dated 29-6-85 and 27-3-87 are annexed to the claim petition as Annexures-IV and V respectively; that the provisions of Section 25-F of the I.D. Act have not been complied with and therefore, order of termination is void *ab-initio*; that many other persons named—Janardan Parshad, Ranvir Singh, Babu Lal, Harishanker Sharma, Chander Mohan, Asit Roy, Keshar Singh, Kundu, Dilip Kumar, A.K. Shankaran, Satyapal and Brahmanand are still working with the department on the basis of I.T.I. qualifications and not on the basis of any licence as Wireman Gr.-II; that the licence is not necessary and basic qualifications as the same can be obtained even after appointment and joining department if need be so. That on raising the dispute by the workman reference has been made by the government on the directions of the Hon'ble High Court. The workman has filed this claim petition praying to set aside the termination order dated 11-2-84 passed by CPWD and his reinstatement in service with all consequential benefits and total back wages.

3. The claim of the workman has been opposed by the management of C.P.W.D. by way of filing a written statement. In the written statement it has been *inter alia* alleged that the answering respondent is not an industry within the meaning of I.D. Act, 1947; that the workman has concealed the fact that he was not qualified/eligible for the post of temporary Wireman Gr.-II in C.P.W.D.; that the real facts remain that Prem Parkash workman was appointed as a temporary Wireman Gr.-II in C.P.W.D. w.e.f. 18-6-82 on purely temporary basis terminable at any time without notice of a single date on daily wages; that the requisite qualifications for the post of Wireman Gr.-II is holding of Wireman Licence Gr.-II as per manual Vol.III C.P.W.D.; that the recommendation by the employment exchange sponsoring the name of the petitioner was wrong since he did not possess the requisite qualification for Wireman Grade-II as mentioned above; that appointment of the petitioner was made due to inadvertence and by mistake, Officer concerned of the CPWD did not verify the educational qualification certificate of the petitioner as he was holding recommendation/sponsor letter from the Employment Exchange authority; thus the appointment of the petitioner was not proper and could be called non-est; that the petitioner was not having requisite qualification and despite an opportunity being given to him to acquire proper licence, he failed to produce any certificate of licence, hence he was served with one month's notice on 11-1-84 and his service was finally dispensed with on 12-2-84; that the CPWD has not violated

any law of the land, the services of the petitioner were dispensed with after complying with the provisions; that the petitioner is not entitled to reinstatement, back wages and other consequential relief. His claim is baseless, misconceived and liable to be dismissed.

4. The workman has also filed rejoinder to the written statement of the respondent wherein he has denied the assertions made in the written statement and reiterated his earlier versions made in the statement of claim.

5. In evidence both the parties filed various copies of documents. The workman also filed his own affidavit Ex.WW1/1 and he was cross-examined by the Management/respondent. On the other hand the management filed affidavit of Shri M.K. Aggarwal, Executive Engineer, Electrical Div. No.1 CPWD as Ex.MW1/1 who was also cross-examined on behalf of the workman.

6. I have heard arguments of both the sides, gone through the file and also perused various case laws cited on behalf of the parties.

7. Admittedly appointment of the workman was made by the management through a selection process for which his name was sponsored by the employment exchange for the post of Wireman Gr.-II on the request of C.P.W.D. In the affidavit of Shri M.K. Aggarwal, Executive Engineer (MW I), a witness of Management, it has been alleged that the appointment of the petitioner/workman was made due to inadvertence and by mistake as the officer concerned of the C.P.W.D. did not verify educational certificate of the petitioner because he was holding recommendation/sponsor letter from the employment exchange; and thus according to the management, the appointment of the petitioner was not proper and could be called non-est. It has been further alleged by Management that during one of the surprised checks conducted by the Executive Engineer it was found that the petitioner did not possess wireman licence which was minimum requisite qualification for the post of Assistant Wireman Grade-II; that the petitioner was given a chance to appear in the examination held in November 1983 to acquire the proper licence but he failed to produce any documentary proof to prove his passing the examination for obtaining wireman licence, therefore, he was given a notice on 11-1-84 and his services were finally dispensed with on 12-2-84. In his cross-examination this witness stated that "there was no mention of the fact that the candidate should be a licence holder when the requisition from the employment exchange was made and that no action was taken against any official for appointing him by mistake." He again stated that "only the post was indicated to the Employment Exchange and not qualification required for that". It shows that admittedly there was no mention of pre-requirement of holding a licence for the post of wireman at that time. In response to the requisition of the management for sending names of

candidates for recruitment of muster roll wireman the employment exchange sent names of two candidates namely Prem Parkash/the present workman and Rameshwar Dayal through its letter dated 17-6-82 (Annexure-B) to the application dated 6-7-93 of the management. This letter, on its back side, also shows that Prem Parkash was selected and Rameshwar Dayal was rejected as indicated by words S & 'No' respectively. Accordingly the workman was appointed and joined on the post of Wireman Gr.-II on 18-6-82.

8. In proof of his educational qualifications the workman has also filed before this tribunal his National Trade certificate of Ministry of Labour, Government of India, showing that having completed course of training at Industrial Training Institute Sald Mahadev Garhwal, he passed prescribed trade test in the trade of wireman in July, 81. It shows that he had also a certificate of having passed the trade test of wireman before his recruitment to the service on the basis of which his name was sponsored by the employment exchange. He has also filed a wireman permit dated 29-6-85 given by the U.P. Government on the basis of his having passed the wireman trade test in 1981. The Delhi Administration has also issued a certificate of competency of class II Wireman dated 27-3-87. So in absence of requirement of any specific qualification in the requisition letter, the employment exchange cannot be blamed for sending the name of the workman for the post of wireman grade II, nor the workman can be blamed for concealing his qualification. If, as alleged by the management, due to inadvertence and by mistake the officer concerned of the management did not verify the educational qualification certificate of the petitioner at the time of selection & appointment as his name was sponsored by the employment exchange, the workman cannot be held responsible for that. Moreover this is not a case of concealment of any material fact by the workman or entering into service on the basis of any false certificate. No action at all was taken by the management against its recruiting officer. The workman was also not served with any show cause notice nor any enquiry was held before terminating his services on that ground that he did not possess minimum requisite qualification for that post. So it cannot be made basis of termination of the workman. There was no justification for terminating the services of the workman on this ground for no fault of his own.

9. In a similar case in *Inderdev Sharma Vs. Govt. National Capital Territory of Delhi* and others reported in 2002(92) FLR 995. The Hon'ble High Court of Delhi held that:

"the petitioner was appointed after selection and interview before selection committee-but his services discontinued after four months-on ground that he was overage and relaxation was not granted by competent authority-held that appointment/



relaxation as per rules, deemed to have been granted, if not objected to within 15 days. Therefore, order dismissing services of the petitioner was quashed. It was further held that the petitioner had already been appointed, all be it provisionally. This is a salutary provision intended to obviate the impasse of a person commencing his employment and later being told that his appointment was irregular and therefore non-est. The petitioner has already worked for four months, an aspect which cannot be lost sight of. In these circumstances the order terminating services were quashed and the petitioner was reinstated."

10. In the instant case the appointment of the petitioner was made after selection and his name was also sponsored by the employment exchange hence his appointment cannot be said to be non-est. He also worked w.e.f. 18-6-82 to 11-2-84 for about two years. Therefore, he could not be terminated without any enquiry, notice and compensation. There could also be no legal retrenchment. The workman has also challenged the termination order on the grounds that his services were terminated w.e.f. 12-2-84 without notice, charge sheet or payment of compensation and it is totally in violation of provisions of Section 25-F of the I.D. Act. In this regard it is worth to be mentioned that admittedly the workman had completed more than 240 days of his continuous service during the preceding 12 calendar months. No compliance of provisions (b) and (c) of Section 25-F was made in his case. As regards compliance of Sub-section (a) it is alleged by the management that one month's notice was given before the retrenchment but this fact has been denied. Retrenchment compensation was also not been paid to him. The management itself has filed a copy of the alleged notice dated 11-1-84 wherein it was alleged that "during scrutiny it was observed that you are not possessing Wireman Grade-II licence, which is minimum qualification for the post of Assistant Wireman. Under the circumstances served with one months notice of termination of your services from the date of receipt of this letter"

11. In the aforesaid notice the word 'termination of your services from the date of receipt of this letter' is also relevant. It shows that it was not a proper and legal notice of one month as required. His services were liable to be terminated after expiry of one month w.e.f. the date of receipt of that letter only and not any other prior or later date. The notice was issued on 11-1-84 and his services were discontinued w.e.f. 12-2-84. There is nothing on the records to show as to when this notice was served on the workman. So this notice was also not proper and in accordance with law.

12. There is nothing on the record to show that wages for the period of notice were paid to him. There is

no evidence to prove flat provision of Sub sections (b) and (c) of Section 25-F of I.D. Act, 1947 were also followed,

13. Apart from that it is also relevant to note that there is nothing on the record to indicate as to how, and on what basis alleged scrutiny of the qualification of workman was made. It also shows that the alleged scrutiny, if any made *ex parte* and in absence of the petitioner/workman, no opportunity was given to him as to whether he was possessing any such licence or not. This decision was taken *ex parte* without giving any show cause notice or opportunity to workman to meet and explain it. Therefore, it was also in utter disregard to the provisions of principles of natural justice.

14. It has also come in the pleadings and statement of the workman that other juniors to the workman and having similar qualifications as to that of the workman are still working and the management has taken no action against them. This fact has not been specifically denied by the management. Hence this fact also go to show the arbitrariness malafides and illegal activities of the management towards the workman.

15. In view of the above discussions, I come to the conclusion that the termination order of the workman w.e.f. 12-2-84 was illegal, unjust and against the principles of natural justice. Therefore, it cannot be legally sustained. It deserves to be set aside and accordingly it is quashed. The workman is entitled to be reinstated in service with continuity of service and all consequential benefits.

16. As regards to payment of back wages, the management has adduced no evidence. It was argued on behalf of the Management that workman has admitted in his cross-examination that his family expenditure is about Rs.2,500/- to Rs.3,000/- PM and that he does the work of wireman and also light fittings. So, he is not entitled to back wages. But I do not agree with it. Simply because, he knows, to do or does certain work does not mean that he has been in some other gainful employment. The burden was on the management to prove that during the forced unemployment caused by the illegal and unjust act of the management, the workman has been in gainful employment somewhere else, but the management has failed to discharge this burden. Therefore, I am of the view that the workman is entitled to reinstatement with full back wages, continuity of service and all consequential benefits. The management shall reinstate the workman in service within 30 days and pay him full back wages and give all consequential benefits within two months from the date of publication of the award in the Gazette. Parties shall bear their own costs. Award is given accordingly.

BADRI NIWAS PANDEY, Presiding Officer

Dated : 20-01-2004

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 2004

का. आ. 365.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कोलकाता के पंचाट (संदर्भ संख्या 45/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/246/2000-आई.आर.(बी.-I)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd January, 2004

S. O. 365.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (45/2000) of the Central Govt. Industrial Tribunal, Kolkata now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Standard Chartered Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-1-2004.

[No. L-12012/246/2000-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
AT KOLKATA

Reference No. 45 of 2000

Parties: Employers in relation to the management of  
Standard Chartered Grindlays Bank Ltd., Calcutta

AND

Their workmen

**PRESENT:**

Mr. Justice Hrishikesh Banerji,  
Presiding Officer

**APPEARANCE:**

On behalf of : Mr. G.C. Chakraborty, Advocate.  
Management

On behalf of : Mr. Asim Pal, the workman concerned  
workman : in person.

State : West Bengal Industry : Banking

Dated: 5th January, 2004

**AWARD**

By Order No. L-12012/246/2000/IR(B-I) dated 31-10-2000 the Central Government in exercise of its powers under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Standard Chartered Grindlays Bank Limited in dismissing Shri Ashim Pal from the services of the Bank w.e.f.

2-4-96 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. When the case is called out today, it is stated by both the parties that the dispute under the present reference has been settled between the parties out of Court and they have filed a Joint Petition of Compromise duly signed to the effect. They pray for an Award in terms of the settlement.

3. Upon consideration of the submission of the parties and also the terms of the settlement which are found to be fair, reasonable and in the interest of the parties, I pass an award in terms of the settlement. The Joint Petition of Compromise is made part of this Award as Annexure-I.

Dated, Kolkata,

the 5th January, 2004

HRISHIKESH BANERJI, Presiding Officer

**ANNEXURE I**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 45 of 2000

In the matter of :

An Industrial Dispute;

**BETWEEN**

The Employers in relation to the management of  
Standard Chartered Grindlays Bank Ltd., Calcutta.

**AND**

Their Workman, Sri Asim Pal, Roy's Berth  
Sandestala Road, P.O. Chinsurah, Dist. Hooghly,  
West Bengal, Pin Code-712 101.

Joint Petition of Compromise between the  
Workman Mr. Asim Pal (dismissed employee)  
of Standard Chartered Bank (formerly known  
as Standard Chartered Grindlays Bank  
Limited) and the management of Standard  
Chartered Bank—

Most Respectfully Sheweth :

1. That the Government of India, in the Ministry of Labour vide their Order No. L-12012/246/2000/IR(B-I) dated 31-10-2000 has referred the instant industrial dispute for adjudication to this learned Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as to whether the dismissal of Mr. Asim Pal from the services (dismissed workman) of Standard Chartered Grindlays Bank Limited (now known as Standard Chartered Bank) was justified or not.

2. That both parties namely the dismissed workman namely Mr. Asim Pal and the management namely, Standard Chartered Bank have filed their respective Written Statements and documents to be relied upon by parties. The reference case was taken up for hearing on the preliminary point as to the validity of the domestic enquiry and

the evidence of the dismissed workman Mr. Asim Pal was recorded. The management namely Standard Chartered Bank is to be lead evidence on the next date which may be fixed by the Learned Tribunal after the new Presiding Officer takes charge of the Learned Tribunal Bench.

3. That in the mean time by his Appeal letter dated 23rd August 2002 addressed to The Head-Human Resource of the management of the Bank at 23-25 Mahatma Gandhi Road, Fort, Mumbai-400001 the dismissed workman Mr. Asim Pal approached the Management of the Bank appealing for an amicable settlement of the dispute pending before Learned Central Government Industrial Tribunal, Calcutta and for some financial help for his medical expenses for his hernia operation expenses, for his daughter's education and for her marriage etc. and expressing his desire and also undertaking to withdraw the instant reference pending before the Learned Tribunal. A copy of the side Appeal letter dated 23rd August 2002 is annexed hereto and marked 'A'. After due consideration of the above Appeal of the dismissed workman Mr. Asim Pal the management of Standard Chartered Bank on humanitarian ground has agreed to pay an ex-gratia lump sum of Rs. 3,00,000/- (Rupees Three lakhs only) within 45 days from the date of final order of this Learned Central Government Industrial Tribunal, Calcutta disposing off this pending reference and passing the Award by this Learned Tribunal. The dismissed workman Mr. Asim Pal confirms that he has duly received full claim towards Provident Fund of Rs. 1,95,350.17 on 20-2-1998 and Gratuity Rs. 1,43,040/- on 27-3-1997 and that he has no claim whatsoever with the Bank reaffirms and undertakes that he will not raise any monetary claim or otherwise or dispute before any legal forum/statutory authority with regard to his dismissal from and/or termination of service or ceasing to be in the employment of the Bank.

4. That the dismissed employee Mr. Asim Pal, in consideration of the above has agreed not to proceed with instant Reference No. 45 of 2000 pending before this Learned Central Government Industrial Tribunal, Calcutta and as such signing and filing this Joint Petition of Compromise.

5. Both parties are approaching the Learned Central Government Industrial Tribunal, Calcutta for disposal of the pending Reference case in terms of the settlement arrived at between parties.

Under the above circumstances, it is prayed by both parties that this Learned Central Government Industrial Tribunal, Calcutta may graciously be pleased to pass an Award in terms of settlement arrived at between parties as stated above.

Dated : Kolkata, the 19th day of August 2003.

Sd/-

Signature of Asim Pal

Signature & Seal on behalf of the Bank  
19, Netaji Subhas Road,  
Kolkata-700001, India.

Witnesses :

Chiranjib Bhattacharyya  
Standard Chartered Bank  
19 N.S. Road, Kolkata-700001

#### ANNEXURE "A"

Mr. Asim Pal  
183, Roy's Baer,  
P.O. Chinsura, Dt. Hooghly, Pin Code-712101

The Head-Human Resources,  
Standard Chartered Bank,  
23-25, Mahatma Gandhi Road, Fort,  
Mumbai-400001.

Sir,

*Discharge with Superannuation Benefits instead of "Dismissal without Notice"—Mr. Asim Pal, Staff—Calcutta.*

My humble prayer that I have served in ANZ Grindlays Bank now taken by your Bank since 6th February 1967, I was dismissed from service with effect from 2nd April 1996.

The prayers are, please grant me as an Ex-Gratia of rs. 2,00,000/- (Rupees Two Lakhs) and another is to give PENSION monthly or otherwise.

Due to such dismissal from service I am facing service financial crisis. That is why I am not maintaining my family expenses as such my daughter's education after graduation and other medical expenses minimum Rs. 500/- per month. Moreover, I have operated a "HERNIA" operation on last 12th July 2002 then huge amount (Medicines and others) have expended. Another vital expenses due when I will give my "DAUGHTER'S MARRIAGE". She is now 23 years of age.

Kindly consider my above prayer sympathetically and grant me as soon as possible. My last promise to you I will withdraw all my pending cases against Management in C.G.I.T./Labour Court or elsewhere.

Yours faithfully

Sd/-

(ASIM PAL)

Dated 23rd August, 2002.

Copy to Mr. Prasanta Sarkar, Head-Human Resources,  
Standard Chartered Bank, 19, Netaji Subhas Rd.,  
Calcutta-700001.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 45 of 2000

In the matter of

An Industrial Dispute:



**BETWEEN**

The employers in relation to the management of  
Standard Chartered Grindlays Bank Ltd., Calcutta.

**AND**

Their Workman, Sri Asim Pal, Roy's Berth  
Sandesartala Road, P.O. Chinsurah, Distt. Hooghly,  
West Bengal, Pin Code-712101.

Joint Petition of Compromise between the Workman  
Mr. Asim Pal (dismissed employee) of Standard  
Chartered Bank (formerly known as Standard  
Chartered Grindlays Bank Limited) and the  
management of Standard Chartered Bank.

Khaitan & Co.  
Advocates  
Emerald House  
1B, Old Post Office Street  
Calcutta-700001

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 2004

का. आ. 366.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जोनल ट्रेनिंग स्कूल, भुली, पूर्वी रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. 2, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 4/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/23/95-आईआर(बी-1)]

अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd January, 2004

S. O. 366.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (4/2003) of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Zonal Training School, Bhuli, Eastern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 22-1-2004.

[No. L-41012/23/95-IR(B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

**ANNEXURE**

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

**PRESENT:**

SHRI B. BISWAS, Presiding Officer.

In the matter of an application under Section 33A of the  
I.D. Act, 1947.

(Arising out of Ref. No. 41 of 1997 (Ministry's Order No.  
L-41012/23/95/IR dt. Nil).

**COMPLAINT NO. 4 OF 2003**

**PARTIES:** Employers in relation to the management of  
Zonal Training School at Bhuli, Eastern  
Railway, Dhanbad. ...Opp. Party.

-Versus-

Smt. Saraswati Devi,

the concerned workman.....Complainant.

State : Jharkhand

Industry : Railway

Dated, Dhanbad the 2nd January, 2004

**AWARD**

This is a complaint petition under Section 33A of the I.D. Act, 1947 filed by the complainant named above against the O. P. Management.

2. The complainant in his petition submitted that the Principal, ZTC/Bhuli by issuing a letter No. ZTC/E/2/B9/Gr. 2/03-Bhuli dt. 29-9-2003 spared her on 29-9-03 and asked her to join at Howrah as Safaiwala showing the reason that her lien has been fixed at Howrah vide letter No. CPO/KK's No. 890/2/31/TRG/ZTC Bhuli, Pt. V of 19-6-93. She alleged that Principal ZTC. Bhuli issued that order as she refused to withdraw Ref. Case No. 41/97 which is pending for hearing argument before this Tribunal inspite of pressure created on her.

3. She submitted that in response to the said letter she being released reported for duty at Howrah but instead of allowing him to join there a letter dt. 30-9-03 was handed over to her for its communication to the Principal ZTC, Bhuli. In the said letter it was mentioned that due to long period they could not trace out where the lien of the complainant was fixed. Accordingly request was made to the Principal to release the petitioner with a copy of the said letter dt. 19-6-93 and identity card with photo and her specimen signature/LTI duly attested. She submitted that the principal, ZTC Bhuli though handed over a zerox copy of letter No. ZTC/E/2/RS/Gr. D/03-Bhuli dt. 9-10-03 did not hand over a copy of the letter dt. 19-6-93. She alleged that the action taken by the Principal was against the provision contained under Section 33F of the I.D. Act, 1947 as because during pendency of the above mentioned reference she has been spared changing the condition of service because she has been spared to work as Safaiwala whereas the terms of Reference is "whether change of designation of Smt. Saraswati Devi Waterman, reverting her back to Safaiwala is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled." She submitted that she is working as waterman throughout the period since her joining at Dhanbad 23 years back. She alleged that Principal ZTC following unfair labour practices and also with malafide intention not only spared her but also spared another workman Kantilal relying on a reference letter issued about ten years back. She alleged that such action of the Principal was illegal, arbitrary, malafide and it was so done only to victimise him. She submitted that she is widow and got her

357 GI/04-14

employment in place of her husband. She further disclosed that she will face serious difficulty if she is asked to join at Howrah as she is living with her old blind mother. In view of the facts and circumstances stated above she disclosed that considering the balance of convenience and inconvenience if an order of stay in the matter of enforcement of that order is not issued she will face irreparable loss and injury. Accordingly the complainant further submitted her prayer to quash the order dt. 29-9-2003 and 9-10-2003 as being in contravention of Section 33 of the I.D. Act, 1947.

4. O.P. Management of the contrary after filing Written objection have denied all the claims and allegations which the complainant has asserted in her petition. They submitted that the transfer of an employee from one place to another is an incident of service and the employer enjoys that prerogative. They submitted that the complainant got her appointment as "Safaiwala" and placed for work under the O.P. management though her lien was at Howrah. They further decided that the complainant was not transferred but she was spared with direction to join at Howrah where she had her lien and for which there is no scope to say that for the said order her service condition has been altered and it violated the provisions as laid down U/S. 33 A of the I.D. Act. They submitted further that the relief which the complainant has sought for is not entitled to get as she has already joined at Howrah i.e. at the place of her lien and is working there. Accordingly the O.P. management submitted prayer to dismiss the petition filed by the complainant with cost.

#### FINDING WITH REASONS

5. Considering the petition submitted the complainant as well as Written objection submitted by the O. P. management there is no dispute to hold that the complainant was initially posted at ZTC, Bhuli under direct control of the Principal as Safaiwala. There is also no dispute to hold that Ref. case No. 41/97 which was initiated by the complainant is pending before this Tribunal for disposal. In that reference case terms of Reference is as follows :—

"Whether change of designation of Smt. Saraswati Devi, Waterman, reverting her back to Safaiwala is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

It is the specific claim of the complainant that by specific order of the O. P. management since long she has been discharging her duties as waterman. She alleged that as she refused to subdue to the undue influence of the O.P. to withdraw that Ref. case being enraged and with ill motive the Principal ZTC by letter No. ZTC/E/2/AS/Gr. 2/03 Bhuli dt. 29-9-2003 spared her and asked her to join at Howrah as Safaiwala. It has been admitted by the complainant that being spared she went to Howrah with a view to join there but due to non availability of the order relating

to her 'lien' there she was not allowed to join there and asked her to bring necessary order to that effect along with identity card. Accordingly, she returned back but the O.P. again spared her with direction to join there without handing over the relevant paper relating to her lien. The O.P. management however, in course of hearing categorically denied this fact not only but also submitted that they handed over all relevant papers to the petitioner for handing over the same at Howrah. It is their further contention that the complainant has already joined there and to that effect they have received report from the present place of her work. Here the point for consideration is that whether by such order the O.P. management have violated the service condition of the complainant ignoring the provision as laid down under Section 33A of the I.D. Act, 1947. From the letter dt. 29-9-2003 issued by the Principal ZTC, Bhuli addressed to Divisional Railway Manager, E. Rly, Howrah, it transpires that the complainant was spared on 29-9-2003 (A.N.) for her further posting at Howrah Division, as her lien was fixed at Howrah Division vide letter Ref. CPO/KKK's No. E 890/2/31/TRG/ZTC, Bhuli Pt. V. of 19-8-93. The said letter was issued by Chief Personnel Manager Eastern Railway wherein lien of Gr. D staff engaged at ZTT/Bhuli was fixed. As per the list name of the complainant comes in Sl. No. 35 wherein her designation was disclosed as Safaiwala. As per the said list she joined at ZTC, Bhuli on 12-8-80 and her lien was maintained at Howrah. By letter No. ZTC/E/2/RS/Gr. D/03 dt. 9-10-2003 Principal, ZTC, Bhuli communicated the order as mentioned above issued by the Chief Personnel Manager to the Divisional Railway Manager, Eastern Railway Bhuli.

6. Considering the facts and circumstances discussed above there is no dispute to hold that as Safaiwala the complainant joined at ZTC, Bhuli though her lien was placed at Howrah in view of letter issued by the Chief Personnel Manager. It is seen that the Principal ZTC Bhuli did not issue any order of transfer against the petitioner. Actually the Principal spared her for her joining at Howrah where her lien was placed. It has been alleged by the complainant that the Principal will ill motivate arbitrarily and illegally spared her from the present place of her posting and thereby changed her service condition which has contravened the provision as laid down U/S 33A of the I.D. Act.

7. It transpires that Chief Personnel Manager, by letter No. E-890/2/31/TRG/ZTS(BHULI) Pt. V dt. 19-8-93 addressed to different Divisional Railway Manager, Eastern Railway, requested to take immediate step in the matter of Gr. D staff whose lien have been placed under their Division. It is seen that inspite of issuance of that letter Divisional Railway Manager, Eastern Railway, Howrah did not take any action to issue any letter for withdrawal of the complainant from ZTC Bhuli where she was engaged as Safaiwala for her joining under Howrah Division as per lien. On the contrary it was the Principal who spared her.

Considering all materials on record there is no dispute to hold that as the lien of the complainant was placed under Howrah Division she did not accrue any legal right to remain at ZTC Bhuli permanently ignoring her lien. Onus is on the complainant to establish that by such order of the Principal her service condition was changed. The complainant is a Gr. D staff and on spare she will remain as Gr. D. staff. As there is specific order issued by Chief Personnel Officer, the complainant cannot deny her posting at Howrah where her lien stands. The complainant in course of hearing could not explain properly how her service condition was affected being spared by the Principal. It is seen from letter No. EB/Safaiwala/Misc. (5) dt. 21-11-03 issued by B.K. Datta APO(2)/Howrah for Divisional Railway Manager, Howrah that the complainant has joined Howrah Division on 23-10-2003 being spared by the Principal ZTC Bhuli. No doubt the complainant submitted a counter affidavit denying her joining at Howrah Division. Letter issued on behalf of Divisional Railway Manager, Howrah Division as referred to above is an official letter accordingly by before distrusting that letter the complainant cannot avoid responsibility to prove that she did not join at Howrah. The complainant in her petition has prayed for stay of the sparing order issued by the Principal ZTC/Bhuli and also submitted further prayer to quash the said order dt. 29-9-2003 and 9-10-2003. It is seen that the complainant has already joined to her place of lien. As she has complied the order of the Principal there is no question of passing any order of stay of the impugned order. If the balance of convenience and inconvenience are taken into consideration there is scope to say that the original place of posting of the complainant as per lien is at Howrah. She was spared to join at Howrah and not under any other Division. I consider that within the peripheral limit the Principal is very much empowered to spare any workman for his/her joining at the place of her lien. Accordingly, there is no scope to say that with any mala fide intention the Principal arbitrarily and illegally spared her. There is also no scope to consider that for the said order of the Principal service condition of the complainant has been changed or it has violated the provision as laid down under Section 33A of the I.D. Act. In the result, the following Award is rendered:—

"The petitioner complainant is not entitled to get any relief and the petition filed by the complainant is rejected on contest. However, no cost is awarded."

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 2004

का. आ. 367.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरसंचार विभाग के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण

चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 55/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-2004 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल.-40012/210/93-आई.आर.(डी.यू.) ]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd January, 2004

S. O. 367.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 55/94) of the Central Govt. Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Deptt. of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 22-1-2004.

[No. L-40012/210/93-IR(DU)]

KULDIP RAJ VERMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

PRESIDING OFFICER SH. S. M. GOEL  
Case No. ID. 55/94

Sh. Pawan Kumar C/o Sh. Madan Mohan, Advocate,  
Chamber No. 115, Distt. Courts, Chandigarh.

Applicant.

Vs.

The Supdt. of Telegraph Traffic, Deptt. of  
Telecommunication, Amritsar Division, Amritsar (PB)

Asstt. Supdt. of Telegraph Traffic Divisional,  
Telegraph Office, Pathankot.

Respondent

#### APPEARANCES

For the Workman. Sh. Madan Mohan.

For the Management. Sh. I. S. Sidhu.

#### AWARD

(Passed on 16-12-2003)

Central Govt. vide notification No. L-40012/210/93/IR(DU) dated 13/7/1994 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Supdt. Telegraph Traffic, Deptt. of Telecom, Amritsar in terminating the services of Sh. Pawan Kumar is legal and justified. If not, what relief the workman concerned is entitled to?"

2. It is pleaded in the claim statement by the workman that he was employed as watchman-cum-frash in group D post in the telegraph office, Pathankot at a monthly wages of Rs. 856/- in place of one Rajesh Kumar who left the services. The workman joined the service on 3-4-1988 and

his work and conduct was satisfactory. His services were terminated on 2-3-1993 without holding any enquiry and charge sheet although he has completed more than 240 days of services in one calendar year. It is further pleaded that the post is still vacant and the management has violated the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act, 1947 as no retrenchment compensation was paid to him at the time of termination which also amounts to unfair labour practices. The applicant has thus prayed that he be reinstated in service with full back wages and other benefits.

3. In the written statement the management has pleaded that the applicant was appointed as part time farash vide order dated 3-4-1988/8-8-1988 for three hours only and thus the applicant does not fall within the purview of workman as defined under the I.D. Act, 1947. It is further pleaded that the applicant was never appointed in group D cadre. It is further pleaded that group D post was sanctioned for Pathankot on 11-2-1993 and one Jit Ram was surplus at Amritsar, he was adjusted against the sanctioned group D post. It is also denied by the management that workman has ever completed more than 240 days of service in one calendar year. No unfair labour practice has been committed by the management and therefore, it is prayed that there is no merit in the reference and the same deserves rejection.

4. In evidence the applicant filed his affidavit and documents Ex. W2 to W9. In rebuttal the management produced the affidavit of Kuldeep Raj as MW1 and documents Ex. M2 and M3.

5. I have heard the learned counsel for the parties and have gone through the evidence and record of the case. The learned counsel for the workman has argued that the services of the workman were terminated in violation of the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act, 1947 as he had already completed more than 240 days of service in one calendar year on part time basis as per his appointment letter. The learned counsel for the workman has further argued that one Jeet Ram was accommodated when the regular post was sanctioned and the post was not given to the workman thus the Management has gravely violated the Provisions of I.D. Act, which also amounted to unfair labour practice. He has also relied on 1984 Labour Industrial Cases NOC84 (Punjab and Haryana) Page 41 and Labour and Judicial Reports 2001 (1) Page 338, 2002(6)SLR Page 533 and 1990 LAB I.C.1451. On the other hand the Learned Counsel for the Management has argued that the workman was appointed on part time basis and his services were terminated and he cannot claim Group 'B' Post as he was only appointed on part time basis. It was mentioned in appointment letter Ex. W2 that his services can be disengaged without prior notice or cause, therefore, the workman cannot claim the regular post of Class IV.

6. I have gone through the rival contention of the parties and have also thoroughly considered the authorities

cited by the Ld. Counsel for the workman. It is admitted case of the workman that as per appointment letter and the stand taken in the claim statement, the applicant was engaged as a farash 'Part Time' against Rajesh Kumar 'Part Time Farash' whose services were terminated and it was clearly stated in the appointment letter that he was engaged on purely temporary and ad hoc basis and he can be disengaged without any prior notice or cause. Ex. M3 is the letter dated 22-2-1993 in which one post of Farash cum-waterman in DTO was sanctioned which was not on part time basis and one Jeet Ram who volunteered himself to work in DTO Pathankot was appointed as Farash-cum-Waterman. As the applicant was working as Part Time Farash for three hours and the regular post was sanctioned for DTO Pathankot the applicant as a matter of right can not claim the regular post of Farash-cum-Waterman and in my considered opinion the applicant cannot claim for the regular post. One Sh. Jeet Ram had volunteered to work as Waterman-cum-Farash as DTO Pathankot against newly created post, so the action of the Management in transferring Sh. Jeet Ram from Amritsar to Pathankot and posting him as Farash-cum-Waterman is fully justified, the Judgements cited by the Ld. Counsel for the workman are that the employees who are working on part time basis are workmen. But the services of the applicant was terminated in accordance with the appointment letter and therefore, his termination was not in violation of Section 25-F of the I.D. Act, 1947, and the Management was under no obligation to pay the workman retrenchment compensation and also one month notice. The Management has also denied that the applicant has completed 240 days of service within one calendar year preceding to the date of termination. The applicant by any evidence or documents, not proved this averment during the proceeding, therefore, it is held that the workman has also not completed 240 days service in one calendar year preceding to the date of termination. I find no merit in the present reference the same is returned against the workman. Central Govt. be informed.

Dated: 16-12-2003

S. M. GOEL, Presiding Officer

Place: Chandigarh.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2004

का.आ. 368.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 मार्च, 2004 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उप धारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला मुजफ्फरनगर की तहसील सदर के अन्तर्गत आने वाले

राजस्व ग्राम बिहारी, निराना (जानसाथ रोड) पचेड़ा, मुस्तफाबाद, मुखियाली, कुकड़ा, भण्डुरा, जटमुझरा (भोपा रोड)।

[संख्या एस-38013/05/04-एस.एस.-1]

के० सी० जैन, निदेशक

New Delhi, the 5th February, 2004

**S. O. 368.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st March, 2004 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and chapter V and VI (except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh, namely :—

"Areas comprising the revenue villages :—Bihari, Nirana (Jansath Road), Pacheda, Mustfabad, Mukhyali, Kukada, Bhandura, Jatmuyera (Bhopa Road) in Tehsil Sadar of District Muzaffar Nagar."

[No. S-38013/05/2004-SS. I]

K. C. JAIN, Director

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2004

**का.आ. 369.**—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि ताम्बा खनन उद्योग में सेवाओं को जिसे औद्योगिक

विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 13 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (द) के उप-खण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/11/97-आई.आर. (पी.एल.)]

जे. पी. पति, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 5th February, 2004

**S. O. 369.**—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest required that the services in the Copper Mining Industry which is covered by item 13 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/11/97-IR(PL)]

J. P. PATI, Jt. Secy.